शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसआईटी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को क्यों नहीं सौंपी गई @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-234

दंगा और हिंसा फैलाने वाले पाकिस्तान परस्त लोग सत्ता में शामिल

इस बार अमेरिका ने बनाया बांग्लादेश को पाकिस्तान

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमलों ने वहां उनकी नाजुक स्थिति को उजागर किया है। इस्लामी कट्टरपंथी चुन-चुन कर हिंदुओं, उनके घरों, मंदिरों और उनके कारोबार को निशाना बनाते रहे, लेकिन लिबरल इको-सिस्टम और मानवाधिकार के झंडाबरदार चुप रहे। उलटे लिबरल-वामपंथी गिरोह हिंदुओं पर हमलों की खबरों को झुठलाते रहे। इसमें देसी मीडिया और टूलकिट की तरह काम करने वाले कुछ पत्रकार और विदेशी मीडिया भी शामिल है। लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह मंत्री ब्रिगेडियर जनरल (रि) मुहम्मद सखावत हुसैन की इस स्वीकारोक्ति कि हिंदुओं पर हमले हुए, ने उन्हें आईना दिखा दिया। हुसैन ने यह भी कहा कि जो मंदिर तोड़े या जलाए गए हैं, उनके पुनर्निर्माण के लिए सरकार आर्थिक सहायता देगी। साथ ही, हिंदू समाज को सुरक्षा का आश्वासन भी दिया है।

बांग्लादेश के 64 में से 61 जिलों में बड़ी संख्या में हिंदू रहते हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक माने जाते हैं। इसीलिए अब वे कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। लेकिन लिबरल कह रहे हैं कि बांग्लादेश संकट को केवल भारतीय मीडिया हिंदू बनाम मुस्लिम नैरेटिव की तरह पेश कर रहा है। प्रश्न है कि जब हिंदुओं पर हमले नहीं हुए, मंदिरों में तोड़फोड़ नहीं हुई तो नई सरकार ने क्यों कहा कि हिंदुओं पर बहुत से स्थानों पर हमले हुए? क्यों हाथ जोड़कर माफी मांगी? मंदिरों के पुनर्निर्माण और हिंदुओं को सुरक्षा देने की बात क्यों कही? बांग्लादेश में आज जो हो रहा है, वह नया नहीं है। वहां जब भी अवामी लीग कमजोर होती है, हिंदुओं पर हमले होते हैं। राजनीतिक विद्वेष की आग में हमेशा हिंदू ही क्यों झुलसते हैं?

शुभ-लाभ सरोकार

ढाका विश्वविद्यायल के तीन छात्रों नाहिद इस्लाम, आसिफ महमूद और अबु बकर मजूमदार के आरक्षण विरोधी आंदोलन को कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी की छात्र इकाई बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर ने हाईजैक कर लिया। फिर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) भी इसमें कूद गई। कुछ दिन पहले ही शेख हसीना सरकार ने जमात-ए-इस्लामी, इसके छात्र संगठन और इससे जुड़े अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाया तो वह जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश नाम से अस्तित्व में आया। जमात के पाकिस्तान और आईएसआई केसाथ संबंध जगजाहिर हैं। इस आंदोलन में बीएनपी की छात्र इकाई छात्र दल, वामपंथी छात्र संगठन प्रोग्रेसिव स्टूडेंट्स अलायंस, इस्लामी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश और इस्लामी राजनीतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश भी शामिल थी।

▶10पर

45 साल बाद हुई भारत के प्रधानमंत्री की पोलैंड यात्रा

महत्वपूर्ण मिशन पर पोलैंड पहुंचे पीएम मोदी

- वारसॉ पहुंचने पर हुआ पीएम नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत
- शुरू होगा पीएम डोनाल्ड टस्क के साथ वार्ता का सिलसिला
- पोलैंड के बाद यूक्रेन जाएंगे मोदी, जेलेंस्की से होगी वार्ता
- यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं नरेंद्र मोदी

वारसॉ, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय पोलैंड यात्रा के क्रम में आज पोलैंड की राजधानी वारसॉ पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी का वारसॉ में भव्य स्वागत किया गया। पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पोलैंड की यह पहली यात्रा है। पीएम नरेंद्र मोदी यहां राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी पोलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। लॉज्ड की गवर्नर डोरोटा रिल ने पीएम मोदी की यात्रा को पोलैंड और क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया है। साथ ही उन्होंने भारत और पोलैंड के संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पोलैंड भारत को व्यापार और अन्य सहयोग के लिए एक बड़े साझेदार के रूप में देखता है। रिल ने कहा, पोलैंड से कई व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल नियमित रूप से भारत जाते हैं।

विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पोलैंड के बीच एक अनोखा संबंध 1940 के दशक के दौरान द्वितीय विश्व युद्ध के समय से है, जब पोलैंड की छह हजार से ज्यादा महिलाओं और बच्चों ने भारत की दो रियासतों जामनगर और कोल्हापुर में शरण ली थी। प्रधानमंत्री पोलैंड में भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। पोलैंड में भारतीय समुदाय के 25 हजार लोग रहते हैं। ▶10पर

कोलकाता में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म एवं हत्या का मामला

कोलकाता कांड के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी

- डॉक्टर के वेश में पीड़िता के परिजन से मिले ममता के दलाल
- अभिनेत्री मिमी चकवर्ती को डॉक्टर जैसा रेप करने की धमकी
- नागरिकों ने कहा : विश्वसनीयता खो चुकी है ममता सरकार
- आरजी कर मेडिकल कॉलेज में चलता था गुंडा गैंग का राज

कोलकाता, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कल मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर की बलात्कार के बाद की गई नृशंस हत्या के विरोध में केवल बंगाल और कोलकाता ही नहीं, पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है। कोलकाता में डॉक्टरों और छात्रों ने विशाल विरोध मार्च निकाला और सीबीआई कार्यालय तक जाकर नारेबाजी की।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली अपनी बेटी सना गांगुली के साथ आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिया कि वह इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। मुलाकात के बाद राज्यपाल ने कहा कि मैं दिल्ली से सीधे यहां मृतक के माता-पिता से मिलने और उनकी भावनाओं को समझने आया हूं। उन्होंने मुझे कुछ बातें बताई हैं। मैं उन्हें अभी गोपनीय रखूंगा। मेरे पास जो जानकारी है, उसके आधार पर मैं आज एक पत्र लिखूंगा और उसे सीलबंद लिफाफे में मुख्यमंत्री को भेजूंगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर मंगलवार को सुनवाई की और बंगाल सरकार को बुरी तरह फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी गठित की गई है, जिसकी जांच की निगरानी खुद सुप्रीम कोर्ट करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया था, लेकिन डॉक्टर सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। आम नागरिक भी सड़क पर उतर आए हैं और ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। ▶10पर

क्रीमी लेयर को आरक्षण देने के हिमायतियों का भारत-बंद

सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ 'संविधान-भक्तों' का बंद पूरी तरह खुला रहा

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

संविधान के समर्थक होने का दावा करने वाले दलित और आदिवासी संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को भारत बंद का आयोजन किया था, वह बेअसर रहा। इसे राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे संविधान नव-भक्तों ने भी अपना समर्थन किया था। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन ने मांगों की एक सूची भी जारी की है। इन संविधान भक्तों को दलित और आदिवासी समुदाय से ज्यादा उनके क्रीमी लेयर को आरक्षण मिलने की चिंता है, जिनके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्रीमी लेयर समाज के सक्षम और सम्पन्न स्तर पर आ चुके हैं, ऐसे में उन्हें आरक्षण की सुविधा नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि इससे जरूरतमंत दलितों और आदिवासियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता। ▶10पर

वफादारों की उपेक्षा और बाहरियों को गिफ्ट!

अपनी दुर्गति के लिए भाजपा खुद जिम्मेदार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी में वफादारों की उपेक्षा की जा रही है और बाहरियों को गिफ्ट दिया जा रहा है। विशेषज्ञ कहते हैं कि भाजपा के शीर्ष नेताओं की मति मारी गई है। वे अपनी दुर्गति के खुद जिम्मेदार हैं। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए जिन नौ उम्मीदवारों की सूची मंगलवार को जारी की, वह भाजपा की इसी दुर्गति का संकेत है। इस सूची में बाहरियों का ही दबदबा रहा। कांग्रेस से आए रवनीत बिट्टू, किरण चौधरी से लेकर बीजद से आईं ममता मोहन्ता तक को पार्टी ने टिकट दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद अपनी रणनीति में बदलाव नहीं किया है? 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश के नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं थे। इन नतीजों की समीक्षा के लिए गठित कमेटी ने पार्टी नेतृत्व को बताया था कि चुनाव में बाहरियों को टिकट देना पार्टी को महंगा पड़ गया। बाहरियों को टिकट मिलने से पार्टी के मूल कार्यकर्ताओं ने पार्टी का साथ नहीं दिया, वे घर बैठ गए और इसका परिणाम हुआ कि पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने बिहार से सर्वोच्च न्यायालय के वकील मनन कुमार मिश्रा को राज्यसभा में भेजने का फैसला किया है, जबकि इसी राज्य से पार्टी के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे, आरके सिंह, रामकृपाल यादव, ऋतुराज सिन्हा और शाहनवाज हुसैन जैसे नेताओं के पास कोई जिम्मेदारी नहीं है। एक जनाधार वाले नेता उपेंद्र कुशवाहा को एनडीए कोटे से राज्यसभा भेजना समझ में आता है, लेकिन मनन कुमार मिश्रा को पार्टी के पुराने और कर्मठ नेताओं के ऊपर तरजीह दिए जाने का कारण पार्टी के ही नेताओं को समझ में नहीं आ रहा है।

भाजपा मनन कुमार मिश्रा को बिहार में एक ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि एक बड़े वकील होने के बाद भी बिहार में मनन कुमार मिश्रा को कोई नेता नहीं मानता, न ही बिहार का ब्राह्मण समुदाय उनके नाम पर भाजपा को वोट देने वाला है।

▶10पर

जन-दबाव में केरल सरकार ने जारी की जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट

लेकिन सरकार ने गायब कर दिए रिपोर्ट के 60 जरूरी पन्ने

तिरुअनंतपुरम, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

मलयालम फिल्मों में अभिनेत्रियों के साथ होने वाले आपराधिक उत्पीड़न की जांच के लिए जुलाई 2017 में गठित जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट केरल सरकार ने अब तक दबा रखी थी। सूचना के अधिकार के तहत की जा रही मांग के दबाव में आखिरकार केरल सरकार ने रिपोर्ट तो सार्वजनिक की, लेकिन उससे 60 से अधिक पन्ने सरकार ने खुद गायब कर दिए। अब यह अलग से सवाल उठ रहा है कि केरल सरकार ने किसे बचाने और किसे छुपाने के लिए जस्टिस हेमा कमेटी रिपोर्ट के 60 पन्ने हटा लिए? सरकार ने बचे हुए 295 पन्नों की रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के यौन उत्पीड़न, शोषण और दुर्व्यवहार के जरूरी तथ्य, विवरण और घटनाओं को उजागर किया गया है। यह रिपोर्ट केरल सरकार ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किया था, लेकिन आरटीआई अधिनियम के तहत सरकार को सोमवार 19 अगस्त 2024 को यह रिपोर्ट जारी करनी पड़ी। कास्टिंग काउच के मामलों से भरी पड़ी फिल्म इंडस्ट्री का काला सच क्या है ये कोई नहीं जानता। हम लोग मीडिया में आने वाली खबरों से केवल मामले का अंदाजा लगाते हैं लेकिन हकीकत उससे भी भयानक होती है। हाल में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के काले चेहरे को बयान करती हेमा कमेटी की रिपोर्ट पब्लिक हुई है। इस रिपोर्ट में सैंकड़ों महिला कर्मियों से बात की गई है जिन्होंने इसे बताया कि कैसे वो इस इंडस्ट्री का हिस्सा होते हुए ▶10पर

अच्युतापुरम की दवा फैक्टरी में विस्फोट, 15 की मौत

अनाकापल्ली (आं.प्र.), 21 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले के अच्युतापुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में एक फार्मास्युटिकल इकाई में बुधवार को दवा बनाने वाली एक फैक्टरी में विस्फोट से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, हादसे के समय यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अच्युतपुरम फार्मा कंपनी दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए है।

गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने दुर्घटना की जांच के साथ ही जिला कलेक्टर विजय कृष्णन को पीड़ितों के लिए बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिये हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक विस्फोट के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के समय फार्मा कंपनी में 200 से अधिक श्रमिक काम कर रहे थे। विस्फोट से फार्मा इकाई की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया है जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है । कुछ श्रमिकों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। आग बुझाने के लिए अनाकापल्ली और आसपास के इलाकों से 10 से अधिक दमकल और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं।

▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीवन जीने की कला पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम, जिसमें साधु-साध्वियों के दर्शन-सेवा -वैयावच्छ एवं प्रेरणा पाथेय पाना है, हेतु हीरा बाग-जैन स्थानक भवन, स्पिंग्स रोड में चातुर्मासार्थ विराजित कर्नाटक तप चंद्रिका महासाध्वी श्री आगमश्रीजी, सेवाभावी, मधुर गायिका धैर्याश्रीजी के सानिध्य में विषय-जीवन जीने की कला पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वी जी ने फरमाया कि हमारा जीवन परमपिता परमेश्वर का प्रसाद है। हम चाहे इसे मुस्कुरा कर भी जी सकते हैं या मुंह लटका कर भी जी सकते हैं। जिंदगी देना उसके हाथ में है लेना भी उसके हाथ में। आपको पांच इंद्रियां मिली है, उसका कैसा उपयोग करें यह उसके हाथ में नहीं, बल्कि हमारे हाथ में है। भगवान नौ माह के गर्भ में चतुराई से सारे अंग पूरे कर देते है पर इसका कैसे इस्तेमाल करना यह हम 90 साल तक सोचने में लगा देते हैं। साध्वी श्री जी ने आगे बताया कि जिंदगी कुछ भी नहीं है सिर्फ तीन पेज की डायरी है। पहले और पिछला पन्ना भगवान ने लिख दिया है, बीच के पन्ने जीवन के है जो हमें कैसे जीवन जीना है यह समझना है। इसके पांच मूल मंत्र हैं। पहला जिंदगी को प्रसाद बनाना है, विषाद नहीं, दूसरा मंत्र जिंदगी में छोटी-छोटी बातों का टेंशन नहीं लेना, नो टेंशन, नो रिएक्शन सिर्फ एक्शन। तीसरी बात किसी ने आपको भला बुरा कह दिया तो उसको भूलने की आदत डालना है, चौथा मंत्र अपना हौसला बुलंद रखना है। मान लो तो हार है ठान लो तो जीत है। पाँचवा मंत्र जीवन में एक आदत डाल दो सदा मुस्कुराने की। जीवन में एक बात ध्यान रखना अगर हमारे 99 द्वार बंद हो गए हैं तो भी ऊपर वाला एक द्वार सदा खुला रखना है। खुले द्वार से भलाई करना ही प्रसाद है। साध्वी धैर्याजी ने सुमधुर स्वर लहरियों द्वारा प्रेरणादायी गीत का संगान किया। कार्यशाला का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। श्रमण आरोग्यम संयोजिका सुमन सिंघवी ने जीतो संस्था एवं उसकी गतिविधि के बारे में विस्तार से बताया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया एवं विचार व्यक्त किए। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, कार्यसमिति सदस्य साधना धोका, बबिता सिंघवी, चंद्रा चोपड़ा, नीलू जैन आदि उपस्थित थे। जीतो महिला विंग की सदस्यों ने श्रमण आरोग्यम फॉर्म साध्वी जी को भेंट की। साध्वी जी ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना कर कहा उनका जीतो श्रमण आरोग्यम कार्ड बन चुका है। उन्होंने कहा कि जीतो संस्था मानव जाति हेतु अनेक आयामों पर सुदृढ़ता से कार्य कर रही है। श्री संघ एवं हीरा बाग गीत मण्डल द्वारा जीतो अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी का जैन प्रतीक चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। सह-संयोजिका इंद्रा जैन ने व्यवस्था सँभाली। संयोजिका सपना सिंघवी ने कुशल संचालन एवं आभार ज्ञापित किया।

आगामी विराट कवि सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट द्वारा एक महत्व पूर्ण विशेष सभा का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम अध्यक्ष सुरेश धोका ने स्वागत किया।

मंत्री सुरेश मांडोत ने आगामी कवि सम्मेलन की जानकारी दी और कहा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 को अंबेडकर भवन में किया जाएगा। कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया ने कवियों की जानकारी दी। जिसमें कविगण हरिओम पवार, अरुण जैमिनी, जानी बैरागी, अनिल अग्रवंशी, गौरी मिश्रा का विशेष आकर्षण रहेगा। सहमंत्री रूपचंद कुमट ने सेवा ट्रस्ट के मुख्य आयाम जीवन संजीवनी जीवन शिक्षा जीवन रक्षा की जानकारी दी, जिसमें जैन समाज के आवश्यक साधार्मिक भाईयों को सुविधा प्रदान करता है। इस आयाम को आगे बढ़ाने के लिए एक फंडरेज का कार्य, कवि सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कवि सम्मेलन के मुख्य प्रायोजक गुरु पुनवाणी के डायरेक्टर संजय बैद की सराहना की एवं सभी को इस आयाम से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उपाध्यक्ष अशोक भंडारी ने विभिन्न समितियों द्वारा कार्यों का विकेंद्रीकरण किया। इस अवसर पर जैन युवा संगठन अध्यक्ष महावीर मुनोत ने युवा संगठन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सह मंत्री सुश्रुत चेलावत ने प्रायोजक परिवार की जानकारी दी।

बैठक में जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट से अध्यक्ष सुरेश धोका, उपाध्यक्ष अशोक भंडारी, मंत्री सुरेश मांडोत, सहमंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया, भिकम मुनोत, अशोक कोठारी, राजेश बांटिया, धर्मी चंद बोहरा, गौतम मेहता, शांतिलाल मेहता, प्रवीण पोरवाल, सुजीत सिसोदिया के अलावा अन्य उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन मंत्री सुरेश मांडोत ने व्यक्त किया।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष में वरिष्ठ नागरिकों की रियायती दर पर किडनी फंक्शन जांच की गई। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। किडनी फंक्शन जांच में यूरिया, सीरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, सोडियम, पोटेशियम, क्लोराइड समेत कुल 6 रक्त जांच समावेश किये गए। इस शिविर से कुल 55 सदस्य लाभान्वित हुए। सभी वरिष्ठ नागरिकों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने मानव सेवा के इस उपक्रम की सराहना की एवं समय समय पर विशेष अवसरों पर तेयुप द्वारा शिविर लगाने हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। वरिष्ठ नागरिक दिवस शिविर के आयोजन हेतु प्रायोजक के रूप में भूरालाल, प्रकाश चन्द्र, कैलाश चन्द्र, शंकरलाल, प्रवीण कुमार दक परिवार ने अपना सहयोग प्रदान किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, जयंतीलाल गाँधी, हरीश पोरवाड़, मुकेश भंडारी, किशोर मंडल से दर्शन पोरवाड़ ने अपनी सेवाएं प्रदान की। एटीडीसी स्टाफ स्मिता एवं दीपा का विशेष श्रम लगा।

साधना के मार्ग में मोह और वासना बाधक: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि आत्मज्ञान तभी हो सकता है जब सभी वासनाओं का त्याग हो।

वासनाओं के त्याग के बिना आत्मज्ञान नहीं हो सकता। शास्त्रों में वासना के त्याग को मुक्ति संज्ञा दी गई है। किसी भी वस्तु को तीव्र भाव से ग्रहण करने को वासना कहते है। जब ज्ञान में अभिमान आ जाता है वह वासना बन जाता है। तीन प्रकार की वासनाओं का जिक्र बताया गया है लोक वासना, देह वासना और शास्त्र वासना। जगत् के अनात्म वस्तुओं में ममता मोह का बना रहना ही परस्पर लोक-देह-और शास्त्र की वासना है। लोक वासना यानि मेरा नाम हो मेरी पहचान हो। नाम के लिए दिया गया दान भी व्यर्थ है। इसीलिए गुप्त दान का महत्व बताया गया है। वासना का सेवन जितना अधिक करोगे उतनी ही यह बढ़ती जाएगी। वासना का सेवन कर व्यक्ति अपना जीवन नष्ट कर रहा है। साधना के मार्ग में मोह और वासना बाधक होते है। संयम ही मनुष्य जीवन का मुख्य आधार है। व्यक्ति को अपने जीवन के विकारों को अपने से अलग कर देना ही संयम है। परमात्मा ने साधना के मार्ग पर वासना को जीतने के तीन महत्व-पूर्ण सूत्र बताए है। पहला आहार का संयम, जिसमें अनेक प्रकार के तप बताये गये है। दूसरा इंद्रियों का संयम - पाँचो इंद्रियों को जीतना ही संयम है। तीसरा निद्रा का संयम यानि निद्रा को कम करने का प्रयास करना। आहार संयम से इंद्रिया नियंत्रित होंगी और इंद्रिया नियंत्रण में रहेंगी तो निद्रा कम होगी। नींद का संयम करोगे तो इंद्रियों और आहार का संयम होगा। जब यह जीव वासना से ऊपर उठता है तो साधना आराधना और उपासना में लग जाता है। वासना से ऊपर उठने वाला ही वीतरागता को प्राप्त करता है। युवा भाविक कोठारी का इस चातुर्मास का प्रथम मासखमण संपन्न हुआ। संघ की ओर से तपस्वी भाविक कोठारी का अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

विपत्ति में भी मन की स्थिति समभाव में रखें: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चाततुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियस्वर्णांजना श्री जी ने कहा कि इस जीव के अनादिकाल से संस्कार बहुत गाढ बने हुए हैं। जो मनुष्य मन का साध लेता है वही साधक बन जाता है।

लेकिन मन को साधना ही सबसे दुष्कर कार्य है। बिना सहन किए कर्म निर्जरा नहीं हो सकती। किसी भी परिस्थिति में हमें हमारी मन स्थिति को नहीं बिगाड़ना है,

मन स्थिति नहीं बिगड़ेगी तो ही हमें परम पद प्राप्त होगा। विपत्ति में भी हमें हमारी मन स्थिति को समभाव में रखना है। हर जीव के कर्म अलग अलग समय में अलग अलग होते हैं और उन्हीं कर्मों की बदौलत व्यक्ति भोग भोगता है। सुख और दुख में भी हमें एक जैसे भाव रखना है। हमें जीवन में कुछ ना कुछ व्रत धारण करना चाहिए क्योंकि जो व्रतधारी होते हैं उनकी कभी दुर्गति नहीं हो सकती। संसार की प्रवृत्तियों के लिए कभी भी धर्म को गौण नहीं करना चाहिए। धर्म में टिके रहने से आई हुई विपत्ति भी सम्पत्ति में बदल जाती है।

सुविहित परम्परा में नवांगी टीकाकार अभयदेव सूरी जी के पाट पर जिनवल्लभ सूरी जी विराजे जिन्होंने उल्लासी सूत्र की रचना की। शुक्रवार को गुरुवर की निश्रा में मनोरंजक श्रुतोपासना क्रिज का कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता हैं जिसमें धर्म से जुड़े हुए प्रश्नोत्तर पूछे जाएंगे।

अनुशासन पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला के अंतर्गत अनुशासन विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर प्रिया दक रही, जिसका परिचय मंत्री दीपिका गोखरू ने

दिया। प्रिया ने विषय में अपनी प्रस्तुति देते हुए बच्चों को बताया कि अनुशासन क्या है तथा यह हमारे जीवन में किस प्रकार उपयोगी हैं। बच्चों से उनकी रुचि से संबंधित प्रश्नोत्तर भी किए गए। इसके साथ ही बच्चों को रोचक गेम खिलाए गए। कार्यशाला के प्रति बच्चों में काफी उत्साह नजर आया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ और प्रमिला पितलिया उपस्थित थे। लगभग 50 बच्चों एवं स्कूल के शिक्षकों की उपस्थिति रही।

आईवीएफ द्वारा डांडिया कार्यक्रम का आयोजन नवरात्रि में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के दौरान डांडिया महोत्सव का आयोजन रखा गया है। फेडरेशन के सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि आगामी 5 अक्टूबर को पैलेस ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम हेतु आई वी एफ की कार्यकारिणी समिति की बैठक रखी गई, जिसे अध्यक्ष आर पी रविशंकर ने स्वागत और संबोधित किया। जिसमें रवि सिंहानिया, रितु अग्रवाल, शबरीश और संदीप चनानी को संयोजक बनाया गया। इस कार्यक्रम में पूरे बेंगलूरु से ढाई हजार लोगों के सम्मिलित होने की आशा है। बैठक में अध्यक्ष आर पी रविशंकर के साथ कार्यकारी अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, रवि सिंघानिया, मंत्री शबरीश, सहमंत्री ललित डाकलिया, संगठन मंत्री रितु अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, के आर कृष्णा, हरिप्रसाद वर्दा, साईं राज, संदीप चनानी आदि सदस्य उपस्थित थे।

महिला समिति ने मनाया विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वनबंधु परिषद महिला समिति बेंगलूरु ने बुधवार को नाइटेंगल संध्या किरण ओल्ड एज होम में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के साथ समय बिताना एवं खुशियों के कुछ पल बाँटना था। इस कार्यक्रम में समिति के 13 सदस्य और लगभग 55 वृद्ध उपस्थित थे। शारीरिक व मानसिक सक्रियता, साकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष मनोरंजक खेल खिलाए गए। पुराने हिंदी गीतों पर सभी ने जी भर कर डांस किया। तत्पश्चात् सभी ने स्वयं को प्यार करते हुए भावपूर्ण संदेश दिया। बातचीत द्वारा वृद्ध जनों के सुख-दुख और जीवन के अनुभव जाने गए। अंत में प्रत्येक को रोजमर्रा की दिनचर्या में उपयोग आने वाली वस्तुओं का किट भेंट स्वरूप दिया गया।

पहले तोले फिर बोले पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अभातेममं द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत तीसरी संस्कारशाला खुशी का रास्ता पर कार्यशाला कालम्मा गवर्नमेंट स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका विषय पहले तोले फिर बोले था। मंडल की बहनों ने जय जिनेंद्र से सभी छात्रों व शिक्षकों का अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ महाप्राण ध्वनि का प्रयोग 9 बार उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने करवाया। मुख्य वक्ता शाला की

शिक्षिका गिरिजा ने कहानी के माध्यम से समझाया कि आपके मुख से निकले हर शब्द से इतिहास और एक गलत शब्द से महाभारत हो सकता है। अत: पहले तोले फिर बोले। कार्यकारिणी सुनीता भटेवरा ने एकाग्रता बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को श्वास प्रेक्षा करवाया। अगली कार्यशाला की सूचना संयोजिका किरण मेहर ने बच्चों को देते हुए कहा कि सत्य सुनो पर शुद्ध बोलो, कम बोलो पर मीठा बोलो, जो बोलो तोल के बोलो। कुशल संचालन मंत्री नम्रता पितलिया ने किया व आभार ज्ञापन संगठन मंत्री सरोज मारू ने व्यक्त किया।

लोकायुक्त के कदम पर कुमारस्वामी का सवाल

एसआईटी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को क्यों नहीं सौंपी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि वह कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगने के संबंध में हो रहे घटनाक्रम से भयभीत नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाया कि एसआईटी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को क्यों नहीं सौंपी गई। उन्होंने यह बात मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों और लोकायुक्त एसआईटी द्वारा उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति के लिए राज्यपाल के पास जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि यदि उनके खिलाफ जांच पूरी हो गई है तो लोकायुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट क्यों नहीं सौंपी है। कुमारस्वामी ने कहा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी यू.वी. सिंह द्वारा तैयार लोकायुक्त की रिपोर्ट में तीन मुख्यमंत्रियों के नाम हैं। इसमें पूर्व सीएम एस.एम. कृष्णा, दिवंगत पूर्व सीएम एन. धरम सिंह और मेरे नाम हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें किसी कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है और कार्रवाई शुरू करने का काम सरकार के विवेक पर छोड़ दिया गया है। मैंने तब रिकॉर्ड के साथ लोगों के सामने यह मुद्दा उठाया था। कुमारस्वामी ने कहा जब मैं 2008 में सीएम था, तब कांग्रेस ने मुझे इस मामले में फंसाने की कोशिश की थी। एक विधायक ने आरोप लगाया था कि मैंने खनन कंपनियों के मालिकों से 150 करोड़ रुपये वसूले हैं। विधायकों का समर्थन जुटाने के बाद मैंने घोषणा की थी कि मैं इस आरोप का अकेले ही मुकाबला करूंगा। तब इस पर चर्चा हुई थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा मामले में विपक्षी नेताओं सहित न्यायिक जांच की मांग करने वाली याचिका प्रस्तुत नहीं की गई थी। तब मैंने मामले की लोकायुक्त जांच के आदेश दिए थे। कुमारस्वामी ने कहा मुझे जानकारी मिली है कि लोकायुक्त के समक्ष सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ 61 से अधिक मामले हैं। 50 मामलों में अभी जांच शुरू होनी है। सीएम सिद्धरामैया दावा कर रहे हैं कि उनका राजनीतिक जीवन एक खुली किताब है और उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे पिछड़े वर्ग के नेता हैं। सीएम ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने की योजना थी। अगर वह सही हैं, तो विपक्ष उन्हें कैसे नुकसान पहुंचा सकता है? एसआईटी के अधिकारियों ने 2017 में मुझे

नोटिस जारी किया था। अगर मैं चाहता तो 2018 में ही केस बंद करवा सकता था। मैंने कोर्ट से जमानत ली और जांच का सामना किया। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया था। एसआईटी अधिकारियों ने 2018 में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इन सबके बावजूद, हमने तब कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी। कांग्रेस विधायक और सीएम के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना के बारे में कुमारस्वामी ने कहा कि वे अकेले कानूनी विशेषज्ञ नहीं हैं। मुझे सीएम के आवास से जानकारी मिलती है। मुझे नहीं पता कि मामले के सभी दस्तावेज सरकार के पास उपलब्ध हैं या नहीं। मुझे नहीं पता कि एसआईटी के पास वे दस्तावेज हैं या नहीं, मैंने उन्हें अपने पास सुरक्षित रखा है। उन्होंने आरोप लगाया मेरे पास साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स से संबंधित सभी दस्तावेज हैं। जांच मेरे हस्ताक्षरों पर की गई है। कंपनी ने अदालत को गुमराह किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत की उनके चयनात्मक दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के खिलाफ जांच के लिए आवश्यक सहमति के मुद्दे पर पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। लोकायुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने की सहमति मांगने के बाद यहां मीडियाकर्मियों को जवाब देते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा मेरे और कुमारस्वामी के खिलाफ जांच की मंजूरी देने के मामले में राज्यपाल ने पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण क्यों अपनाया है।

राज्यपाल ने कोई सहमति नहीं दी

सीएम ने कहा कि एसआईटी ने श्री साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स (एसएसवीएम) मामले में नवंबर 2023 में कुमारस्वामी के खिलाफ जांच के लिए सहमति मांगी थी, लेकिन राज्यपाल ने कोई सहमति नहीं दी। सीएम सिद्धरामैया ने कहा मेरे मामले में राज्यपाल ने अलग रुख अपनाया और एक दिन के भीतर ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। यह समझना मुश्किल नहीं है कि राज्यपाल इतने चयनात्मक क्यों हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि एसआईटी ने कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल से फिर संपर्क किया है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि मामले में जांच के लिए राज्यपाल द्वारा सहमति दिए जाने की आलोचना करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने पहले सवाल किया कि उनके मामले में इतनी जल्दबाजी क्यों थी, जबकि इसी तरह के मामले में कुमारस्वामी के खिलाफ कोई मंजूरी जारी नहीं की गई। सीएम सिद्धरामैया ने कहा, मुडा मामले में जांच की गई है। इसमें मेरी कोई संलिप्तता, कोई पत्र या आदेश नहीं था।

उस समय अवैध गतिविधियां की गईं

श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स में आरोप है कि 2007 में उस समय अवैध गतिविधियां की गईं, जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे। उन पर 550 एकड़ भूमि के खनन के लिए कंपनी को ठेका देने का आरोप है। एसआईटी तत्कालीन कर्नाटक लोकायुक्त न्यायमूर्ति एन. संतोष हेगड़े की अवैध खनन पर रिपोर्ट के आधार पर जांच कर रही है। कुमारस्वामी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एसआईटी ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से 21 नवंबर 2023 को उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। जवाब में राज्यपाल ने 29 जुलाई 2024 को एसआईटी को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था। एसआईटी ने सोमवार को राज्यपाल के सवालों का स्पष्टीकरण सौंप दिया। जवाब के साथ ही एसआईटी ने कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने के लिए राज्यपाल से फिर अनुमति मांगी।

मृत्युंजय नदी उफान पर

पांच साल पहले खोया स्कूटर फिर से मिला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चारमाडी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण मृत्युंजय नदी उफान पर आ गई, जिससे चारमाडी गांव के अंतर क्षेत्र में स्थानीय लोगों में चिंता की स्थिति पैदा हो गई। चारमाडी के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के कारण बड़े-बड़े पेड़ों के तने और मलबा बहकर अंतर किंदी बांध में फंस गया, जिससे व्यापक बाढ़ आ गई। चारमाडी घाटों में भारी बारिश के कारण जलस्तर इतना बढ़ गया कि सड़कें चलने लायक नहीं रहीं, मोटर चालकों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर करने के लिए वीडियो बनाए।

हालांकि बेल्टांगडी क्षेत्र में बहुत कम बारिश हुई, लेकिन घाटों में भारी बारिश के कारण अंतर क्षेत्र में 20 एकड़ से अधिक सुपारी के बागानों में पानी भर गया, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। सोमवार को सिर्फ एक घंटे के भीतर हुई भारी बारिश के कारण नेत्रावती जैसी नदियाँ उफान पर आ गईं, क्योंकि डिडुपे, मिट्टाबागिलु, अरबी फॉल्स और कदमगुंडी से पानी बह रहा था, जिससे बाढ़ की आशंका बढ़ गई। अब लगातार दूसरे दिन मृत्युंजय नदी के किनारे रहने वाले लोग पाँच साल पहले आई विनाशकारी बाढ़ को याद करके चिंतित हैं। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, 9 अगस्त, 2019 को बेलटांगडी में आई भयावह बाढ़ के दौरान एक स्कूटर गायब हो गया था, जिसे बरामद कर लिया गया है। यह स्कूटर मालवंतीगे गांव के अशोक कादतिमेरु का था, जो इसे नदी के किनारे पार्क करके दूसरे काम से चला गया था। सोमवार को, जब बाढ़ के कारण नदी के तल से चट्टानें और रेत साफ हो गई, तो लापता स्कूटर को खोज निकाला गया और गायब होने के पांच साल बाद उसके मालिक को लौटा दिया गया।

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक की उनके ही घर के आंगन में हत्या

दक्षिण कन्नड़/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, 83 वर्षीय सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाध्यापक, एस पी बालकृष्ण बडेकिल्लया, अपने घर के सामने के यार्ड में मृत पाए गए। एसपीबी कंपाउंड, बेलालू गांव निवासी उनके बेटे सुरेश (48) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना 20 अगस्त की सुबह हुई। सुरेश कुछ घरेलू काम निपटाने के बाद अपने पिता को घर पर छोड़कर पुत्तूर के लिए निकल गए थे।

शाम को लौटने पर, उन्होंने घर का सामने का दरवाजा खुला पाया और उनके पिता गायब थे। आगे की जांच करने पर, सुरेश ने घर के अंदर खून के धब्बे देखे। आसपास की तलाशी लेने पर, उन्होंने अपने पिता को सामने के यार्ड में खून से लथपथ पाया। करीब से जांच करने पर, यह पुष्टि हुई कि एस पी बालकृष्ण की बेरहमी से हत्या की गई थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हत्या 20 अगस्त को सुबह 11.45 बजे से शाम 4.30 बजे के बीच हुई। पुलिस का मानना है कि अपराधियों ने अपराध को अंजाम देने के लिए हथियार का इस्तेमाल किया, संभवतः किसी मकसद को ध्यान में रखते हुए। धर्मस्थल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सिद्धरामैया, उनकी कोर टीम हाईकमान से समर्थन मांगने के लिए जाएगी नई दिल्ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के मामले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की सहमति के संबंध में अदालत से अस्थायी राहत मिलने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया नई दिल्ली की अपनी यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने पुष्टि की है कि सीएम सिद्धरामैया शुक्रवार को अपने करीबी सहयोगियों और वफादार कैबिनेट मंत्रियों की एक टीम के साथ पार्टी हाईकमान के समक्ष अपना मामला पेश करने के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे। सिद्धरामैया के विश्वासपात्र हाईकमान से अनुरोध करने की योजना बना रहे हैं कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की स्थिति में भी उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन जारी रखा जाए। सीएम सिद्धरामैया द्वारा

राज्य की स्थिति के बारे में शीर्ष नेताओं को जानकारी देने के तुरंत बाद उनके हाईकमान से मिलने की उम्मीद है। आवास एवं वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान, आबकारी मंत्री सतीश जारकीहोली, समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, वन मंत्री ईश्वर खड़े, पशुपालन मंत्री के वेंकटेश और सीएम सिद्धरामैया के साथ जुड़े अन्य नेता राज्य में उनके निरंतर नेतृत्व और पार्टी के लिए अपरिहार्यता की वकालत करने की योजना बना रहे हैं। एक मंत्री ने दावा किया कि यदि आलाकमान सीएम सिद्धरामैया का समर्थन नहीं करता है, तो विपक्ष कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर सकता है और भाजपा पार्टी द्वारा शासित तेलंगाना सरकार को भी अस्थिर कर सकती है। उनका तर्क है कि भले ही सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हो और जांच शुरू की गई हो, लेकिन आलाकमान को उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करना जारी रखना चाहिए, ऐसा न करने पर राज्य में राजनीतिक गतिशीलता बदल सकती है और कांग्रेस सरकार का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। सीएम सिद्धरामैया के खेमे का मानना है कि यह घटनाक्रम पार्टी की भविष्य की संभावनाओं को भी खतरे में डालेगा और वे इस चिंता को आलाकमान तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया के बेटे, पूर्व विधायक यतींद्र सिद्धरामैया ने कहा है कि उनके पिता के इस्तीफे से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अस्थिर हो जाएगी। मौजूदा हालात को देखते हुए जब उपमुख्यमंत्री और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष डीके शिवकुमार से पूछा गया कि क्या सीएम सिद्धरामैया मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा कर पाएंगे, तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि कांग्रेस अगले 10 साल तक राज्य में सत्ता में बनी रहेगी। सूत्रों ने बताया कि इस संवेदनशील स्थिति में सीएम सिद्धरामैया की टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहती और आलाकमान को मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

राज्यपाल के मामले में जाति की राजनीति ठीक नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल की नियुक्ति जाति के आधार पर नहीं होती है। इसलिए मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत के मामले में राज्यपाल पर लगे आरोपों के साथ जाति की राजनीति को जोड़ना ठीक नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल टी.जे. अब्राहम की याचिका पर विचार करते हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ नियुक्ति की अनुमति देने के लिए व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की थी, तो लोकायुक्त संगठन द्वारा अनुरोधित नियुक्ति की अनुमति क्यों नहीं दी जाती? यह सवाल खड़ा हो गया है। 550 एकड़ जमीन अस्तित्वहीन संस्था को आवंटित कर दी गई। इसमें अनियमितताएं हैं, जांच चल रही है। 2023 में अभिशेना की ओर एक याचिका दायर कर आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई थी। इसी तरह शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, जनार्दन रेड्डी के मामले में भी याचिका दायर की गई थी। इससे असहमत राज्यपाल द्वारा अचानक जिस तरह से सिद्धरामैया के मामले को संभाला गया वह संदिग्ध है। इससे पहले तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल में राज्यपालों के व्यवहार पर चर्चा हो चुकी है। अब इसकी शुरुआत कर्नाटक में भी हो गई है। उन्होंने आलोचना की कि देश भर में गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशें की जा रही हैं। दुनिया जानती है कि राज्यपाल ने कैसा व्यवहार किया। इस मामले में कैबिनेट की सलाह नहीं मानी गयी। हमारी आपत्ति यह है कि उचित जांच नहीं की गई। कैबिनेट में इस पर लंबी चर्चा हुई। हमारा सुझाव अस्वीकार किया जा सकता था। लेकिन इसका उचित

औचित्य बताया जाना चाहिए था। राज्यपाल की नियुक्ति जाति के आधार पर नहीं होती। भाजपा यहां जाति का मुद्दा लाकर निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। यह कोई अच्छा विकास नहीं है। परमेश्वर ने कहा कि वह इवान डिसूजा के आपत्तिजनक बयान का समर्थन नहीं करते हैं। राज्य में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। अगर कोई विरोध प्रदर्शन भी हो तो हमने किसी भी अप्रिय घटना से बचने का ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर हिंसा की इजाजत नहीं दी जाएगी। अगर राज्यपाल मंजूरी नहीं देते हैं तो कोर्ट से लेकर लोकायुक्त तक जाने समेत कई रास्ते हैं। चूंकि कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए अनुमति मांगने की कोई जरूरत नहीं है। कुमारस्वामी यहां हैं। यहीं पर यह घटना घटी। यहीं पर कंपनी पंजीकृत है। राज्य में जमीन दी गयी है। इसलिए इसका दायरा कर्नाटक में भी है। राज्यपाल की अनुमति के बाद कार्यवाही से नैतिक या राजनीतिक प्रश्न उठ सकते हैं। कांग्रेस पार्टी अपनी शिकायत दर्ज कराएगी क्योंकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 29 तारीख को मिलने का समय दिया है। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ओर से समर्थन जताया। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार दिल्ली जाएंगे और कांग्रेस आलाकमान को मौजूदा घटनाक्रम से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि हमें विरोध पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन यह सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है कि कानून व्यवस्था न बिगड़े। कोविड काल में हुए घोटालों की जांच रिपोर्ट इस महीने के अंत तक सरकार को सौंपे जाने की संभावना है। उन्हें नहीं पता कि इसमें क्या है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद चर्चा कर उचित निर्णय लिया जायेगा। मुख्यमंत्री बदलने की कोई चर्चा नहीं है। अगर ऐसी स्थिति बनती है तो किसे अनुमति दी जाएगी, इस पर चर्चा होगी। लेकिन फिलहाल कहीं भी इस तरह की चर्चा का अवसर नहीं आया है। भाजपा कार्यकाल में हुए कई घोटालों की जांच चल रही है। कुछ मामलों में तार्किक निष्कर्ष निकलेगा। यहां समझौतावादी राजनीति का सवाल ही नहीं उठता।

कांग्रेस ने कांचिनाडका में नियोजित टोल गेट को रद्द करने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री और केपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सोरके के नेतृत्व में कांचिनाडका में करकला-पदुबिद्री राज्य राजमार्ग पर कांचिनाडका में नियोजित टोल गेट को रद्द करने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में प्रस्तावित टोल गेट को रद्द करने और इस सड़क पर टोल संग्रह प्रक्रिया को समाप्त करने की मांग की गई। अपने संबोधन में, विनय कुमार सोरके ने बताया कि पदुबिद्री-करकला सड़क पर टोल गेट लगाने की प्रक्रिया पिछली येदियुरप्पा सरकार के दौरान शुरू हुई थी। बेलमन में टोल प्रदर्शनकारियों के विरोध के बाद, बोम्मई सरकार ने टोल गेट को कांचिनाडका में स्थानांतरित कर दिया। सोरके ने जोर देकर कहा कि वर्तमान विरोध का उद्देश्य इस स्थान पर टोल संग्रह को रोकना है। उन्होंने कसम खाई कि वे किसी भी परिस्थिति में

कांचिनाडका में टोल संग्रह की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कुछ गुटों पर कांचिनाडका टोल मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार के खिलाफ गलत बयानबाजी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी को किसी भी आरोप से मुक्त करने के लिए विरोध जरूरी है और वे पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप न्याय सुनिश्चित करने के लिए लड़ रहे हैं। सोरके ने आगे कहा कि कांचिनाडका टोल गेट की स्थापना भाजपा सरकार की विरासत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सूरतकल, हेजामडी और सस्थान में टोल संग्रह शुरू करने के लिए इसी तरह के प्रयास किए गए थे। उन्होंने एक ही जिले में तीन टोल गेट लगाने का विरोध करते हुए कहा कि इसी वजह से विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने के लिए मंत्रियों सहित एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा। उडुपी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार कोडवूर ने सोरके के समर्थन में बात करते हुए कहा कि पूर्व मंत्री ने हमेशा मतदाताओं की चिंताओं के लिए आवाज उठाई है, न कि केवल सत्ता के लिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी टोल विरोध को तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने के प्रयासों का समर्थन करने में एकजुट है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मतभेद दूर करने के लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भाजपा : शिवकुमार

गंगा पूजा की और देश की समृद्धि के लिए प्रार्थना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए उनकी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बहाने का इस्तेमाल कर रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मुडा मामले में सिद्धरामैया के खिलाफ केस दर्ज करने की इजाजत देने के बाद विरोध कर रहे भाजपा और जेडीएस दलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा के विरोध में कोई दम नहीं है। हमने पहले भी उनकी पदयात्रा का करारा जवाब दिया है। उन्हें विरोध करने दीजिए, हम ना नहीं कहेंगे। भाजपा में अंदरूनी कलह बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि वे इसे ठीक करने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। मांड्या और बेंगलूरु देहात समेत कई हिस्सों में बारिश की कमी है। झीलें भरी नहीं हैं। अन्य जगहों पर बारिश का मौसम अच्छा है। जब तुंगभद्रा बांध का 19वां क्रेस्ट गेट फटा, तो विपक्ष ने व्यापक आलोचना की। हमने कोई जवाब नहीं दिया। कर्मचारियों और अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत कर गेट की मरम्मत की। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस काम को देख रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गेट की मरम्मत में मेहनत की, उन्हें राहत मिलेगी। साथ ही उन्होंने कहा, राज्य के सभी जलाशयों की सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए एक तकनीकी टीम का गठन कर भेजा गया है। डीके शिवकुमार ने इस बात पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि लोकायुक्त संगठन ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के खिलाफ राज्यपाल को एक और पत्र लिखा है। इससे पहले उन्होंने कहा अलमट्टी बांध के पूरा होने के मद्देनजर, मुख्यमंत्री और मैंने उत्तरी कर्नाटक में भगवान कृष्ण की परंपरा के अनुसार गंगा पूजा की और देश की समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की। वरुण की कृपा से इस बार देश में अधिक वर्षा हुई है। इससे हर जगह पानी की उपलब्धता पर्याप्त है और रोजी-रोटी कमाने वालों का जीवन बेहतर हुआ है।

कर्नाटक में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा के लिए टास्क फोर्स का होगा गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद यहां चिकित्सा संगठनों के साथ बैठक की और डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने राज्य में डॉक्टरों के लिए उठाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर रिपोर्ट देने के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है। मंत्री ने बेंगलूरु के विधान सौधा में चिकित्सा संगठनों के पदाधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में काम करने वाली कई महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बैठक के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि टास्क फोर्स डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदमों, जिसमें कानूनों का कार्यान्वयन भी शामिल है, पर एक महीने के भीतर एक रिपोर्ट देने के लिए जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संगठनों और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी टास्क फोर्स का हिस्सा होंगे। कोलकाता में हुई हालिया घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा है और महिलाओं की असुरक्षा और सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाई है। मंत्री राव ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में काम करने वालों में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं और उनके लिए डर के माहौल में काम करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि बैठक में 10-12 विभिन्न संगठनों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा पर चर्चा की गई। सुरक्षा बढ़ाने और एहतियाती कदम उठाने के सुझाव दिए गए। उन्होंने कहा डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कई कानून हैं। एक संशोधन पेश किया गया है, जिसमें डॉक्टरों पर हमला करने वालों के लिए 3-7 साल की सजा का प्रावधान है। मौजूदा कानून को और मजबूत किया गया है और इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। डॉक्टरों ने इन कानूनों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने का सुझाव दिया है। राव ने कहा कि उन्होंने अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, रिस्टबैंड, पैनिक बटन उपलब्ध कराने, पुलिस विभाग के साथ समन्वय में नियमित निरीक्षण करने और मामलों के समाधान में तेजी लाने की भी सिफारिश की है। इन सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए, इस पर रिपोर्ट देने के लिए एक टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया गया है।

अभियोजन स्वीकृति अनुरोधों को मंजूरी देने का मामला

सीएम सिद्धरामैया ने राज्यपाल पर भेदभाव करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर अभियोजन स्वीकृति अनुरोधों को मंजूरी देने में भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की विशेष जांच टीम ने सोमवार को एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई है।

एसआइटी ने पिछले साल नवंबर में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए गहलोत से अनुमति मांगी थी, जिन्होंने 2007 में मुख्यमंत्री रहते हुए श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स को कानून का उल्लंघन करते हुए कथित तौर पर खनन पट्टा दिया था। कोप्पल जिले के गनीगेरा में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि राज्यपाल ने 26 जुलाई को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया, उसी दिन उन्हें उनके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगने वाली याचिका मिली, जबकि कुमारस्वामी के मामले में गहलोत ने कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या उन्होंने (राज्यपाल ने) भेदभाव नहीं किया है? गहलोत ने 16 अगस्त को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत सिद्धरामैया के खिलाफ जांच और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी। मुख्यमंत्री ने कहा हमने कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल से या निजी तौर पर मंजूरी नहीं मांगी है। मंजूरी लोकायुक्त एसआईटी द्वारा मांगी गई थी। उन्होंने जांच की, सबूत एकत्र किए और उसके बाद उन्होंने (मंजूरी) मांगी, इसका मतलब है कि उनके (कुमारस्वामी) खिलाफ सबूत हैं। मेरे मामले में, किसी पुलिस अधिकारी ने (मंजूरी) नहीं मांगी। लोकायुक्त ने भी (मंजूरी) नहीं मांगी।

कोई प्रारंभिक जांच नहीं हुई। इसके बावजूद, मंजूरी दी गई। उनके मामले में, लोकायुक्त द्वारा जांच किए जाने के बाद, उन्होंने मंजूरी के लिए अनुरोध किया, लेकिन मंजूरी नहीं दी गई। क्या यह भेदभाव है या नहीं? सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा है कि कुमारस्वामी को गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा अगर (मामले के संबंध में) उन्हें गिरफ्तार करने की कोई परिस्थिति होगी तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें गिरफ्तार करेंगे। अभी ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। अब उन्हें डर है कि राज्यपाल मंजूरी दे देंगे। सोमवार को उच्च न्यायालय में राज्यपाल के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी रिट याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बिना सोचे-समझे, वैधानिक आदेशों का उल्लंघन करते हुए और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत जारी किया गया था, जिसमें मंत्रिपरिषद की सलाह भी शामिल है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। सिद्धरामैया, जिन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया है, ने कहा कि राज्यपाल का निर्णय कानूनी रूप से अस्थिर है, प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है और बाहरी विचारों से प्रेरित है। उनके द्वारा दायर याचिका पर, उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए निचली अदालत को उनके खिलाफ शिकायतों पर कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश दिया और आगे निर्देश दिया कि 29 अगस्त तक मंजूरी के अनुसार कोई भी जल्दबाजी में कार्रवाई नहीं की जाए। भाजपा ने पारदर्शी और निष्पक्ष जांच का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

दशहरा हमारे विकास, विरासत, संस्कृति संगीत, साहित्य का प्रतिबिंब: महादेवप्पा

मैसूरु में भव्य गजपायन कार्यक्रम के साथ दशहरा की तैयारियां शुरू

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इस वर्ष के विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा की तैयारियों की शुरुआत बुधवार को मैसूरु जिले के हुनसूर तालुक में नागरहोल टाइगर रिजर्व के वीरानाहोसल्ली चेक पोस्ट के पास भव्य दशहरा गजपायन कार्यक्रम के साथ हुई। इस वर्ष के दशहरा के मुख्य आकर्षण उत्सवी माहौल के बीच नौ सजे-धजे हाथियों का पहला जत्था कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जंबू सवारी जुलूस के लिए प्रशिक्षण के लिए मैसूरु की यात्रा पर निकला। मंगलावाद्य की धुनों के बीच वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे और दशहरा के कार्यकारी अध्यक्ष तथा मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा ने सुबह 10.31 बजे शुभ तुला लग्न पर पूजा अर्चना की। उन्होंने हाथियों को केला, गुड़, गन्ना, चकली, पूरी अंडे, करजी काई, कज्जया और अन्य खाद्य पदार्थ खिलाए। मंत्री के वेंकटेश, हुनसूर के विधायक हरीश गौड़ा, सांसद सुनील बोस, वन विभाग के अधिकारी और मैसूरु के डीसी जी लक्ष्मीकांत रेड्डी, मैसूरु जेडपी के सीईओ के एम गायत्री के नेतृत्व में मैसूरु जिला प्रशासन उनके साथ शामिल हुआ। अभिमन्यु के नेतृत्व में, जिन्होंने चार साल तक दशहरा जंबो सावरी जुलूस में सुनहरा हौदा उठाया है, अन्य नर हाथी धनंजय, गोपी, भीमा, रोहित, कंजन, एक नया हाथी एकलव्य, मादा हाथी वरलक्ष्मी और लक्ष्मी ने अपनी सूंडों को दोनों तरफ घुमाया और मेहमानों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। वे वीरानाहोसल्ली चेक पोस्ट गेट से लेकर मंचीय कार्यक्रम स्थल तक जुलूस में शानदार तरीके से आगे बढ़े। जुलूस में वीरगासे, पूजा कुनिथा, कामसाले, चंदमेला सहित चार सांस्कृतिक लोक कला मंडलियों के 60 कलाकारों ने प्रस्तुति दी। मंत्री महादेवप्पा ने कहा अच्छी बारिश के साथ, हम इस साल दशहरा को भव्य रूप से मना रहे हैं। राजनीतिक घटनाक्रम का दशहरा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एआईसीसी और सभी 135 विधायक सिद्धरामैया का समर्थन कर रहे हैं। वे सीएम बने रहेंगे। उन्होंने कहा सही व्यक्ति और उसकी गरिमा की तुलना हाथी से की जाती है। लोगों ने भाजपा के भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ अपना जनादेश दिया है। दशहरा हमारे विकास, विरासत, संस्कृति, संगीत, साहित्य का प्रतिबिंब है। सभी राजनीतिक दलों और सभी वर्गों के लोगों को दलीय मतभेदों को भूलकर एक साथ मिलकर दशहरा मनाना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि हमारा मानव अस्तित्व प्रकृति के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन पर निर्भर करता है।

मंत्री खड्रे ने कहा हाथी दशहरा का मुख्य आकर्षण होते हैं। अभिमन्यु इस साल भी स्वर्ण हौदा लेकर जाएंगे। अर्जुन जिन्होंने कई वर्षों तक स्वर्ण हौदा लेकर और पिछले साल निशाने हाथी के रूप में यात्रा की और पिछले साल उनकी मृत्यु हो गई, उनकी कमी खलेगी। दशहरा प्रदर्शनी मैदान में एक स्मारक (अर्जुन की प्रतिमा) स्थापित करने का प्रस्ताव है, इसके अलावा दो अन्य स्मारक उस स्थान पर बनाए जाएंगे, जहां अर्जुन की मृत्यु हुई थी। पहले महाराजाओं के शासनकाल में दशहरा पर हाथियों की पूजा एचडी कोटे तालुक के मास्तिगुड़ी के पास की जाती थी। बाद में हाथी मैसूरु तक पैदल चलकर आए और गांवों के लोग उन्हें फल भेंट किए। लेकिन अब गजपायन समारोह के बाद हाथियों को ट्रकों में भरकर मैसूरु ले जाया जाता है। उन्होंने कहा ऐसे समय में जब हम पर्यावरण के तापमान में वृद्धि देख रहे हैं और वायनाड भूस्खलन के मद्देनजर, हमें अपने भविष्य के लिए अपने पश्चिमी घाटों और पर्यावरण की रक्षा करने की आवश्यकता है। मानव-पशु संघर्ष और मौतों को कम करने के लिए हम इसके कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं और शून्य सहनशीलता और मौतों के साथ एसओपी के साथ आ रहे हैं। हम पहले से ही रेल बैरिकेड्स का निर्माण कर रहे हैं और हमें सौर बाड़ लगाने के अलावा एनटीआर वन के किनारों पर 250 से 300 किमी तक इसे बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। हम स्थानीय विधायकों, आदिवासी नेताओं, अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे ताकि आस-पास के आदिवासी बस्तियों के लिए बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जा सकें।

पुरस्कार स्थापित करने की अपील की

विधायक एच.डी. कोटे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से दशहरा हाथी अर्जुन के नाम पर पुरस्कार स्थापित करने की अपील की है। मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत अर्जुन को श्रद्धांजलि अर्पित करके की गई। नागपुरा आदिवासी बस्ती के गिरिजाना आश्रम शाले और पास की तिब्बती बस्तियों के बच्चों ने प्रस्तुति दी। इस अवसर पर दशहरा महावतों और कावड़ियों को सम्मानित किया गया और सफल दशहरा के लिए उन्हें औपचारिक रूप से थम्बूल भेंट किया गया। कार्यक्रम से पहले, वीरानाहोसल्ली के वीरंजनेयस्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई।

तप को कर्म निर्जरा का माध्यम बनाएं: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेश मुनि जी ने फरमाया कि सबसे ज्यादा सुरक्षित वही है जो धर्ममय जीवन जीता है।

धर्म ही जीवन में सबसे बड़ा सुरक्षा चक्र है। कर्मों पर विश्वास करते हुए जो धर्म की राह पर चलता है वही अपने जीवन को ऊंचाइयों पर ले जाता है। मुझे बचाने का संदेश देते हुए मुनि ने कहा कि मद मनुष्य का दम निकाल देता है। मद के वशीभूत अच्छे कार्य भी किए जाएं तो भी वे कर्मबंध के कारण बन जाते हैं। वहीं यदि मद नहीं किया जाए तो ऐसे कर्म, कर्म निर्जरा के माध्यम बन जाते हैं। मुनि ने फरमाया कि तप करते हुए मद नहीं करना चाहिए बल्कि उसे कम निर्जरा का माध्यम मानना चाहिए। मनुष्य की तृष्णा एक ऐसा गड्ढा है जो कभी नहीं भरता। संतोषी बनकर जीने से ही तृष्णा को परास्त किया जा सकता है। जिन शासन की प्रभावना के भावों के साथ ही हमें तप करना चाहिए। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने धर्मसभा का संचालन किया।

बार में हत्या के प्रयास के आरोप में दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुंजालकट्टे एसआई नंदकुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बार में काम करने वालों पर हमला किया और हत्या का प्रयास किया। बंटवाल निवासी संतोष और विश्वनाथ नामक आरोपी घटना के बाद से ही फरार थे और उन्हें बुधवार को मेंगलूरु में गिरफ्तार किया गया। घटना 4 अगस्त की रात को वामादापाडु के पंगाला पाडावु में प्रकाश बार और रेस्टोरेंट में हुई। दोनों बदमाश बंटवाल से वामादापाडु आए थे, जहां उन्होंने प्रकाश बार में शराब पी। इसके बाद उन्होंने बार के कर्मचारियों और रस-

ोइए पर रॉड से हमला कर दिया। रसोइए के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसका मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमले के अलावा, दोनों ने बार के कंप्यूटर समेत इलेक्ट्रॉनिक सामान और बार के अंदर मौजूद अन्य कीमती सामान को भी तोड़ दिया। पूरी घटना बार के सीसीटीवी में कैद हो गई और फुटेज तेजी से वायरल हो गई। हमले के बाद आरोपी छिप गए। उनमें से संतोष पहले भी हत्या के प्रयास के आरोप में जेल जा चुका है और जमानत पर बाहर था। वह पहले भी बंटवाल में एक व्यक्ति का हाथ काटने की घटना में शामिल था, जिसके चलते बंटवाल टाउन पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था। पुंजालकट्टे की पुलिस टीम ने आरोपियों को खोज निकाला और बुधवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया।

भारत का उदय वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए शुभ संकेत : धनखड़

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि भारत का उदय वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए शुभ संकेत है।

श्री धनखड़ ने 19वें भारतीय उद्योग परिसंघ इंडिया-अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में साझा भविष्य का निर्माण विषय पर बोलते हुए ग्लोबल साउथ के देशों को प्रगति के लिए प्रेरित करने में भारत के समावेशी, बहुपक्षीय दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, एक जीवंत लोकतंत्र और मानवता के छठे हिस्से का घर होने के नाते भारत का विकास, वैश्विक स्थिरता और शांति का संकेत देता है।

उपराष्ट्रपति ने सभी की भलाई के लिए साझा भविष्य बनाने की दिशा में एकजुट प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक भागीदारी इन प्रयासों की पहचान होनी चाहिए। उन्होंने कहा, एक साझा भविष्य बनाना मानवता की भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इस चुनौती को अब और विलंबित नहीं किया जा सकता।

जलवायु परिवर्तन को एक बम और मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी देशों से इस चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक रूप से ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने जनभागीदारी और प्राकृतिक संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी, हमारे पास बसने के लिए पृथ्वी के अलावा कोई अन्य ग्रह नहीं है।

भारत और अफ्रीका के बीच साझे इतिहास, समान संघर्षों, और एक न्यायपूर्ण तथा प्रगतिशील भविष्य की आपसी आकांक्षाओं द्वारा निर्मित परस्पर गहरे संबंधों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, श्री धनखड़ ने दोनों की साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय, सुरक्षा और कूटनीतिक पहलू शामिल हैं। उन्होंने कहा, पुनर्जागृत अफ्रीका और उभरता हुआ भारत विशेष रूप से स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जलवायु अनुकूल कृषि, समुद्री सुरक्षा, कनेक्टिविटी, और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दक्षिण-दक्षिण सहयोग को एक मजबूत प्रेरणा दे सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने को गौरव का विषय और एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाक्रम बताते हुए इसकी सराहना की।

उन्होंने अफ्रीकी देशों की अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, वैश्विक जैव गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन में भागीदारी की सराहना की। भारत को चीतों के माध्यम से देश की जैव विविधता को फिर से बनाने में मदद देने के लिए अफ्रीका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, इस विकास ने देश को उत्साहित किया है और भारत तथा अफ्रीका के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव निर्मित किया है। उन्होंने अफ्रीकी देशों को अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से कभी विस्तारवाद पर विश्वास नहीं किया है। उन्होंने भारत के साझेदारी को और सशक्त बनाने के प्रति सहभागिता के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारत, विशाल डिजिटलकरण और तकनीकी प्रगति के साथ, सहयोग के लिए कई अवसर प्रदान करता है और आपसी लाभ तथा साझा सफलता के लिए अवसर प्रस्तुत करता है।

इस आयोजन में बुरुंडी के उपराष्ट्रपति प्रो. बाजोम्बांजा, गाम्बिया के उपराष्ट्रपति मुहम्मद बी.एस. जलो, लाइबेरिया के उपराष्ट्रपति जेरमिया क्पान कोंग, मॉरीशस के उपराष्ट्रपति मैरी सीरिल एडी बॉइसेज़ोन, जिम्बाब्वे के उपराष्ट्रपति डॉ. सी.जी.डी.एन. चिवेंगा और उद्योग जगत के प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने नायडू के खिलाफ सीबीआई जांच की याचिकाएं की खारिज

अमरावती/नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने रिश्वत की कथित पेशकश के एक पुराने मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का निर्देश देने की मांग वाली एक रिट याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक अल्ला रामकृष्ण रेड्डी की इस याचिका पर संबंधित पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद उस पर विचार करने से इनकार कर दिया।

यह मामला 2015 में विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव में कथित तौर पर तेलुगू देशम पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए 50 लाख रुपये नकद देने की पेशकश का है। इस पुराने मामले में मुख्यमंत्री नायडू के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का निर्देश देने की मांग वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक अल्ला रामकृष्ण रेड्डी की थी। उन्होंने एक रिट याचिका

दायर करने के अलावा इस मामले में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के नौ दिसंबर 2016 के फैसले को भी चुनौती थी। न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने दोनों याचिकाएं खारिज कर दीं। इसके बाद अदालत की अनुमति पर याचिकाकर्ता ने अपनी याचिकाएं को वापस ले ली।

आरोप है कि एमएलसी एल्विस स्टीफेंसन को विधायक को एमएलसी चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए 50 लाख रुपये नकद देने की पेशकश की गई थी। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक रेड्डी ने तब विशेष न्यायाधीश के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी और मामले में श्री नायडू को आरोपी बनाने की मांग की थी। इस सनसनीखेज मामले को 2015 में कैश-फॉर-वोट घोटाले के रूप में भी जाना जाता था। श्री रेड्डी ने हैदराबाद में भ्रष्टाचार विरोधी शाखा की विशेष अदालत से शिकायत की थी कि कैश फॉर वोट घोटाले' में भ्रष्टाचार विरोधी शाखा की पहली रिपोर्ट में नायडू का नाम 22 बार आया था, लेकिन जांच एजेंसी ने उन्हें आर-ोपी के रूप में नामित नहीं किया।

हैदराबाद की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा अदालत के मुख्य विशेष न्यायाधीश ने 29 अगस्त 2016 को तेलंगाना की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा को मामले की जांच करने और अपनी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। हालांकि, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने नायडू को बड़ी राहत देते हुए शिकायत और भ्रष्टाचार विरोधी शाखा अदालत के आदेश को खारिज कर दिया। तब उच्च न्यायालय ने कहा था कि रेड्डी को उक्त मामले में नायडू के खिलाफ जांच की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि वह न तो पीड़ित पक्ष हैं और न किसी भी तरह से मामले से संबंधित हैं।

भारत- ब्राजील ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढाने के उपायों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और ब्राजील ने साझा समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से मिलकर निपटने तथा समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढाने के उपायों पर चर्चा की है। भारत की यात्रा पर आए ब्राजील नौसेना के कमांडर एडमिरल मार्कोस सैम्पाइओ ओलसेन ने बुधवार को यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी से मुलाकात की और परिचालन संबंधी गतिविधियों, तकनीकी सहयोग तथा प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

इससे पहले ब्राजीलियाई कमांडर का साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा में साझा चुनौतियों पर सहयोग करने के लिए समान विचार वाली नौसेनाओं की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है।

भारतीय नौसेना विभिन्न पहलों के माध्यम से ब्राजील की नौसेना के साथ सहयोग करती है, जिसमें परिचालन संबंधी बातचीत, प्रशिक्षण सहयोग और अन्य समुद्री क्षेत्र शामिल हैं। दोनों नौसेनाएं मिलन और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका समुद्री (आईबीएसएएमएआर) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भी बातचीत करती रही हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग संयुक्त रक्षा समिति के माध्यम से किया जाता है, जिसका संचालन संबंधित रक्षा मंत्रालयों द्वारा किया जाता है। ब्राजीलियाई नौसेना के कमांडर का दिल्ली में रक्षा सचिव, राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक और सेना उप प्रमुख से मिलने का भी कार्यक्रम है।

अपनी पार्टी ने भाजपा से गठबंधन करने से इन्कार किया

चुनाव मैदान में उतारे अपने उम्मीदवार

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 21 अगस्त।

जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी, जिसे अभी तक भाजपा की टीम बी के नाम से जाना जाता था ने इस विधानसभा चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। हालांकि अपनी पार्टी ने कांग्रेस के साथ भी गठबंधन करने से से इंकार करते हुए 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा के साथ ही उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए हर सीट पर बहुकोणीय मुकाबले का आगाज कर दिया है।

जम्मू कश्मीर की अपनी पार्टी के पूर्व विधायक और मंत्री अशरफ मीर ने कहा है कि हम भाजपा या कांग्रेस के किसी भी गुट से गठबंधन नहीं करेंगे। वे कहते हैं कि सभी 90 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेंगे। उनका दावा था कि हमें बहुमत मिलने की पूरी उम्मीद है। जानकारी के लिए इससे पहले अपनी पार्टी के उपाध्यक्ष जफर इकबाल मन्हास ने अपने बेटे के साथ मंगलवार को अपनी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

वहीं भारतीय जनता पार्टी ने भी साफ कर दिया है कि वह केंद्र शासित प्रदेश में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी और कुछ सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन करेगी। इस बीच कांग्रेस ने भी अपने पत्ते खोल दिए हैं और उसने इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने की बात कही है। हालांकि, उसने कहा है कि गठबंधन के मापदंड लोकसभा चुनाव से अलग होंगे। दूसरी ओर जम्मू कश्मीर की अपनी पार्टी ने बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। अपनी पार्टी ने पहली सूची में दक्षिण कश्मीर के लिए आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है।

आजाद की घर वापसी ही चर्चा का विषय

जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)। फिलहाल जम्मू कश्मीर के चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की घर वापसी अर्थात कांग्रेस में फिर से लौटने की चर्चाएं ही परदे पर छाई हुई हैं। इसमें रोचक तथ्य यह है कि उनके दल के कुछ नेता इससे इंकार कर रहे हैं और कुछ स्वीकार। जबकि गुलाम नबी आजाद इस मामले पर गहरी चुप्पी साधे हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख और पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस आलाकमान के साथ संवाद के चैनल खोले हुए हैं और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले अपनी घर वापसी (पुरानी पार्टी में वापसी) को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित शीर्ष नेतृत्व के साथ कई गुप्त वार्ता की है। आजाद जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद से कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में हैं और उनसे बातचीत कर रहे हैं। अपनी बातचीत के दौरान, उन्होंने कांग्रेस में वापसी में रुचि दिखाई है। हालांकि, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस में सम्मानपूर्वक शीर्ष पद पाने के बारे में शर्त रख रहे थे, जिसके बारे में कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं को सख्त आपत्ति है। एक कांग्रेस पदाधिकारी का कहना था कि आजाद यह भी चाहते हैं कि उनके शामिल होने की घोषणा कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से होनी चाहिए, न कि उनकी या उनकी पार्टी की ओर से। गुलाम नबी आजाद ने अगस्त 2022 में सभी पार्टी पदों से इस्तीफा देने और प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी।

तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे अपने पांच पन्नों के त्यागपत्र में उन्होंने नेतृत्व के लिए पार्टी की चुनाव प्रक्रिया को एक तमाशा और दिखावा बताया था और कहा था कि पार्टी वापस लौटने के लिए कोई रास्ता नहीं पर पहुंच गई है। आधी सदी पुराने जुड़ाव के बावजूद कांग्रेस छोड़ने के एक महीने से अधिक समय बाद, आजाद ने 26 सितंबर, 2022 को अपनी पार्टी की घोषणा की थी। चुनावी राजनीति को ध्यान में रखते हुए, आजाद और उनकी पार्टी के सहयोगी जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले विकल्पों की तलाश कर सकते हैं। डीपीएपी के कई नेता कांग्रेस में शामिल होने के तरीकों और साधनों पर चर्चा करने के लिए श्रीनगर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने की योजना बना रहे हैं। अटकलबाजी के बीच, डीपीएपी ने रविवार को आजाद और उनकी पार्टी के कांग्रेस में शामिल होने की खबरों का खंडन किया, भले ही पार्टी के वरिष्ठ नेता ताज मोहिउद्दीन ने कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की हो।

जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी संसदीय अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद दिलावर मीर ने पहली सूची जारी करने पर खुशी का भी इजहार किया। उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के लिए अधिकृत किया है, उनके नाम पर पार्टी अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने अपनी मंजूरी दे दी है।

जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के जिन नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है, उनमें पहलगाम से रफी अहमद मीर, अनंतनाग से हिलाल अहमद शाह, बिजबेहरा से तारीक शाह वीरी, डीएच पोरा से अब्दुल माजिद पद्दार, देवसर से रियाज अहमत भट्ट, जैनापोरा से एडवोकेट गौहर हसन वानी, पंपोर से मीर अल्ताफ और शोपियां से एडवोकेट ओवैस खान का नाम शामिल है।

याद रहे जम्मू कश्मीर में 18 सितंबर को पहले चरण में जिन 24 सीटों पर वोटिंग होनी है, उनमें से 16 सीटें कश्मीर घाटी और आठ सीटें जम्मू इलाके की है पहले चरण के लिए 27 अगस्त तक नामांकन भरे जा सकते हैं। वहीं, संभावना है कि एक दो दिनों में पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दे।

ओड़ीशा विधानसभा में दूसरे दिन भी हंगामा

भुवनेश्वर, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

ओड़ीशा विधानसभा में विपक्षी कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी हंगामा किया और अपनी-अपनी मांगों को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित की। विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी ने बिना कोई कामकाज किए सदन को चार बजे तक तक के लिए स्थगित कर दिया।

विधानसभा प्रश्नकाल के लिए जैसे ही सुबह साढ़े 10 बजे बुलाई गई। कांग्रेस और बीजद सदस्य अध्यक्ष के आसन के पास पहुंच गए, नारे लगाए और प्रश्नकाल की कार्यवाही को रोकने का प्रयास किया। ओड़ीशा विधानसभा में मंगलवार को भी विपक्षी कांग्रेस और बीजद सदस्यों ने कार्यवाही में बाधा डाली जिसके कारण वहां हंगामे की स्थिति बन गयी और अध्यक्ष को सदन को चार बजे पहले दो बार स्थगित करना पड़ा। कांग्रेस सदस्यों ने अनुसूचित जाति (एससी) और जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले का विरोध किया। जबकि बीजद सदस्यों ने ओड़ीशा के गंजम जिले के चिकिटी में शराब त्रासदी की आरडीसी जांच की मांग की। विपक्ष के विरोध के बावजूद अध्यक्ष ने उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव को एक प्रश्न का उत्तर देने के लिये कहा। इस बीच विपक्ष ने अपनी नारेबाजी तेज़ कर दी जिससे अध्यक्ष को सदन को साढ़े ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

सदन साढ़े ग्यारह बजे दोबारा शुरू हुआ तो कांग्रेस और बीजद के सदस्य अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए अध्यक्ष के आसान के पास आ गए। अध्यक्ष ने विपक्ष की मंशा को भांपते हुए बिना कोई कामकाज किए सत्र को फिर से दोपहर चार बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। राज्य भर के शैक्षणिक संस्थानों में छात्र संघों के चुनाव की मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों ने प्रश्नकाल के दौरान अध्यक्ष के आसान के पास जाकर हंगामा किया था।

विपक्षी बीजद सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस के भाग्य पर चिंता जताई और मांग की कि राज्य के संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग द्वारा विपक्ष के नेता की गिरफ्तारी की मांग वाली टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से बाहर निकाला जाए। बीजद ने यह भी जानने की मांग की कि सरकार ने एक सरकारी अधिकारी पर हमला करने के आरोप में राज्यपाल के बेटे के खिलाफ क्या कार्रवाई की है।

विपक्ष के विरोध के चलते प्रश्नकाल, शून्यकाल और स्थगन प्रस्ताव पर बहस रद्द हो गयी। बुधवार को दोनों दलों ने अपना रुख बदल लिया, कांग्रेस सदस्यों ने एससी और एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का मुद्दा उठाया, बीजद ने राज्य की शराब त्रासदी की आरडीसी जांच की मांग की। कांग्रेस और बीजेद के सदस्यों ने नारे लगाए और प्रश्नकाल के बाद से सदन के कामकाज को रोकने के अपने प्रयासों में अध्यक्ष के आसन की ओर बढ़ गए, जिसके कारण अध्यक्ष को सत्र को चार बजे तक दो बार स्थगित करना पड़ा।

भारत ने मलेशिया को 2 लाख टन चावल निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से मलेशिया को दो लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की अनुमति के आधार पर निर्यात की अनुमति है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है, एनसीईएल के माध्यम से मलेशिया को 2,00,000 मीट्रिक टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति है। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को इन निर्यातों की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ अग्रणी सहकारी समितियों की ओर से संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन सहकारी समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) जिसे अमूल के नाम से जाना जाता है, भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) आदि शामिल हैं।

केसर की क्यारियों में बरखा बहार लाई

कश्मीर में समय पर हुई बारिश से केसर की उम्दा फसल की उम्मीद

जम्मू, 21 अगस्त (ब्यूरो)।

इस साल कश्मीर में केसर की खेती की शुरुआत अच्छी रहने की उम्मीद जग गई है क्योंकि फसल के लिए अहम समय पर हुई बारिश इसकी वजह है। केसर के लिए खास तौर पर फायदेमंद रही बारिश इस मौसम में क्षेत्र की अन्य फसलों के सामने आई चुनौतियों से बिल्कुल अलग है।

दुनिया के सबसे बेशकीमती केसर के उत्पादन के लिए मशहूर घाटी के केसर के खेतों में हाल ही में हुई बारिश से सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। समय पर हुई इस बारिश से केसर की गुणवत्ता और उपज में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय किसानों को बहुत जरूरी लाभ मिलेगा। केसर उत्पादक किसान मुजफ्फर अहमद कहते हैं कि यह किसानों के लिए वाकई खुशी का पल है क्योंकि केसर एक बहुत ही नाजुक फसल है और इसे समय पर बारिश की जरूरत होती है। इस सप्ताह हुई बारिश से फसल को बढ़ने में मदद मिलेगी, जिससे इसकी गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि होगी।

लंबे समय तक सूखे के कारण इस साल सब्जियों और धान की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। मौसम की शुरुआत में लंबे समय तक सूखे के कारण विशेष रूप से सब्जियों की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिससे स्थानीय किसानों के लिए पैदावार कम होने और मुश्किलें बढ़ने की चिंता बढ़ गई। केसर किसानों ने भी लंबे समय तक सूखे मौसम को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इस फसल को लगातार बारिश की जरूरत है। कश्मीर के केसर उत्पादक संघ के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी कहते हैं कि अभी तक फसल पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। हालांकि, केसर को 20 अगस्त के बाद और सितंबर में नियमित बारिश की जरूरत होती है।

केसर उत्पादकों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में दर्ज की गई बढ़ी हुई उपज घाटी में समय-समय पर होने वाली बारिश का नतीजा है। केसर की खेती मौसम के प्रति बहुत संवेदनशील होती है। अपर्याप्त बारिश शुरुआती विकास में बाधा डाल सकती है और फसल की गुणवत्ता और उपज को प्रभावित कर सकती है। एक अन्य केसर किसान बशीर अहमद ने कहा, हाल के वर्षों में अनुकूल मौसम की स्थिति देखी गई है, जिसका उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कश्मीर में केसर की खेती के लिए शुष्क मौसम अक्सर चुनौतियां पेश करता रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का अखिलेश पर कटाक्ष

कल्याण सिंह के निधन पर एक शब्द नहीं, पर माफिया की मौत पर फातिया पढ़ने गए

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस कार्यक्रम में कहा कि कोई व्यक्ति कल्याण सिंह अचानक नहीं बन जाता। उसके निर्माण की सतत प्रक्रिया त्याग तपस्या चलती रहती है, तब जाकर वह कल्याण सिंह जैसा व्यक्तित्व प्राप्त कर पाता है।

सीएम योगी ने कहा कि कल्याण सिंह बनने के लिए संघर्ष, चुनौती, त्याग और बलिदान का मार्ग चुनना पड़ता है। चुनौती और संघर्ष जब सामने होता है तो त्याग और बलिदान का जज्बा पैदा होता है, तब कोई भी ताकत आपको झुका नहीं सकती, आपका बाल भी बांका नहीं कर सकती है। एक अपार जनआस्था और विश्वास आपके साथ खड़ा होता है। इस अपार जनविश्वास के प्रतीक कल्याण सिंह बने। उन्होंने उस समय की ताकतों का मुकाबला किया, विपरीत परिस्थितियों में काम किया, लेकिन श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के मार्ग से कतई नहीं हटे। अंततः परिणाम आज हमारे सामने है। आज उसकी सुखद अनुभूति पूरी दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में समाजवादी पार्टी और इसके मुखिया पर भी हमला किया और पीडीए पर गंभीर सवाल उठाए।

सीएम योगी ने बाबू जी (कल्याण सिंह) को उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि अलीगढ़ के एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले बाबू जी ने शुरुआत से ही संघर्ष और चुनौतियों का मुकाबला करना सीख लिया था। पहले किसान और फिर शिक्षक, आरएसएस के स्वयंसेवी, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ करने वाले बाबू जी की यात्रा शून्य से शिखर तक की यात्रा है। वे विधायक भी थे, सांसद भी थे। वह प्रदेश सरकार में कांग्रेस की दमनकारी नीतियों के खिलाफ और आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के दौरान जेल में भी बंद हुए थे। आपातकाल के बाद बनी सरकार में वह

स्वास्थ्य मंत्री भी थे।

राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद उमड़ी हुई आस्था में पहली बार भारतीय जनता पार्टी जब प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती है तो वह मुख्यमंत्री भी बने। 1997 में वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने और फिर हिमांचल और राजस्थान के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक पद के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने अपनी अंतिम यात्रा पूरी की। रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका का ही परिणाम आज हम सबके सामने है। दुनिया में कौन सी श्रमिक और वंचित जातियां होंगी, जिन्होंने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अपनी आंखों से नहीं देखा। मानवता का जहां दमन हुआ है, श्रीरामजन्मभूमि पर राम मंदिर का निर्माण उनके लिए आशा की एक किरण है। इस आशा की किरण की शुरुआत तब हुई थी जब बाबू जी ने कहा था कि सरकार जाए तो जाने दिया जाए, लेकिन रामभक्तों पर गोली नहीं चलाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि उनका जीवन भारत की राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित था। उन्होंने जातिवाद को प्रश्रय नहीं दिया। समाज का विभाजन करने वाली ताकतों से उन्होंने दूरी बनाए रखी। उन्होंने मूल्यों पर जीवन जिया, राजनीति को आदर्शों को माध्यम बनाया। राजनीति उनके लिए सत्ता और भोग का माध्यम नहीं बनी, राजनीति उनके लिए सौदेबाजी का जरिया नहीं बना, राजनीति उनके लिए अपने स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम कभी नहीं बन पाई। वो मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद, राज्यपाल किसी भी रूप में रहे हों, लेकिन मूल्यों और आदर्शों के साथ कोई समझौता नहीं किया। आरएसएस की पाठशाला में जो दीक्षा उन्होंने सीखी थी, उसका आजीवन पालन करते रहे। इसलिए वो कल्याण सिंह बन पाए।

श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह के योगदान को याद करते हुए सीएम योगी ने कहा कि याद करिए 30 अक्तूबर 1990 और 2 नवंबर 1990 में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं और उस समय की सरकार एक तरफ हिंदू समाज को आपस में बांटने का कार्य कर रही थी तो दूसरी तरफ रामभक्तों पर गोलियां बरसा रही थी। तब अडिग चट्टान बनकर उनके सामने टकराने वाला व्यक्तित्व श्रद्धेय बाबू जी कल्याण सिंह थे। तब उन्होंने कहा था कि हम हिंदू समाज को बंटने नहीं देंगे। ये जातीयता का जहर घोलने वाले भारत को तोड़ने का काम कर रहे हैं। 30 अक्तूबर और 2 नवंबर 1990 की तिथियां भारत के इतिहास में काले अध्याय के रूप में लिखी जाएंगी, जब अयोध्या में निर्ममतापूर्वक रामभक्तों का लहू बहाया गया था। तब भी श्रद्धेय बाबू जी ने ही आवाज मुखर की थी। 6 दिसंबर 1992 को जब केंद्र सरकार का दबाव था कि अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाई जाए तब बाबू जी ने कहा था कि केंद्र चाहे तो हमारी सरकार बर्खास्त कर दे, नहीं तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं, लेकिन रामभक्तों पर हरगिज गोलियां नहीं चलाई जाएंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पद ठुकरा कर संघर्ष का रास्ता चुना।

सीएम योगी ने कहा कि आज जब हम लोग बाबू जी की तीसरी पुण्यतिथि को 'हिंदू गौरव दिवस' के रूप में मना रहे हैं तो हमें हिंदू एकता के महत्व को समझना पड़ेगा। हिंदू कोई जाति, मत और मजहब नहीं है। यह किसी संकीर्ण दायरे का माध्यम नहीं है। यह भारत की सुरक्षा की गारंटी है, ये भारत की एकता और एकाग्रता की गारंटी है। याद रखना जब तक भारत का मूल सनातन हिंदू समाज मजबूत है भारत की एकता और अखंडता को दुनिया की कोई ताकत चुनौती नहीं दे सकती।

लेकिन जिस दिन यह एकता खंडित होगी उस दिन भारत को फिरके-फिरके में बांटने की विदेशी साजिशें सफल होती दिखाई देंगी। हमें इन साजिशों को सफल नहीं होने देना है। जो लोग आपको बांटने का काम कर रहे हैं, इनके चेहरे, चाल और चरित्र अलग है। ये बोलेंगे कुछ, दिखाएंगे कुछ और करेंगे कुछ। जब भी इन्हें अवसर मिला, उत्तर प्रदेश को इन्होंने दंगे की आग में झोंका है। जब भी इन्हें अवसर मिला है, इन्होंने हिंदुओं के नायकों को अपमानित किया है।

सीएम योगी ने विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया पर हमला करते हुए कहा कि कौन नहीं जानता है कि श्रद्धेय बाबू जी के दिवंगत होने पर श्रद्धांजलि देने जाने की बात तो दूर समाजवादी पार्टी के मुखिया के मुंह से संवेदना का एक भी शब्द नहीं निकला। वहीं प्रदेश का एक दुर्दात माफिया मरा था तो फातिया पढ़ने वो उसके गांव तक चले गए थे। क्या यही पीडीए है? सैकड़ों हिंदुओं के खून से जिनके हाथ रंगे हुए थे, ऐसे माफिया के मरने पर ऐसे मातम मना रहे थे, जैसे इनका कोई सगा चला गया हो। यही पीडीए का वास्तविक चरित्र है। अयोध्या में एक निषाद बालिका के साथ, कन्नौज में और लखनऊ में जो घटनाएं घटित हुईं, यही इनका चेहरा हैं। जब तक इनका एकजुट होकर मुकाबला नहीं करेंगे, ये लोग प्रदेश की जनता को ऐसे ही बेवकूफ बनाते रहेंगे। छलते रहेंगे।

आज ये परेशान हैं, क्योंकि उनकी गुंडागर्दी, अराजकता की दुकानें डबल इंजन की सरकार ने बंद कर दी हैं। उनके एक-एक षड़यंत्र को हर एक पग पर रोक दिया गया है। प्रदेश की जनता को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की जिस नीति को 1991 में श्रद्धेय बाबू जी ने लागू किया था, वो आज भी लागू है। डबल इंजन की ये सरकार प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों, भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम करेगी, चाहे इसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। प्रदेश की जनता जनार्दन का बाल भी बांका नहीं होने दिया जाएगा। हमें श्रद्धेय बाबू जी की इस तीसरी पुण्य तिथि पर यह संकल्प लेना ही होगा कि आजीवन जिन मूल्यों और आदर्शों के लिए श्रद्धेय बाबू जी का जीवन समर्पित था, उसके लिए हम कार्य करें। जो सपना बाबू जी का था उसे भाजपा और उनकी विरासत मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उनके मूल्यों और आदर्शों से विचलित हुए बगैर निरंतर आगे बढ़ने की तैयारी करनी चाहिए।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेंद्र नाथ पांडे, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, उन्नाव के सांसद स्वामी साक्षी महाराज, प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, कार्यक्रम के आयोजक पूर्व सांसद राजवीर सिंह (राजू भइया), प्रदेश सरकार में मंत्री संदीप सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी के पांच मंडलों में बनेंगे नए रिंग रोड

अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मिर्जापुर और सहारनपुर मंडल में रिंग रोड बनाने की तैयारी

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए विकास का मार्ग प्रशस्त करने में जुटी योगी सरकार जल्द ही यूपी के पांच मंडलों को नये रिंग रोड और बायपास देने की तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव दिया है। बता दें कि अभी प्रदेश के 18 मंडलों में से 12 में नये रिंग रोड बनाने का कार्य चल रहा है, जबकि लखनऊ मंडल में यह बनकर तैयार भी हो चुका है। इसके अलावा 5 बचे हुए मंडलों में रिंग रोड बनाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। केंद्र से हरी झंडी मिलते ही प्रदेश के सभी मंडलों में रिंग रोड का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

वर्तमान में गोरखपुर और कानपुर मंडल में रिंग रोड का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा आगरा, चित्रकूट, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी में रिंग रोड के कुछ हिस्सों का कार्य पूरा हो चुका है और नये फेज़ पर कार्य चल रहा है। इसी प्रकार बस्ती मंडल में रिंग रोड के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है। वहीं अयोध्या मंडल के रिंग रोड को कैबिनेट से हरी झंडी मिल चुकी है। इसके अलावा बरेली मंडल में रिंग रोड के लिए डीपीआर का कार्य हो चुका है, जबकि आजमगढ़ और मुरादाबाद मंडल में रिंग रोड के उत्तरी पार्ट का कार्य चल रहा है। इस प्रकार प्रदेश के 12 मंडलों में रिंग रोड को लेकर कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जबकि लखनऊ मंडल को रिंग रोड की सुविधा पहले ही मिल चुकी है।

योगी सरकार अब प्रदेश के बचे हुए पांच मंडल, अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मीरजापुर और सहारनपुर मंडलों में भी रिंग रोड बनाने की तैयारी में जुटी हुई है। इसके अलावा प्रदेश के 14 जिलों में नए बाईपास का भी अनुरोध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री से किया है। बता दें कि प्रदेश में पहले से ही 53 जिलों में बाईपास की सुविधा है। इसके अलावा 8 जनपदों में बाईपास का निर्माण कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वहीं 14 जिले फर्रुखाबाद, औरैया, बुलंदशहर, मैनपुरी, बहराइच, गोंडा, बागपत, चित्रकूट, मिर्जापुर, भदोही, संभल, कौशाम्बी, चंदौली और श्रावस्ती में बाईपास बनाने की कवायद तेज हो गई है।

गौरतलब है कि 2017 में यूपी में 48 राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो 2024 तक बढ़कर 93 हो चुके हैं। वहीं 2017 में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 8 हजार किलोमीटर के करीब थी, जोकि 2024 में बढ़कर करीब 13 हजार किलोमीटर हो चुकी है। इसी प्रकार 2017 में प्रदेश में केवल एक एक्सप्रेस वे था, जिसकी संख्या 2024 तक 6 हो चुकी है। प्रदेश में 2017 में 165 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस वे 2024 में 1225 किलोमीटर का हो चुका है। वहीं गंगा एक्सप्रेस वे सहित कई लिंक एक्सप्रेस वे का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की प्रतिमा का अनावरण

हर भारतवासी के मन में सैनिकों के प्रति अपार सम्मान: योगी

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां बुद्धेश्वर चौराहे पर कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया तथा उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के बाद देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए भारत माता के महान सपूतों हमारे बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की बाजी लगाते हुए भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित करने का कार्य किया है। इसीलिए हर भारतवासी के मन में अपनी सेना के जवानों के प्रति अपार सम्मान और स्नेह का भाव छुपा है। यह स्नेह और सम्मान का भाव हमारे सैनिकों और उनके परिजनों के उत्साह को कई गुना बढ़ता है। यह क्षण भी इसी प्रकार का है।

कैप्टन अंशुमान सिंह भारतीय सेना के एक जांबाज नायक थे। वह विगत 19 जुलाई 2023 को सियाचीन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए शहीद हुए थे। नगर निगम, लखनऊ ने बुद्धेश्वर चौराहे को भारत माता के महान सपूत कैप्टन अंशुमान सिंह की स्मृति को समर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा को यहां पर लगाने का कार्य किया है तथा इस चौराहे के सुंदरीकरण के कार्य को आगे बढ़ाया है। नगर निगम ने इस पूरे क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की एक वृहद योजना भी अपने हाथों में ली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैप्टन अंशुमान सिंह का जन्म गोरखपुर मण्डल के जनपद देवरिया में हुआ था। देश के प्रति कुछ करने की भावना ने उन्हें भारतीय सेना के प्रति आकर्षित किया। चुनौती की परवाह किए बिना वह अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए 19 जुलाई 2023 को वीरगति को प्राप्त हुए। भारत सरकार ने उनकी सेवाओं के लिए उन्हें कीर्ति चक्र से अलंकृत करते हुए उनकी शहादत का सम्मान करने का कार्य है। योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो पंच प्रण का संकल्प हम सभी को दिलाया है, उनमें से एक संकल्प सैनिकों के सम्मान का भी है। यदि हम अपने सैनिक का सम्मान करते हैं, तो हम अपनी सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं। यह भाव हम सभी के मन में आना चाहिए। कोई भी देश अपनी स्वाधीनता की रक्षा तभी कर सकता है, जब वह अपने अतीत का स्मरण करते हुए अपने गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने व कानून व्यवस्था को बनाए रखने में हमारे जवान अपना अमूल्य योगदान देते हैं। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जो जवान वीरगति को प्राप्त हो जाते हैं, उनके परिजनों को भारत सरकार, सेना से प्राप्त होने वाली सहायता के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार अपनी ओर से 50 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करती है। साथ ही, राज्य सरकार परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और शहीद की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमा की स्थापना करने का कार्य तथा उनके नाम पर किसी संस्था का या मार्ग का नामकरण करने के कार्यक्रम को लगातार आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की माता श्रीमती मंजू सिंह एवं पिता रवि प्रताप सिंह तथा उनके परिजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम्य विकास राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल और अन्य जनप्रतिनिधिगण, भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी, सैनिक तथा शासन-प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

कोई भी धर्मगुरु जबरन धर्म परिवर्तन नहीं करा सकता

मौलाना मोहम्मद शाने आलम की जमानत याचिका खारिज

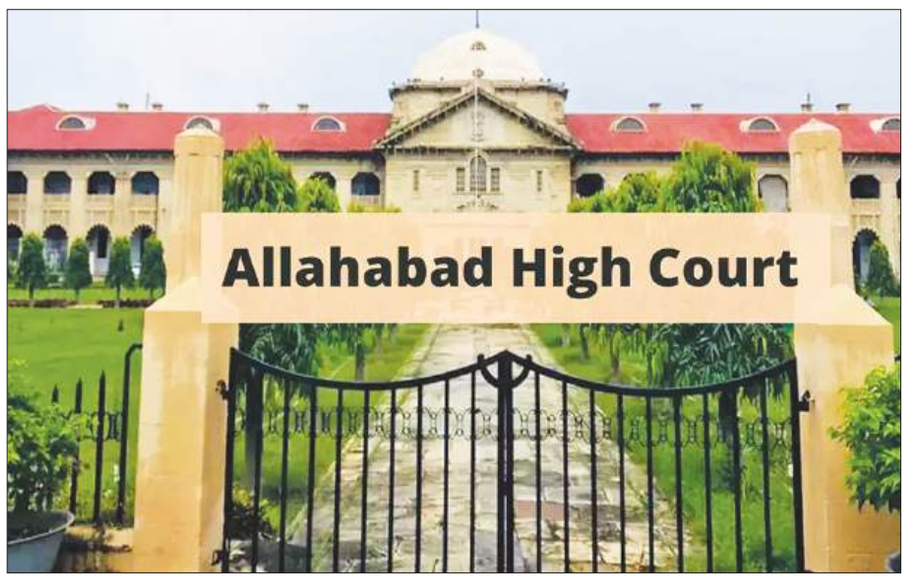

प्रयागराज, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि फादर, मौलाना या कर्मकांडी किसी को भी जबरन धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है। अगर कोई गलत बयानी, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती और प्रलोभन देकर ऐसा कराता है तो वह यूपी धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत जिम्मेदार होगा। यह तल्ख टिप्पणी कर न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने गाजियाबाद के थाना अंकुर विहार के मौलाना मोहम्मद शाने आलम की जमानत याचिका खारिज कर दी।

मोहम्मद शाने आलम ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। शाने आलम पर युवती का जबरन धर्म परिवर्तन कराकर शादी कराने का आरोप है। वकील ने दलील दी कि याची ने केवल मार्च 2024 में युवती की शादी कराई थी। वहीं, अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध किया। दलील दी कि पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि मौलाना ने धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया।

हाईकोर्ट ने कहा, देश का संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने व प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है। संविधान सभी व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जो भारत की सामाजिक सद्भाव और भावना को दर्शाता है। संविधान के अनुसार राज्य का कोई धर्म नहीं है। राज्य के समक्ष सभी धर्म समान हैं। हालांकि, हाल के दिनों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां भोले-भाले लोगों का गलत बयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तित किया गया। अदालत ने कहा कि आरोपी यूपी गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम 2021 के तहत उत्तरदायी है। न्यायालय ने पीड़ित के बयान पर विचार करते हुए आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

संपादकीय

किसानी, बेरोजगारी का चुनाव

हरियाणा में किसान और बेरोजगारी निर्णायक चुनावी मुद्दे साबित हो सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं। हरियाणा की फसलों की खरीद सीमित है तथा हरियाणा के किसानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री की गारंटी को 'चुनावी स्टंट' करार दिया है। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री सैनी के घोषित नए एमएसपी से उन्हें 3851 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। नुकसान का यह आंकड़ा किस आधार पर तय किया गया है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि किसान आंदोलन में हरियाणा अपेक्षाकृत सक्रिय नहीं था और न ही आंदोलन के बाद किसान नेताओं को कोई राजनीतिक सफलता मिली। पंजाब और हरियाणा में जिन किसान नेताओं ने चुनाव लड़े, वे पराजित हुए और जमानतें भी जब्त हुईं। हरियाणा में सबसे अधिक करीब 24 फीसदी आबादी जाटों की है। वे ही अधिकतर किसानी से जुड़े हैं। उनका समर्थन भाजपा, कांग्रेस, इंनेलो, जेजेपी आदि दलों के लिए विभाजित है। सत्ता-विरोधी लहर होने के बावजूद भाजपा 5 लोकसभा सीटों पर जीती और 5 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। अब भी यही सीधा मुकाबला रहना है, क्योंकि अन्य दल बहुत कमजोर हो चुके हैं अथवा टूट-फूट कर बिखर चुके हैं। फिर भी यह चुनाव आसान नहीं होगा। हरियाणा में भाजपा सरकार और पार्टी के खिलाफ जबरदस्त लहर है। यह लहर पार्टी के भीतर भी महसूस की जा सकती है। भाजपा नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पूर्व ही इसे पढ़ लिया था, लिहाजा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 12 मार्च, 2024 से मुख्यमंत्री हैं। नायब सैनी ने 'नॉन स्टॉप' बैनर से अपनी सरकार का अभियान शुरू किया। अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपवाए गए और दावे किए गए कि हरियाणा हर क्षेत्र में अब 'नॉन स्टॉप' है। एमएसपी का जिक्र भी किया गया। उसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कांग्रेसी धड़े ने चुनौती दी, जिसका नारा है-'हरियाणा मांगे हिसाब।' कांग्रेस में शैलजा के नेतृत्व वाला भी धड़ा है और आलाकमान इस धड़ेबाजी को खत्म नहीं कर पाया है। हालांकि बेरोजगारी, किसान-संकट और रुकी, स्थिर, गतिहीन अर्थव्यवस्था आदि मुद्दे हरियाणा में अच्छी तरह परिचित रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के आते-आते विपक्ष ने उन्हें गरमा दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डाटा के अनुसार, हरियाणा में बेरोजगारी दर सर्वाधिक है, जबकि सरकार का डाटा इसके बिल्कुल उलट है और वह बेरोजगारी के मामले में हरियाणा को चौथे स्थान पर मानती है। राज्य की औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं व रोजगार प्रभावित है।

संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं।

कानून के तहत धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से समर्पित संपत्तियों को संदर्भित करता है

वक्फ संशोधन और भाजपा का पुनरुत्थान

हरीश अहमद मिनहाज

सड़क से संसद तक सरकार से लड़ना होगा बल्कि साथ ही वक्फ बोर्ड में बैठे माफिया, सरगना और अपराधी छवि के लोगों के साथ जिला प्रशासन, राज्य सरकार और वेंद्र सरकार से भी लड़कर वक्फ बोर्ड की कब्जे वाली जमीन को आजाद करा कर समाज के नव निर्माण में अपनी महती योग दान देकर वक्फ बोर्ड की जायदाद को जनहित में सदुपयोग कर चार चांद लगाए। वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। जो ववुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है हरना, वक्फ का मतलब वाकिफ – परिचितय भी है। वक्फ अल्लाह के नाम पर र्अपित वस्तु या परोपकार के लिए दिया गया धन होता है। इसमें चल और अचल संपत्ति को शामिल किया जाता है।

अब समय आ गया है कि आम जनता को अब न सिर्प सड़क से संसद तक सरकार से लड़ना होगा बल्कि साथ ही वक्फ बोर्ड में बैठे माफिया, सरगना और अपराधी छवि के लोगों के साथ जिला प्रशासन, राज्य सरकार और वेंद्र सरकार से भी लड़कर वक्फ बोर्ड की कब्जे वाली जमीन को आजाद करा कर समाज के नव निर्माण में अपनी महती योग दान देकर वक्फ बोर्ड की जायदाद को जनहित में सदुपयोग कर चार चांद लगाए। वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। जो ववुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है हरना, वक्फ का मतलब वाकिफ - परिचितय भी है। वक्फ अल्लाह के नाम पर र्अपित वस्तु या परोपकार के लिए दिया गया धन होता है। इसमें चल और अचल संपत्ति को शामिल किया जाता है। बता दें कि कोई भी मुस्लिम अपनी संपत्ति वक्फ को दान कर सकता है। कोई भी संपत्ति वक्फ घोषित होने के बाद गैरहस्तांतरणी य हो जाती है। वक्फ इस्लामी कानून के तहत धरमिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से सर्मपित संपत्तियों को संर्दभित करता है। इन संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ या किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियुत्त मुतव्वली द्वारा किया जाता है। भारत में वक्फ की अवधारणा दिल्ली सल्तनत के समय से चली आ रही है। सुल्तान मुइजुद्दीन मुहम्मद गौरी की ओर से मुल्तान की जामा मस्जिद को एक गांव सर्मपित किया गया था। साल 1923 अंग्रेजों ने सबसे पहले मद्रास धरमिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम पेश किया था। इसका मुसलमानों और ईसाइयों ने बड़े पैमाने पर विरोध किया था। इस प्रकार, उन्हें बाहर करने के लिए इसे फिर से तैयार किया गया, इसे केवल हिदुओं पर लागू किया गया और बाद में इसका नाम बदलकर मद्रास हिदू धरमिक और बंदोबस्ती अधिनियम 1927 कर दिया गया। 1954 में जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने वक्फ अधिनियम पारित किया था। जिसके तहत वक्फों का वेंद्रीकरण किया गया। इस अधिनियम के तहत सरकार ने 1964 में वेंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की। 1995 में कानून में संशोधन करके प्रत्येक राज्य और वेंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड के गठन की अनुमति दी गईं। वेंद्रीय वक्फ परिषद अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक वैधानिक निकाय है। जिसकी स्थापना वक्फ अधिनियम, 1954 में दिए गए प्रावधान के अनुसार वक्फ बोर्डों के कामकाज और औकाफ के उचित प्रशासन से संबंधित मामलों पर वेंद्र सरकार के लिए सलाहकार निकाय के रूप में 1964 में की गईं थी। देश में वुल 31 वक्फ बोर्ड हैं। देश में चार लाख 27 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्ति पंजीवृत हैं। काफी संपत्ति ऐसी हैं जिनका पंजीकरण नहीं हो सका है। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन का काम वक्फ बोर्ड करता है। यह एक कानूनी इकाईं है। बोर्ड संपत्तियों का पंजीकरण, प्रबंधन और संरक्षण करता है। देश में शिया और सुन्नी दो तरह के वक्फ बोर्ड हैं। अध्यक्ष के अलावा बोर्ड में राज्य सरकार के सदस्य, मुस्लिम विधायक, सांसद, राज्य बार काउंसिल के सदस्य, इस्लामी विद्वान और वक्फ के मुतवल्ली को शामिल किया जाता है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के अलावा बोर्ड वक्फ में मिले दान से शिक्षण संस्थान, मस्जिद, कब्रिस्तान और रैन-बसेरों का निर्माण व रखरखाव करता है। रेलवे और रक्षा विभाग के बाद देश में तीसरी सबसे बडी वक्फ बोर्ड के पास सबसे अधिक संपत्ति है। देश में वक्फ बोर्ड के आठ लाख एकड़ से ज्यादा जमीनें हैं। इनमें अधिकांश मस्जिद, मदरसा, और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ बोर्ड की अनुमानित संपत्ति की कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। करीब साढ़े नौ लाख एकड़ जमीन होने के बावजूद बोर्ड के पास किसी गरीब मुसलमान की मदद के लिए पैसा नहीं है। यानी अकेले वक्फ बोर्ड के पास ही तीन दिल्ली जितनी जमीनें हैं। जो 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करती है। जिनकी अनुमानित आय का श्रोत 12000 करोड़ रुपया होना चाहिऐ। तुष्टिकरण की राजनीति कहिए या मुस्लिम राजनीति का ध्रुवीकरण, वेंद्र सरकार संसद में वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन के लिए विधेयक पेश किया है। दावा यह की वक्फ बोर्डो की पारर्दशिता और जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए है। विधेयक में वक्फ की ओर से संपत्ति के दावों की जांच करने और बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने की अनिवार्यंता पर जोर दिया गया है। मुख्य रूप से वक्फ बोर्डो के मनमाने अधिकार को कम करने के उद्देश्य से हैं, जो वर्तमान में उन्हें अनिवार्यं सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में दावा करने की अनुमति देता है। वक्फ अधिनियम के सेक्शन 40 पर बहस छिड़ी है। इसके तहत बोर्ड को रिजन टू बिलीव की शत्ति मिल जाती है। अगर बोर्ड का मानना है कि कोईं संपत्ति वक्फ की संपत्ति है तो वो खुद से जांच कर सकती है और वक्फ होने का दावा पेश कर सकता है। दरअसल, अगर कोईं संपत्ति एक बार वक्फ घोषित हो जाती है तो हमेशा ही वक्फ रहती है। इस वजह से कईं विवाद भी सामने आए हैं। अब सरकार ऐसे ही विवादों से बचने की खातिर संशोधन विधेयक लेकर आईं है। वक्फ की एक बेशकीमती संपत्ति को वक्फ बोर्ड के वुछ सदस्यों के द्वारा गलत तरीके से बेचे जाने का मामला भी इस समय अदालत में लंबित है। वक्फ बोर्ड में 12792 और ट्रिब्यूनल अदालत में 90207 केस लम्बीत है। हाल के वर्षो में कईं राज्य बोर्डो पर आरोप लगाया गया है कि वे भूमि की बढ़ती मांग के कारण अवैध रिश्वत के बदले में कम दरों पर डेवलपर्स और निजी खरीददारों को वक्फ भूमि बेच रहे हैं। जबकि वक्फ अधिनियम, 1955 की धारा 13 के अधीन कोईं भी व्यत्ति किसी चल या अचल सम्पत्ति को, जो वक्फ सम्पत्ति है, किसी अन्य व्यत्ति को नहीं बेचेगा, उपहार में नहीं देगा, विनिमय नहीं करेगा, बंधक नहीं रखेगा या हस्तांतरित नहीं करेगा। वेंद्र की राय है कि यदि वक्फ की संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन होगा तो इसको गलत तरीके से बेचा-खरीदा नहीं जा सकेगा। इसका सदुपयोग गरीब मुसलमानों के हितों में किया जा सकेगा। सरकार का कहना है कि वक्फ बोर्डो पर माफियाओं का कब्जा है। परंतु धर्मनिरपेक्ष परटियों का कहना है इसे संविधान से मिले 'धरमिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन' है। यह विधेयक अनुच्छेद 14, 15 और 25, 26, 29 में दिए गए सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। बहरहाल.....अल्पसंख्यक मामलों के वेंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। जिसमें धारा 40 को निरस्त करने और वक्फ बोर्डो में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने जैसे प्रमुख बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। वक्फ कानून 1995 के सेक्शन 40 को हटाना चाहती है। इस कानून के तहत वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार है। इसमें कहा गया है कि बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्य सदस्य होने चाहिए, और पिछड़े मुस्लिम वर्गो से कम से कम एक सदस्य। इसमें बोहरा और आगाखानी समुदायों से भी एक-एक सदस्य होना चाहिए। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्डो की संरचना और कामकाज को बदलने के लिए धारा 9 और 14 में संशोधन करना है, जिसमें महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को शामिल किया गया है।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश को ताकत का एहसास कराए भारत

सन 1971 की जंग में पाकिस्तान की मदद के लिए एडमिरल 'जॉन मेकेन' के नेतृत्व में आया अमरीका का सातवां एटमी जंगी बेड़ा 'यूएसएस एंटरप्राइज' बंगाल की खाड़ी में तथा ब्रिटेन का एयरक्राफ्ट कैरियर 'एचएमएस ईग्ल' अरब सागर में ही खड़े रह गए, लेकिन विश्व की सर्वोत्तम भारतीय थलसेना ने 16 दिसंबर 1971 को ढाका के 'रामना रेसकोर्स गार्डन' में पाक सेना को घुटनों के बल बिठाकर पाकिस्तान को पूरी दुनिया में बेआबरू कर दिया था। हिमाचल प्रदेश के कैप्टन 'जतिंदर नाथ सूद' के नेतृत्व में 'पांचवीं गोरखा' रेजिमेंट के जवानों ने बांग्लादेश के महाज पर आठ दिसंबर 1971 को 'पीरगंज' में हमला करके पाक सेना की किलेबंदी को ध्वस्त करके भारत की जीत का एक सुनहरा शिलालेख लिख दिया था। पीरगंज के युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले कैप्टन जतिदंर नाथ सूद को सेना ने 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा था। बेशक बांग्लादेश भारतीय सैन्य पराक्रम के रहमो करम से आजाद हुआ था। लेकिन काबिलेगौर रहे कि बांग्लादेश के सैन्य अफसरों की फौजी तालीम सन्-1971 तक पाकिस्तान में ही हुई थी। इसीलिए बांग्लादेश की सेना तथा मजहबी जमातें जज्बाती तौर पर पाकिस्तान से आजाद नहीं हुई हैं। अतः बांग्लादेश को भारत विरोधी मानसिकता विरासत में मिली है। इस्कंदर अली मिर्जा, अयूब खान, याहिया खान, टिक्का खान व जिया उल हक जैसे पाकिस्तान के नामुराद जरनैलों से मिले जम्हूरियत को कुचलने वाले संस्कारों को बांग्लादेश की सेना ने भी पूरी अकीदत से तसलीम कर लिया था, जिसका पहला परिणाम सन्-1975 में ही सामने आ गया था। सन्-1971 में मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले बांग्लादेश के संस्थापक व राष्ट्रपति बंगबंधु 'शेख मुजीबुर रहमान' को बांग्लादेश की सेना ने 15 अगस्त 1975 के दिन उनके परिवार के कई सदस्यों सहित हलाक करके तख्तापलट कर दिया था। पाकिस्तान की तर्ज पर बांग्लादेश में तख्तापलट व तशद्दुद का जो दौर सन्-1975 में शुरू हुआ था, वो मौजूदा वक्त तक जारी है। शेख मुजीबुर रहमान की हलाकत व तख्तापलट की साजिश में मुल्लविश 'खोडांकर मुस्ताक अहमद' बांग्लादेश के सदर बने मगर मात्र तीन महीने बाद ही सेना ने तख्तापलट कर दिया था। नवंबर 1975 को राष्ट्रपति बने 'अबू सादात मोहम्मद सईम' को डेढ़ वर्ष बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था। शेख मुजीबुर रहमान के कत्ल के एक अन्य अहम किरदार व साबिक वजीरे आजम खालिदा जिया के शौहर जनरल 'जियाउर रहमान' सन्-1977 में बांग्लादेश के राष्ट्रपति पद पर काबिज हो गए। पाक सेना में मेजर रहे जियाउर रहमान ने सन्-1965 की जंग में खेमकरण सेक्टर में भारत के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था तथा पाक सेना ने जिया को 'सितारा-ए-जुर्रत' से नवाजा था। सन्-1971 में जियाउर रहमान ने मुक्ति वाहिनी के सेक्टर कमांडर के तौर पर बांग्लादेश की आजादी में भी अपना किरदार अदा किया था तथा जंग के दौरान अपने कमान अधिकारी 'ईस्ट बंगाल रेजिमेंट' के पाक कर्नल 'जंजुआ' का कत्ल करके चटगांव के 'कलुरघाट' रेडियो स्टेशन से 27 मार्च 1971 को बांग्लादेश की आजादी की घोषणा कर दी थी। बांग्लादेश ने जिया को अपने सैन्य एजाज 'बीर उत्तम' से नवाजा था। लेकिन बांग्लादेश की सेना ने 30 मई 1981 के दिन अपने राष्ट्रपति व सिपाहसालार जियाउर रहमान का कत्ल करके तख्तापलट के मजमून को फिर दोहरा दिया था। भारत की मुखाल्फत करने वाले सियासी दल 'बीएनपी' की स्थापना जियाउर रहमान ने ही की थी। भारत व भूटान दोनों देशों ने छह दिसंबर 1971 को जंग के दौरान ही बांग्लादेश को मान्यता प्रदान की तथा अन्य मुल्कों से भी बांग्लादेश को मान्यता देने की अपील की थी। लेकिन सन्-1980 के दौर में बांग्लादेश के वजीरे आजम रहे 'शाह अजीजुर रहमान' ने 1971 की जंग में पाक सेना का पूरा सहयोग किया था तथा बांग्लादेश में भारतीय सैन्य कार्रवाई का विरोध 'यूएनओ' के मंच पर जाकर किया था। 'रविंद्र नाथ टैगोर' द्वारा लिखित बांग्लादेश के कौमी तराना 'आमार सोनार बांग्ला' को हटाने की आवाज भी शाह अजीजुर रहमान ने ही बुलंद की थी। मगर बांग्लादेश के सैन्य प्रमुख 'हुसैन मोहम्मद इरशाद' ने सन्-1982 में तख्तापलट को अंजाम देकर प्रधानमंत्री अजीजुर रहमान को सत्ता से बेदखल कर दिया था।

कुछ अलग

फिर यू टर्न

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वच्छंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी।

देश दुनिया से

शिक्षा जगत के लिए चुनौतियां

आजादी के वक्त देश की आबादी 36 करोड़ थी, मगर साक्षरता सिर्फ 18 परसेंट। वहीं, महिलाओं के मामले में हालात और खराब थे। देश की आजादी के समय 9 परसेंट से भी कम महिलाएं पढ़ी-लिखी थीं। यानी 11 में से सिर्फ एक महिला पढ़-लिख सकती थी। आजादी के वक्त देश में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूल थे, आज देश में स्कूलों की संख्या बढक़र बीस लाख से ज्यादा हो गई है। इन स्कूलों में करीब 24 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। स्कूली शिक्षा में सरकार और निजी क्षेत्र ने भी बहुत निवेश किया है। हालांकि इन दिनों कई कारणों से देश के अनेक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, और हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के हिसाब से अपने बच्चों को पब्लिक यानी निजी स्कूलों में पढ़ाना चाहता है।

एक बार फिर हमने आजादी की सालगिरह मनाई। आजादी के बाद शिक्षा, खास तौर पर उच्च शिक्षा को लेकर हम कहां खड़े हैं, यह विचारना जरूरी है। शिक्षा राष्ट्र की समृद्धि का एकमात्र जरिया है। शिक्षा वो सूत्र है, जिसे देश के आजाद होते ही लीडरशिप ने समझ लिया और इस पर काम किया। आजादी के वक्त देश की आबादी 36 करोड़ थी, मगर साक्षरता सिर्फ 18 परसेंट। वहीं, महिलाओं के मामले में हालात और खराब थे। देश की आजादी के समय 9 परसेंट से भी कम महिलाएं पढ़ी-लिखी थीं। यानी 11 में से सिर्फ एक महिला पढ़-लिख सकती थी। आजादी के वक्त देश में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूल थे, आज देश में स्कूलों की संख्या बढक़र बीस लाख से ज्यादा हो गई है। इन स्कूलों में करीब 24 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। स्कूली शिक्षा में सरकार और निजी क्षेत्र ने भी बहुत निवेश किया है। हालांकि इन दिनों कई कारणों से देश के अनेक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, और हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के हिसाब से अपने बच्चों को पब्लिक यानी निजी स्कूलों में पढ़ाना चाहता है। चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही हैं, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन इसको लागू करने में अड़चनों को तुरंत दूर किया जाना जरूरी होगा। यह भी हो सकता है कि साधनों के अभाव एवं दक्ष-प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारण हम नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर हो कि नई शिक्षा नीति के जरिए मियारी स्कूली शिक्षा देने का हमारा लक्ष्य भटकना नहीं चाहिए। जहां तक उच्च शिक्षा का सवाल है, तो उच्च शिक्षा हर क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट के रास्ते खोलती है। आजादी के बाद अब तक बनी सरकारें जानती थी कि हायर एजुकेशन पर फोकस किए बिना ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में झंडे नहीं गाड़े जा सकते। इस पर भी बहुत काम हुआ है। आजादी के वक्त देश में सिर्फ 20 यूनिवर्सिटीज और 404 कॉलेज थे। आज इनकी संख्या में कई गुना इजाफा हो चुका है। अतीत में हायर एजुकेशन में क्वांटिटी पर ज्यादा और क्वालिटी पर फोकस कम रहा है। आज भी थोक के भाव से यूनिवर्सिटीज खुली हैं, मगर पढ़ाई अच्छी नहीं हो रही है। कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थिति और भी बुरी है। निजी संस्थाओं और उद्यमियों ने कॉलेज तो खोल दिए हैं, मगर कई जगह फैकल्टी अच्छी नहीं रखी जा रही है। कई संस्थानों में अच्छी लैब्स भी नहीं हैं। आज हमारे सामने सैकड़ों निजी इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे भी हैं जहां फीस निजी स्कूलों से कम है। हालांकि स्कूली शिक्षा में कई जगह निजी क्षेत्र ने अच्छा काम किया है, मगर हायर एजुकेशन में अभी बहुत काम होना बाकी है। वर्तमान में हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो धीरे-धीरे ग्लोबल व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इस समय सभी शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी ज्यादा है, जिन्हें इस दिशा में अभी काफी काम करना है। शिक्षण संस्थाओं के प्रसार की दिशा में भले ही हम प्रगति कर रहे हों, लेकिन यह साफ है कि शिक्षा डिजिटल तकनीक माध्यम से देने में हम असफल रहे हैं। आने वाले समय में विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा ही है। इसके लिए हमें आधुनिक शिक्षा एवं शिक्षकों को समग्र दृष्टि से परिपक्व बनाना होगा, तभी शिक्षा की कमियां दूर हो सकेंगी। हमें अपने छात्रों को सिर्फ भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। हमें यह देखना होगा कि देश के छात्र दुनिया में कहीं भी काम करने के योग्य हों। यह कैसे संभव हो सकेगा? इस बार की आजादी की इस वर्षगांठ पर हमारा शिक्षा जगत और सरकारें इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करें। शिक्षा में गुणवत्ता का होना जरूरी है। इसके लिए हमें शिक्षकों को अध्यापन से इतर कार्यों से विमुक्त करना होगा। अभी तक अध्यापकों की ड्यूटी चुनावी कार्यक्रमों के निपटान, मिड डे मील का प्रबंधन, सर्वेक्षण कार्यों तथा कई और सरकारी कार्यों के निपटान में लगाई जा रही हैं। इससे अध्यापकों के समक्ष यह संकट उत्पन्न हो जाता है कि सिलेबस का अध्यापन पूरी तरह कैसे करवाया जाए। वैसे शिक्षा केवल सिलेबस के अध्यापन तक सीमित विषय नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को इस काबिल बनाना है कि वह अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए आजीविका का प्रबंध कर सके, और साथ में शिक्षा का मतलब यह भी है कि इसे ग्रहण करने के बाद शिक्षार्थी सच को सच तथा झूठ को झूठ बोलने की हिम्मत दिखा सके। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को एक कंपलीट पर्सन बनाना होता है। छात्र का नैतिक कल्याण और उसमें मानवीय सद्गुणों का प्रत्यारोपण भी शिक्षा का लक्ष्य है। इस काम को छात्रों, अभिभावकों तथा अध्यापकों के आपसी सहयोग से पूरा किया जा सकता है। सद्गुण संपन्न नागरिक बनाना ही शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। शिक्षा जगत के लिए एक चुनौती यह भी है कि निजी शिक्षण संस्थानों की उपयोगिता को स्वीकार तो किया जाए, लेकिन इनके कारण शिक्षा इतनी महंगी न हो जाए कि आम छात्र, गरीब छात्र तक इसकी पहुंच ही न हो। महंगी शिक्षा के कारण गरीब छात्रों का शिक्षा से वंचित रह जाना भारतीय शिक्षा जगत की एक बड़ी चुनौती है।

आप का नजरिया

होना तख्ता पलट मुझ बाप का

असल में जो अपने को गलतफहमी में सबका बाप समझता इतराता रहता है, अंततः उसका यही हर्ष होता है या कि ऐसा कहें बापों के ही तख्ते पलट होते हैं। वोट के बदले फ्री की रोटी तोडऩे वालों के क्या तख्ते पलट होंगे? इसलिए जो अपना तख्ता पलट होने से डरते हों, प्लीज वे सब कुछ बनें, पर कभी बाप न बनें। तो लीजिए साहब! मुझे पता भी नहीं चला और कल मेरा भी तख्ता पलट हो गया। ऐसा नहीं कि मैंने बाप होने के बाद किसी के लिए कुछ नहीं किया, पर उसे मेरा बाप धर्म कह किनारे कर दिया गया। जितना मुझसे हो सकता था, बाप होने के नाते सब किया। इधर उधर झूठ कहा, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। ऑफिस में सिर नीचा किए सौ सौ लिए हाथ फैलाए, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। ऑफिस में लंच में खाने को सूखी चपातियां ले गया, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। तख्ता पलट होने से पहले उनकी तरह मुझे भी कतई खबर नहीं हुई कि उनकी तरह मेरा भी भीतर ही भीतर तख्ता पलटने की योजना पर काम हो रहा है। कि मेरे हर घर के हर कल्याणकारी काम में सबको मेरी तानाशाही बदबू नहीं बदबू आ रही है। तख्ते हर किस्म के बापों के पलटते रहे हैं। मसलन, राजनीतिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। साहित्यिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। धार्मिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। बापों के बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। और आगे कहूं तो कुंआरे बापों के भी तख्ते पलटते रहे हैं। ऐसे में घर के बापों के तख्ते पलटना कोई नई बात नहीं। यहां तो कई बार तो बाप का तख्ता पलटे बिना ही घर के बाप तक बदल जाते हैं। ऐसे में शुक्र मनाना चाहिए उस बाप को जिसका केवल तख्ता ही पलट हो। कम से कम उसे तो नहीं पलटा गया। किसी का तख्ता पलटने वाले बाहर के दुर्जन नहीं होते, घर के ही सज्जन होते हैं। किसी की नाक काटने को बाजार वालों के पास उतनी पैनी चाकू छुरी नहीं होते जितने अपने ही घर के सदस्यों के पास होते हैं। बाजार वालों को किसी की नाक की हड्डी की मजबूती का पता नहीं होता, अपनों को ही अपनों की नाक की हड्डी की मजबूती का सीक्रेट होता है। उनका तख्ता पलट हुआ तो उन्हें देश से निकलने के लिए जिस तरह पचास मिनट दिए गए, उसी तरह मेरा तख्ता पलट होने पर मुझे भी कायदे से मेरा सम्मान बरकरार रखते हुए पचास मिनट दिए गए, ताकि मेरा कद भी उनके कद जितना ही रहे। मेरा तख्ता पलटते ही श्रीमती का आदेश हुआ कि मैं जैसे भी हो, मैं उनकी तर्ज पर पचास मिनट में इस घर को छोड़ जाऊं तो तख्ता पलटे ने दोनों हाथ जोड़े कहा, 'वे देश की मुखिया थीं। इसलिए उनको तत्काल हैलिकॉप्टर मिल गया देश से बाहर जाने को, पर मेरे पास तो किसी ऑटो वाले का नंबर भी नहीं। ऐसे में?' 'देखो! मुझे तुमसे अटैचमेंट है, बस, इसीलिए कह रही हूं। वर्ना यहां अब और रुके तो... । घर की सारी हवा बिल्कुल तुम्हारे खिलाफ है। तुम अब इस घर के लिए विकास का नहीं, विनाश का कारण बन चुके हो। किसी को मनमानी नहीं करने देते। सबकी हां में अपनी न अड़ाते हो', चालीस साल से वेतन का पूरा हिसाब लेने वाली धर्मपत्नी ने मुझसे सहानुभूति जताते कहा तो मैंने एक बार फिर सबको संभालने के इरादे से कहा, 'वह तो उसी दिन से मेरे पक्ष में नहीं थी जिस दिन से मैंने इस घर के मुखिया का गधभार अपनी मर्जी से अपनी पीठ पर लिया था।

पाकिस्तान के तीर्थयात्रियों को इराक ले जा रही बस का ईरान में एक्सीडेंट, 28 लोगों की मौत

तेहरान, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से इराक़ जा रहे शिया तीर्थयात्रियों की एक बस के साथ ईरान में बड़ा हादसा हो गया अधिकारियों के मुताबिक ये बस अचानक हाईवे पर पलट गई। हादसे में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 11 महिलाएं शामिल हैं। दुर्घटना में 23 लोग घायल भी हुए हैं। स्थानीय अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री पाकिस्तान के थे।

स्थानीय इमरजेंसी सर्विस के अधिकारी मोहम्मद अली मालेकज़ादेह ने बताया कि ये दुर्घटना 20 अगस्त को देर रात मध्य ईरानी प्रांत यज़्द में हुई। बस में 51 लोग सवार थे। ये लोग अरबाईन तीर्थयात्रा पर इराक़ जा रहे थे। तभी ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 500 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व शहर ताफ़्ट में ये हादसा हो गया।

कैसे हुआ हादसा?

ख़बर में दुर्घटना की वजह भी बताई गई है। लिखा है कि बस के ब्रेक फेल होने की वजह से ये हादसा हुआ। कुछ पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में स्थानीय शिया नेता कमर अब्बास के हवाले से दावा किया गया है कि दुर्घटना में 35 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने ये भी बताया कि बस में सवार लोग पाकिस्तान के लरकाना शहर के थे। मारे गए लोगों को लेकर पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

अरबाईन क्या है?

ये एक तीर्थयात्रा है। इसे अरबाईन तीर्थयात्रा या कर्बला वॉक या कर्बला तीर्थयात्रा भी कहते हैं। हर साल इसमें करोड़ों लोग पहुंचते हैं। इसमें शिया मुसलमान इमाम हुसैन की कब्र पर ज़ियारत करने इराक़ जाते हैं। ये यात्रा आशूरा के 40 दिन बाद की जाती है। आशूरा मुहर्रम की 10 तारीख होती है। इस दिन इमाम हुसैन को यज़ीद की सेना ने क़त्ल कर दिया था। इमाम हुसैन, पैगंबर मोहम्मद के नवासे थे। जब उन्होंने यज़ीद की खलिफ़त को मानने से मना कर दिया था तब दोनों के बीच जंग हुई थी। जिसे कर्बला की जंग के नाम से जाना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

खराब मौसम के कारण नेपाल के हवाईअड्डों पर विमान परिचालन प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में मंगलवार रात से ही लगातार हो रही बारिश और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण देशभर के हवाईअड्डों पर विमानों का परिचालन प्रभावित है। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानें प्रभावित हुईं हैं। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के महाप्रबंधक जगन्नाथ निरौला के मुताबिक लगातार बारिश के कारण कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानें प्रभावित हुई हैं। खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण पोखरा की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। जनकपुर और सिमरा हवाईअड्डों के लिए भी उड़ानें समय पर संचालित नहीं हो पाई हैं। त्रिभुवन हवाईअड्डे पर अब तक कुनमिंग से आने वाली एयर चाइना, मुंबई से आने वाली इंडिगो, दिल्ली से आने वाली एयर इंडिया और विस्तारा, नरिता जापान से आने वाली नेपाल एयरलाइंस के विमान को भारत के लखनऊ, कोलकाता और वाराणसी की तरफ डाइवर्ट कर दिया गया है। बुद्ध एयर के सूचना अधिकारी दीपेंद्र कुमार कर्ण के अनुसार खराब मौसम के कारण पोखरा हवाई अड्डे पर उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। इसी तरह भरतपुर एयरपोर्ट पर दृश्यता कम होने के कारण उड़ानें संचालित नहीं हो पाई हैं। इसी तरह सुर्खेत हवाईअड्डे पर खराब मौसम के कारण बुधवार को सुबह बुद्धा एयर की उड़ान को नेपालगंज की ओर डाइवर्ट कर दिया गया। खराब मौसम की वजह से मंगलवार को भी पोखरा हवाईअड्डे पर उड़ानें प्रभावित हुई थीं। काठमांडू से उड़ान भरने वाली सभी माउंटेन फ्लाइट को खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया है।

बाइडेन ने भावुक होकर पार्टी की कमान कमला को सौंपी, कहा- अमेरिका की ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त करार देकर कहा कि वे एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। बाइडन जब यह ऐलान कर रहे थे, तब माहौल काफी भावुक था। इस दौरान बाइडन की बेटी एशले उनका हाथ थामे दिखीं, वहीं भावुक बाइडन अपने आंसू पोंछते दिखाई दिए। 81 साल के बाइडन जब शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तब वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने प्लेकॉर्ड ले रखा था, जिसमें लिखा था, 'वी लव जो। इस दौरान मंच पर बाइडन का हाथ थामे उनकी बेटी एश्ले ने कहा, आप हमेशा हमें बताते हैं, लेकिन हम आपको उतना नहीं बताते कि आप हमारी जिंदगी का प्यार हैं और हमारे प्यार की जिंदगी। बेटी के ये शब्द सुनते ही बाइडन की आंखों से आंसू छलक उठे। उन्होंने शिकागो कन्वेंशन में उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, 'क्या आप कमला को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

पश्चिमी टेक्सास में विमान बिजली के खंबे से टकराकर गिरा, दो की मौत

टेक्सास। पश्चिमी टेक्सास के पास छोटा विमान क्रेश हो गया। दुर्घटना में विमान पायलट और एक यात्री की मौत हो गई। एक महिला घायल भी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद विमान ज्यादा ऊंचाई तक नहीं जा सका और एक बिजली के खंभे से जा टकराकर एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पायलट ने घरों को बचाने की पूरी कोशिश की। विमान में दुर्घटना के बाद विस्फोट हुए और विमान का मलबा नीचे गिरा जिससे कुछ मकानों में आग लग गई। एक जलते हुए घर से महिला को बचाया गया वह आग से झुलस गई थी उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से वाहनों, तारबंदी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा है। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग ने पायलट की पहचान ह्यूस्टन के उपनगर बेलेयर निवासी जोसेफ विंसेंट सुम्मा (48) के रूप में की और यात्री की पहचान ह्यूस्टन के पूर्व में स्थित ऑरेंज निवासी जोलीन कैवेरेटा वेदरली (49) के रूप में की गई है। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि विमान सेसना साइटेशन बिजनेस जेट था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस मामले की जांच करेगा।

रूस में यूक्रेन युद्ध जारी

पश्चिमी रूस के 3 पुलों को यूक्रेन ने किया नष्ट, 92 बस्तियों पर अब कीव का कब्जा

कीव, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिमी रूस में सेयम नदी पर बने तीनों पुलों को यूक्रेन की सेना ने नष्ट कर दिया है। रूसी सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिमी रूस में यूक्रेन का आक्रमण मंगलवार को तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। वहीं यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क में रूस की 1,250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और 92 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है। हालांकि इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है।

एक ओर जहां यूक्रेन रूसी क्षेत्र में अपनी सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं दूसरी ओर पूर्वी यूक्रेन में रूस एक अन्य प्रमुख केंद्र, पोक्रोवस्क पर भी कब्जा करने की ओर अग्रसर है।

कुर्स्क में सेयम नदी पर बने तीन पुलों पर यूक्रेन के हमले से रूसी सेनाएं नदी, यूक्रेनी अग्रिम मोर्चे और यूक्रेनी सीमा के बीच फंस सकती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 6 अगस्त को यूक्रेन द्वारा शुरू किए गए कुर्स्क आक्रमण पर रूस की जवाबी प्रतिक्रिया धीमी पड़ रही है।

सप्ताहांत में, यूक्रेन के वायुसेना कमांडर ने सेयम नदी पर बने पुलों पर हमले के दो वीडियो पोस्ट किए। प्लैनेट लैब्स पीबीसी द्वारा ली गई उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा किया गया जिसमें पुष्टि हुई कि ग्लुश्कोवो शहर में एक पुल नष्ट हो गया है। एक रूसी सैन्य जांचकर्ता ने सोमवार को पुष्टि की कि यूक्रेन ने एक पुल को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है और क्षेत्र में दो अन्य को नुकसान पहुंचाया है। नुकसान किस हद तक हुआ है यह अभी अस्पष्ट है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ शुरू होने के बाद से यूक्रेनी सेना ने 1,250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और 92 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है।

हाल के दिनों में जेलेंस्की ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एक 'बफर जोन' बनाना है, जो भविष्य में सीमा पार से उनके देश पर होने वाले हमलों को रोक सके, तथा यूक्रेन बड़ी संख्या में रूसी युद्धबंदियों को पकड़ रहा है, जिन्हें छोड़ने के ऐवज में वह पकड़े गए यूक्रेनी नागरिकों को छोड़े जाने की उम्मीद कर रहा है। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने रूसी चिकित्सा सेवा के एक अनाम स्रोत का हवाला देते हुए बताया कि यूक्रेन की घुसपैठ में 17 लोग मारे गए हैं और 140 घायल हुए हैं। अस्पताल में भर्ती 75 लोगों में से चार बच्चे हैं।

जब तक स्वयंसेवी लड़ाके मेरे पास मुझे कोई हरा नहीं सकता: पुतिन

ग्रोजनी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेचन्या का अचानक दौरा किया। यह करीब पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है। इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। पुतिन का स्वागत चेचन्या के दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया। पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की। इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर ही रखा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की तारीफ की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग मौजूद हैं, तब तक उसे कोई हरा नहीं सकता। कादिरोव ने एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन में अपना विशेष सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से स्वयंसेवकों समेत 47,000 से ज्यादा लड़ाके इस केंद्र में ट्रेनिंग ले चुके हैं।

बराक ओबामा ने कमला हैरिस का समर्थन किया, ट्रंप की विभाजनकारी राजनीति को खारिज करने का आह्वान

शिकागो, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की गहमागहमी के बीच यहां डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन की दूसरी रात पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कमला हैरिस का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने हैरिस को देश का अगला राष्ट्रपति बताया।

ओबामा ने कहा कि हमारे पास ऐसे शख्स को चुनने का मौका है, जिसने अपनी पूरी जिंदगी लोगों को वो मौके देने की कोशिश में लगा दिए, जो मौके अमेरिका ने उनको दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने का सम्मान हासिल किए हुए मुझे 16 साल हो गए हैं। इतने सालों बाद मैं बिना किसी हिचक कह सकता हूं कि आपका दोस्त होना मेरा सबसे बेहतरीन फैसला था।

उन्होंने कहा कि हैरिस पांच नवंबर को इतिहास रचेंगी। वह अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। हमने मशाल हैरिस को सौंप दी है। लेकिन अभी डेमोक्रेट्स का काम खत्म नहीं हुआ है। ओबामा ने कहा कि कमला हैरिस और टिम वॉल्ज ऐसे नेता हैं, जो लोगों की भलाई से जुड़े काम को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन को बराक के अलावा मिशेल ओबामा ने भी संबोधित किया। दोनों ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे हमले किए। मिशेल ने राष्ट्र से ट्रंप की विभाजनकारी राजनीति को अस्वीकार करने का आह्वान किया। इससे पहले कन्वेंशन के पहले दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ट्रंप पर जमकर निशाना साधा था।

उन्होंने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के बारे में बात करते हैं कि अमेरिका बिखरता हुआ देश है, तो उस संदेश के बारे में सोचें, जो दुनिया को जाता है। ट्रंप लूजर है। डोनाल्ड के पिछले कार्यकाल की तुलना में अमेरिका अब अधिक समृद्ध और सुरक्षित है। ट्रंप, पुतिन के सामने झुक गए। मैं और कमला हैरिस कभी ऐसा नहीं करते।

नेपाल सरकार के टीआरसी बिल पर तीन अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं ने आपत्ति जताई

काठमांडू, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार की प्रतिनिधि सभा से पारित किए हुए संक्रमणकालीन न्याय संबंधी विधेयक के कई प्रावधानों को लेकर तीन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने विरोध जताया है। नेपाल की शांति प्रक्रिया से संबंधित ट्रांजिशनल जस्टिस (टीआरसी) बिल पर तीनों संगठनों ने इसमें आवश्यक सुधार करने की मांग की है। यह बिल इस समय उच्च सदन में रखा गया है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स ने एक संयुक्त बयान में संसद की प्रतिनिधि सभा से पारित टीआरसी विधेयक के कई प्रावधानों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इस कानून को अंतरराष्ट्रीय कानूनी मानकों के अनुरूप बनाने के लिए नेपाल की संसद को इसमें गंभीर जवाबदेही के साथ पुनरावलोकन करने की मांग की गई है। इन तीन अन्तरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि संसद के निचले सदन से पारित संक्रमणकालीन न्याय कानून में कई सकारात्मक बातें हैं लेकिन वांछित सफलता प्राप्त करने के मामले में यह कमजोर है।

संयुक्त बयान के मुताबिक अदालतों, संक्रमणकालीन न्याय आयोगों और अटॉर्नी जनरल के कार्यालय सहित न्याय प्रशासन में शामिल सभी संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय कानून और नेपाल के संविधान के आधार पर विधेयक में सुधार लाने की मांग की गई है। बयान में यह भी कहा गया है कि नेपाल में संक्रमणकालीन न्याय कई वर्षों से लंबित है और नया कानून पीड़ितों को न्याय प्रदान करने, कानून के शासन को मजबूत करने और इस क्षेत्र में एक सकारात्मक मिसाल कायम करने का अवसर हो सकता है। ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया उप निदेशक मिनाक्षी गांगुली ने कहा कि न्याय के बिना मुआवज़े को प्रोत्साहित करने की परम्परा से न्याय के प्रति लोगों का विश्वास उठ सकता है। न्याय पर भरोसा बनाए रखने के लिए दोषियों को सजा और पीडितों को मुआवजा दोनों ही प्रावधान को साथ में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए कानून में कई महत्वपूर्ण सुधार और सकारात्मक प्रावधान शामिल हैं लेकिन इसके कुछ हिस्सों को देख कर ऐसा लग रहा है जैसे युद्धकालीन अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों को अभियोजन से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस्लामाबाद में ईश निंदा पर फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों का सुप्रीम कोर्ट पर धावा

इस्लामाबाद, 21 अगस्त। (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी कर दिया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी यह भी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को पलट दे।

सूत्रों ने बताया कि कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है।

पाकिस्तानी सूत्रों के मुताबिक इस विवाद की शुरुआत इसी साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को लाक जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। सानी पर आरोप था कि उसने 2019 में एक कॉलेज में एफसीर-ए-सगीर बांटा था।

एफसीर-ए-सगीर, अहमदिया समुदाय से जुड़ी एक धार्मिक किताब है। इसमें अहमदिया संप्रदाय के संस्थापक के बेटे मिर्जा बशीर अहमद ने कुरान की व्याख्या अपने हिसाब से की है। सानी को कुरान (प्रिंटिंग एंड रिकॉर्डिंग) (संशोधन) एक्ट, 2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

भारत से प्रत्यर्पण मांग के बीच हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ बांग्लादेश में 9 और मामले दर्ज

ढाका, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ कम से कम नौ और शिकायतें दर्ज की गईं जिससे उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 31 हो गई। वहीं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में क्रांति (सरकार के खिलाफ प्रदर्शन) को बाधित करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए भारत से कहा कि हसीना को प्रत्यर्पित किया जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके।

फखरुल ने एक समाचार पत्र में दिए बयान में कहा, भारत से हमारी मांग है कि शेख हसीना को कानूनी तरीके से बांग्लादेश की सरकार के हवाले कर देना चाहिए। इस देश की जनता ने उन पर मुकदमे का फैसला किया है। उन पर मुकदमा चलने दें।''

हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों में हत्या के 26, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के चार और अपहरण के एक मामले शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, उच्चतम न्यायालय के वकील गाजी एमएच तमीम ने हिफाजत-ए-इस्लाम के संयुक्त महासचिव (शिक्षा और कानून) मुफ्ती हारुन इजहार चौधरी की ओर से बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में हसीना और 23 अन्य पर पांच मई 2013 को मोतीझील के शापला छतर में हिफाजत-ए-इस्लाम रैली के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी के उप निदेशक (प्रशासन) अताउर रहमान ने कहा, ''हमने शिकायत दर्ज कर ली है और बुधवार से जांच शुरू कर दी गई है।''

यह अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में दर्ज की गई चौथी शिकायत है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया गया है। शेख हसीना ने सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर उनकी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत आ गई थीं। चार में से तीन मामले हाल ही में आरक्षण आंदोलन पर केंद्रित हिंसा से जुड़े हैं।

इसके अलावा, मंगलवार को देशभर में अवामी लीग की अध्यक्ष के खिलाफ आठ और मामले दर्ज किए गए, जिसमें उन पर हाल ही में विरोध प्रदर्शनों के दौरान की गईं हत्याओं के संबंध में आरोप लगाया गया। हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल और बहन शेख रेहाना को पहली बार हत्या के मामले में सह-आरोपी बनाया गया है।

हिफाजत-ए-इस्लाम मामले में प्रमुख आरोपियों में अवामी लीग के महासचिव एवं पूर्व सड़क परिवहन एवं पुल मंत्री उबैद-उल कादिर, पूर्व मंत्री रशीद खान मेनन, ढाका साउथ सिटी कॉरपोरेशन के पूर्व महापौर शेख फजले नूर तपोश, प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार सलमान एफ रहमान, प्रधानमंत्री के पूर्व सुरक्षा सलाहकार तारिक अहमद सिद्दीकी, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एकेएम शाहिद-उल हक, 'एबीन्यूज24' के संपादक सुभाष सिंह रॉय और पूर्व सेना प्रमुख अजीज अहमद शामिल हैं।

इनके अलावा, कुछ अज्ञात मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और सांसदों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अज्ञात व्यक्तियों और कुछ इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के तत्कालीन नीति निर्माताओं को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। शिकायत के अनुसार आरोपियों के निर्देश पर पांच से छह मई 2013 के बीच ढाका और आसपास के इलाकों तथा चटगांव, नारायणगंज और कुमिला सहित विभिन्न जिलों में हिफाजत कार्यकर्ताओं की हत्या की गईं।

पेरिस पैरालंपिक में खेलों में भारत को इस बार 25 से 30 पदक मिलेंगे : सांगवान

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआई) के उपाध्यक्ष और शेफ-डी-मिशन बने सत्य प्रकाश सांगवान को उम्मीद है कि इस बार बार पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय दल 8 से 10 पदक जीत सकता है। सांगवान के अनुसार इस बार उनका लक्ष्य आठ से दस स्वर्ण पदकों के साथ ही कम से कम 25 से 30 पदक जीतना रहेगा। सांगवान इन खेलों में भारतीय पैरालिंपिक टीम के प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। उन्हें पैरालिंपिक में एक दशक से अधिक का अनुभव है।

सत्य प्रकाश ने कहा, यह दिन मेरे लिए ऐतिहासिक है। मुझे पेरिस पैरालिंपिक में भारतीय दल के लिए शेफ-डी-मिशन के रूप में चुना गया है। मैं इस जिम्मेदारी को समर्पित होकर पूरा करूंगा। मुझे इस काम के लिए योग्य मानने के लिए मैं पीसीआई और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। पैरालिंपिक में पिछले कुछ साल में भारत द्वारा की गई प्रगति को देखते हुए सत्य प्रकाश ने कहा, हमें इस बार कम से कम 25-30 पदक की उम्मीद है। हमें कम से कम 8 से 10 स्वर्ण पदक की उम्मीद है। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी। एथलीटों ने वास्तव में अच्छी तैयारी की है। उन्हें जो कुछ भी चाहिए था, वह उन्हें प्रदान किया गया। हमें उम्मीद है कि वे विश्व मंच पर हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। हमने अपने एथलीटों को उनके प्रशिक्षण के लिए बाहर भेजा, पूरे देश में शिविर आयोजित किए। तैयारी अच्छी रही।

उन्होंने एथलीटों को बेहतरीन उपकरण, सुविधाएं और तैयारी प्रदान करने के लिए पीसीआई के मुख्य कोच सत्यनारायण को श्रेय दिया। शेफ डी मिशन के रूप में सांगवान 12 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 84 पैरा-एथलीटों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि भारतीय टीम को वैश्विक मंच पर ए आवश्यक समर्थन और मार्गदर्शन मिले।

न्यूज ब्रीफ

युगांडा ने 2024 विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैम्पियनशिप के लिए टीम घोषित की

कंपाला। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) ने 2024 विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए टीम की घोषणा की है, जो 27-31 अगस्त को पेरू के लीमा में आयोजित की जाएगी। चैंपियनशिप में कई ओलंपियन शामिल होंगे जिन्होंने हाल ही में पेरिस 2024 खेलों में भाग लिया था। इनमें ब्रैडली नकोआना और बयांडा वालाज़ा शामिल हैं, जिन्होंने पुरुषों की 4×100 मीटर रिले में दक्षिण अफ्रीका को रजत पदक दिलाने में मदद की, और इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव, जो महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में पाँचवें स्थान पर रहीं। एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में 134 टीमों के 1,700 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। युगांडा की टीम को हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि इथियोपिया की मदीना ईसा (5,000 मीटर) और जमैका की केरिका हिल (100 मीटर बाधा दौड़), दोनों ने 2022 में कैली में विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था और वे अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान में उतरे हैं। युगांडा की टीम में जैकब सैंडे (1,500 मीटर), सैमुअल सिम्बा चेरोप (1,500 मीटर और 5,000 मीटर), टाइटस मुसुआ (3,000 मीटर), हर्बर्ट किबेट (3,000 मीटर), केनेथ किप्रॉप (5,000 मीटर), होसेया चेमुताई, (3,000 स्टीपलचेज़), केज़ियो चेबेट (3,000 मीटर), चैरिटी चेरोप (5,000 मीटर), नैन्सी चेपक्रुरुई, लोइस चेकवेमोई (3,000 मीटर स्टीपलचेज़), जोशुआ किबेट (कोच) हैं।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिपः रौनक दहिया ने ग्रीको-रोमन में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला

नई दिल्ली। रौनक दहिया ने मंगलवार को जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन 110 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में भारत का खाता खोला। मौजूदा विश्व नंबर दो खिलाड़ी रौनक ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में तुर्किये के एमुरूल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल में हंगरी के ज़ोल्टन ज़ाको से 0-2 से हार गए थे। दिल्ली के प्रसिद्ध छत्रसाल स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने वाले रौनक ने अपने अंडर-17 विश्व अभियान की शुरुआत आर्टुर मैनवेलियन पर 8-1 की जीत के साथ की और उसके बाद डेनियल मसलाको पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। कांस्य पदक की दौड़ में शामिल अन्य भारतीय पारधी साईनाथ हैं। पारधी 51 किग्रा में रेपेचेज राउंड के ज़रिए कांस्य पदक की दौड़ में हैं, जहाँ उनका सामना संयुक्त राज्य अमेरिका के मुनारेटो डोमिनिक माइकल से होगा। पारधी पहले राउंड में अज़रबैजान के तुशान दशधिमिरोव से 1-5 से हार गए थे और बाद में वे फ़ाइनल में पहुँच गए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को कांस्य पदक जीतने का मौक़ा मिला।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे धनंजय डी सिल्वा

नई दिल्ली। धनंजय डी सिल्वा ने स्वीकार किया है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी में कम से कम एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे। यह श्रीलंका का आठ वर्षों में ब्रिटेन का पहला टेस्ट दौरा था। श्रीलंका ने पिछले सप्ताह न्यू रोड पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेला था और अपनी पहली पारी में केवल 139 रन बनाकर आउट हो गई थी, टीम को मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हालाँकि मेहमान टीम ने खेल में बेहतर प्रदर्शन किया और दूसरे टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी की, लेकिन वे मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट में बिना किसी अतिरिक्त अभ्यास के उतरेंगे। धनंजय ने कहा, एशियाई देशों की तुलना में यहाँ की परिस्थितियाँ काफी अलग हैं। हम कुछ मैच खेलना चाहते थे, लेकिन हमें वही मिला। उन्होंने एक बयान में कहा, हम पूरी ताकत के साथ (वार्म-अप के लिए टीम) नहीं गए। हमने कुछ खिलाड़ियों को आजमाया भी है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास तैयारी थी। यह इस मैच में काम आएगी। धनंजय, जिन्होंने अब तक अपने नेतृत्व में तीन टेस्ट मैचों में से प्रत्येक में श्रीलंका को जीत दिलाई है, ने माना कि 2018 के बाद से यह श्रीलंका की पहली टेस्ट सीरीज़ है जिसमें दो से अधिक टेस्ट शामिल हैं, जिससे शेड्यूल कड़ा हो सकता है और इसलिए, उनकी टीम संभावित रूप से एक और अभ्यास मैच से वंचित हो सकती है।

टीपीएल-6 की मेजबानी करेगा मुंबई

सुमित नागल, ह्यूगो गैस्टन और मैग्डा लिनेट पर होंगी सबकी निगाहें

मुम्बई, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

टेनिस प्रीमियर लीग के एक बड़े और बेहतर संस्करण की तैयारियां जोरों पर हैं। लीग ने अपने छठे सीजन के लिए एक नया मेज़बान शहर चुना है। देश की सबसे सफल खेल लीगों में से एक टीपीएल मुंबई में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में वापस आ रही है, और इसका आयोजन 3 से 8 दिसंबर 2024 के बीच होना है। टेनिस प्रीमियर लीग 2024 में टेनिस की दुनिया के कुछ शीर्ष नाम भारत में अपने खेल का जलवा दिखायेंगे।

पुरुषों में, फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन (विश्व नंबर 61) और इन-फॉर्म भारतीय ऐस सुमित नागल (विश्व नंबर 74 और भारत नंबर 1) मुख्य आकर्षण होंगे, जबकि महिलाओं के ड्रॉ में पोलैंड की मैग्डा लिनेट (विश्व नंबर 41) और अर्मेनियाई एलिना अवनेस्यान (विश्व नंबर 52) आकर्षण में से एक हैं।

5 सफल सीज़न के बाद टीपीएल, धूमधाम और उत्सव के मामले में इण्डियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद सबसे आगे है। हर बार की तरह 25 पॉइंट्स के मनोरंजक फॉर्मेट में यह लीग प्रशंसकों के लिए रोमांचक टेनिस लेकर आ रहा है। सभी फ्रेंचाइजी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कुल 5 मैच खेलेंगी।

लीग का क्रांतिकारी प्रारूप टेनिस प्रशंसकों की कल्पना को समझता है। दो फ्रेंचाइजी के बीच सभी मैचों में पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल शामिल होंगे। प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 500 अंक (100 अंक × 5 मैच) खेलेगी और अंक तालिका में शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगी।

फारूक बने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष

ढाका। 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद को बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का नया अध्यक्ष बनाया है। ढाका में नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) कार्यालय में आज हुई बीसीबी की बैठक में नजमुल हसन ने औपचारिक रूप से बताया कि उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है उसके बाद निदेशकों ने सर्वासम्मति से फारूक अहमद को बोर्ड का नया अध्यक्ष चुन लिया। हसन का कार्यकाल अगले वर्ष अक्टूबर में समाप्त होने वाला था, लेकिन देश में हाल ही में हुए शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के कारण उन्होंने समय से पहले ही पद छोड़ने का फैसला किया है।

शानदार खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली फ्रेंचाइजी

पीबीजी पुणे जगुआर, बंगाल विजाड्र्स, पंजाब पैट्रियट्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, गुजरात पैंथर्स, मुंबई लियोन आर्मी और गत विजेता बेंगलुरु एसजी पाइपर्स हैं।

इसके अलावा, टीपीएल की जमीनी स्तर पर भी गहरी नजर है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है कि भविष्य में टेनिस सितारों का स्वस्थ प्रवाह हो। इसे ध्यान में रखते हुए, टीपीएल ने पिछले साल अपना खुद का मोबाइल ऐप पेश करने के अलावा जिला रैंकिंग टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए गुजरात राज्य टेनिस संघ (जीएसटीए), दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) और महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) के साथ करार किया है।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक अकादमियां टीपीएल ऐप से संबद्ध हैं। टीपीएल ऐप भारत भर के टेनिस समुदाय को जोड़ता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है, और टेनिस खिलाड़ियों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है। इस अवसर पर टेनिस प्रीमियर लीग के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, मुंबई सपनों का शहर है और हम टीपीएल के छठे संस्करण के साथ शहर में शीर्ष स्तरीय टेनिस वापस लाने पर प्रसन्न हैं। सीसीआई के टेनिस कोर्ट ने इतिहास के कुछ सबसे जोरदार टेनिस मैच देखे हैं और हमें पूरा विश्वास है कि टीपीएल के खिलाड़ी उन यादों को ताज़ा करेंगे।

टेनिस प्रीमियर लीग की सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा, टेनिस दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों में से एक है और सीसीआई जैसे प्रतिष्ठित स्थल से जुड़कर हमें बेहद खुशी हो रही है। मुंबई के लोग दुनिया के सबसे अच्छे खेल प्रशंसकों में से हैं और हम एक शानदार सीज़न की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें अच्छी प्रतिस्पर्धा वाले खेल और हाई-ऑक्टेन एक्शन होंगे।

मुरलीकांत ने जीता था पैरालंपिक में भारत की ओर से पहला स्वर्ण

मुम्बई, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस में अब 28 अगस्त से आठ सितंबर तक पैरालंपिक खेलों की धूम रहेगी। इन खेलों में दुनिया भर के पैरा खिलाड़ी भाग लेंगे। पेरालंपिक खेलों में इस बार भारत का सबसे बड़ दल भाग ले रहा है और ऐसे में खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत को इन खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक भारतीय सेना के जवान रहे मुरलीकांत पेटकर ने दिलाया था।

मुरलीकांत ने साल 1972 के हीडलबर्ग पैरालंपिक खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में ये स्वर्ण पदक जीता था। तब उन्होंने जीत दर्ज करने के लिए 37.33 सेकेंड का समय निकाला, जो उस समय का विश्व रिकॉर्ड था। इस प्रकार मुरलीकांत भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्हीं खेलों में उन्होंने भाला फेंक, सटीक भाला फेंक और स्लैलम में भाग लिया था। वह तीनों स्पर्धाओं में फाइनल तक पहुंचे थे। मुरली ने एक मुक्केबाज के रूप में सबसे पहले खेलों में भाग लिया था। साल 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान उन्हें नौ गोलियां लगीं, और वह विकलांग हो गए थे।

मुरलीकांत का कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। वह कुछ समय बाद ठीक तो हो गए, लेकिन उन्हें अपना एक हाथ खोना पड़ा। अब वह मुक्केबाजी नहीं कर सकते थे। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानने हुए तैराकी और अन्य खेलों में भाग लेना शुरू कर दिया. उन्होंने 1968 के पैरालंपिक खेलों में टेबल टेनिस में भाग लिया और पहला राउंड क्लीयर किया। उन्होंने तैराकी में कुल चार पदक जीते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे माइक टायसन

न्यूयॉर्क। पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।'

'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया।

देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

दो दिवसीय जनपद स्तरीय बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का दो इंटर कॉलेजों में हुआ शुभारंभ

मुरादाबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को हुआ, जिसमें बालक वर्ग की प्रतियोगिता अब्बास इंटर कॉलेज तथा बालिका वर्ग की हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज में आयोजित की गई।

प्रतियोगिता का उद्घाटन हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नौमान जलील, अब्बास इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आफताबुद्दीन तथा मौलाना आजाद मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रहमत बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर, पूर्व मंडलीय क्रीडा सचिव जीवन सिंह, शमशाद हुसैन, श्यामवीर सिंह, आफताब आलम, मेहंदी हसन, सचिन चौधरी, सुमित शर्मा, अर्जुन सिंह, विजय सिंह चौहान, राजपाल सिंह, नासिर हुसैन, भास्कर राघव, ज्योति शर्मा, दीपशिखा आदि शिक्षक/ शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। चयनकर्ता का दायित्व कुलदीप कुमार, कुमारी रेखा, गीतांजलि दक्ष तथा स्वाति राठी ने निभाया।

मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने प्रतियोगिता का परिणाम बताते हुए बताया कि बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष आर्य कन्या इंटर कालेज ने रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज संकुल को हराकर विजेता बनी बालिका वर्ग अंडर 17 में रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज में आयुष इंटर कालेज दलपतपुर संकुल को हराकर विजई रहा जबकि अंदर-19 बालिका वर्ग में आर्य कन्या इंटर कॉलेज ने विजय हासिल की। वहीं बालक वर्ग में अंडर 17 बालक वर्ग में आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज डिलारी ने मदन स्वरूप इंटर कॉलेज हरियाना को हराकर विजेता बना जबकि अंदर-19 के मुकाबले में आकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ को हराकर विजेता बना। प्रतियोगिता का संचालन अब्बास इंटर कॉलेज के खेल प्रभारी शमशाद हुसैन ने किया।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के दौरान ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देगा इंग्लैंड

लंदन, 21 अगस्त (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के खिलाड़ी बुधवार को मैनचेस्टर में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले दिवंगत ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देंगे।

4 अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प ने आत्महत्या कर ली थी, उनकी पत्नी अमांडा ने बताया कि वे गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित थे। वे इंग्लैंड के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक थे, जिन्होंने 100 मैचों के टेस्ट करियर में 44.66 का औसत बनाया था, और बाद में 2021-22 एशेज दौरे के बाद उस भूमिका को छोड़ने तक इंग्लिश टीम के बल्लेबाजी और सहायक कोच रहे।

उन्होंने बल्लेबाजी और सहायक कोच की भूमिका में श्रीलंका श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की अधिकांश टीम के साथ काम किया और जो रूट और बेन स्टोक्स के करियर में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे।

इंग्लैंड के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में, स्टोक्स ने टॉस के लिए थोर्प के नाम वाली शर्ट पहनी थी, इससे पहले उन्होंने खुद पर जान लेने की कोशिश की थी, जिसके कारण वे अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। स्टोक्स की जगह कप्तान के रूप में काम कर रहे ओली पोप ने मंगलवार को कहा, हम पूरे खेल के दौरान अपनी काली बांह की पट्टियाँ बाँधे रहेंगे और उससे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इससे चेंजिंग रूम में बहुत से लोगों को ठेस पहुँची है। वे एक महान व्यक्ति थे। मैंने शायद दो या तीन साल उनके निर्देशन में में खेला था। मैं वास्तव में उनका प्रशंसक हूँ।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे एक बात कही थी: कभी भी अपने द्वारा बनाए जा रहे रनों को अपने व्यक्तित्व से परिभाषित मत होने दो। जब आप युवा होते हैं तो आप थोड़े ऊबाऊ होते हैं, मुझे यही सुनने की जरूरत थी। यह दर्शाता है कि वह कितने लोगों के बीच रहने वाले व्यक्ति थे। चेंजिंग रूम में उन्हें प्यार किया जाता था। उनका जाना सभी के लिए बहुत दुखद क्षति है: देश, उनके परिवार और लड़कों के लिए भी, उनकी कमी खल रही है और हम इस सप्ताह उनका सम्मान करेंगे।

बुधवार की सुबह एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में राष्ट्रगान से पहले टीमें तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रद्धांजलि के लिए कतार में खड़ी होंगी। स्काई स्पोर्ट्स भी अपने कवरेज में थोर्प को श्रद्धांजलि देगा, उनके कई कमेंटेटर उन्हें लंबे समय से टीम के साथी और करीबी दोस्त के रूप में गिनते हैं। पिछले हफ्ते थोर्प की मौत की जांच की शुरुआत में पता चला कि 4 अगस्त की सुबह सरे के एशर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने के बाद उनकी मौत हो गई थी।

विलारियल ने ब्राजील के गोलकीपर लुईज जूनियर पर खर्च किए 12 मिलियन यूरो

मैड्रिड। विलारियल ने पुर्तगाली क्लब फैमालिकाओ से ब्राजील में जन्मे गोलकीपर लुईज जूनियर को 12 मिलियन यूरो (13.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया है। 23 वर्षीय जूनियर के आने से विलारियल को फ़िलिप जोर्गेनसन की जगह लेने का मौका मिलेगा, जिन्हें उन्होंने गर्मियों की शुरुआत में चेल्सी को बेच दिया था। कोच मार्सेलिनो गार्सिया टोरल के लिए पहली पसंद बनने के लिए वह एक और नए आगमन, डिएगो कोंडे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। जूनियर, जिसके पास पुर्तगाली पासपोर्ट है, ने जून 2030 के अंत तक के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है और अपने पूर्व क्लब में 140 प्रथम-टीम प्रदर्शनों के बाद स्पेन चले गए हैं, जहां वह हाल के वर्षों में सबसे अधिक पेनल्टी बचाने वाले गोलकीपर रहे हैं। सोमवार की रात, जब विलारियल ने एटलेटिको मैड्रिड के साथ घरेलू मैदान पर 2-2 से ड्रा खेलकर नए सत्र की शुरुआत की, तो वह स्टेडियम में मौजूद थे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल

नई दिल्ली,21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बुधवार को भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और भारती इंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने यहां मुलाकात की।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने नार्थ ब्लॉक स्थित (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि सुनील भारती मित्तल भारती इंटरप्राइजेज के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो भारत के अग्रणी दूरसंचार, बीमा, रियल एस्टेट, कृषि और खाद्य के अलावा अन्य उपक्रमों में विविध कंपनियों का समूह हैं। समूह की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल दुनिया की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों में से एक है, जो भारत, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में करीब 456 मिलियन से ज्यादा ग्राहकों को मोबाइल, फिक्स्ड ब्रॉडबैंड और डिजिटल टीवी समाधान सेवा प्रदान करती है।

रामको सीमेंट्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) पीआर वेंकटराम राजा ने बुधवार को मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पीआर. वेंकटराम राजा ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि रामको सीमेंट्स लिमिटेड (रामको) भारत में अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक प्रमुख कंपनी है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में पोर्टलैंड सीमेंट, साधारण पोर्टलैंड सीमेंट, क्लिंकर, तैयार मिक्स कंक्रीट, प्लास्टर, वॉल पुट्टी, टाइल एडहेसिव और ड्राई मोर्टार उत्पाद शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस बार...

इन सब ने मिलकर आरक्षण विरोधी आंदोलन को हवा दी, फिर उसे सरकार विरोधी आंदोलन बना दिया और शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद आंदोलनकारी छात्रों ने देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन को पद छोड़ने के लिए विवश किया।नए मुख्य न्यायाधीश ने पद संभालते ही आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की घोषणा की। फिर छात्रों ने मुहम्मद यूनुस को सरकार बनाने का न्यौता दिया, जिसे उन्होंने लपक कर स्वीकार कर लिया। उधर, सेना में भी बड़े बदलाव किए गए। मेजर जनरल जियाउल अहसन को सेवा मुक्त कर दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद सैफुल आलम को विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई और लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर शमीम सेना को चीफ आफ जनरल स्टाफ नियुक्त किया गया।मोहम्मद यूनुस ने हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे संगठनों के प्रति निष्ठा रखने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों को अपनी टीम में शामिल किया है। सरकार बनते ही जमात-ए-इस्लाम पर से प्रतिबंध हटा लिया गया। अंतरिम सरकार में दो आंदोलनकारी छात्रों नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को भी शामिल किया गया है, जिन्हें शासन का बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। उधर, मोहम्मद यूनुस पर दर्ज भ्रष्टाचार के मामले एक-एक कर वापस लिए जा रहे हैं। सरकार में सलाहकार नूरजहां बेगम को भी बरी कर दिया गया है।दोनों के विरुद्ध शेख हसीना के कार्यकाल में मामले दर्ज किए गए थे। कहा जा रहा है कि मोहम्मद यूनुस ने उल्फा को 10 ट्रक हथियारों और विस्फोटकों की खेप भेजने के आरोप में मृत्युदंड की सजा पाए लोगों को भी बरी करने की सहमति दे दी है। उनमें पूर्व मंत्री मोहम्मद लुत्फुज्जमान बाबर व अब्दुस सलाम पिंटू, बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष रहे तारीक रहमान, डीजीएफआई के पूर्व निदेशक मेजर जनरल (रि) रेजाकुल हैदर चौधरी, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा गुप्तचर निदेशक व बर्खास्त विंग कमांडर शहाबुद्दीन शामिल हैं। ये सभी 2001-2006 तक बीएनपी गठबंधन सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर थे।इसका परिणाम क्या होगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं है। इस सब के बीच, अमेरिका न तो हिंदुओं के नरसंहार से और न ही इस्लामी कट्टरपंथियों के सत्ता के केंद्र में आने की संभावित संभावनाओं से बहुत चिंतित है। इसकी कीमत हिंदुओं को चुकानी पड़ रही है, पर लोकतंत्र और पश्चिम में मानवाधिकारों के चैम्पियन हिंदू नरसंहार पर चुप्पी साधे हुए हैं। यहां तक कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी हिंसा को बदले का हमला बताकर तर्कसंगत बनाने की कोशिश की है। 1971 के युद्ध के दौरान और उसके बाद के समय में हिंदुओं के नरसंहार पर अमेरिकी रुख आज से अलग नहीं था।शेख हसीना को देश में अस्थिरता, आतंकवाद और सैन्य शासन के विरुद्ध एक ढाल के रूप में देखा जाता था। वे बांग्लादेश को संघर्षों से निकालकर आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर ले आईं। नतीजा, बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गई और यह परिधान निर्यात में चीन के बाद दुनिया का दूसरा बड़ा देश बन गया। तख्तापलट के बाद देश फिर से अस्त-व्यस्त हो गया है। यह चीन, पाकिस्तान और डीप स्टेट के लिए ही नहीं, बल्कि आतंकियों व कट्टरपंथियों के लिए भी एक सुनहरा अवसर है। बांग्लादेश में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का असर भारत पर भी पड़ेगा। घुसपैठिए और इस्लामी आतंकी दोनों देशों के लिए चुनौती बन सकते हैं। जिस तरह से मौका पाते ही कट्टरपंथियों ने बांग्लादेश के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय प्रतीकों को मटियामेट किया, उससे बामियान में तालिबान के कृत्यों की याद ताजा हो गई।क्या कोई कल्पना कर सकता था कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और प्रधानमंत्री के साथ ऐसा होगा। सवाल है कि हालात बिगाड़े कैसे? जनवरी 2024 में 5वीं बार प्रधानमंत्री बनने के बाद शेख हसीना ने कई बार आसन्न खतरों की ओर संकेत किया था। मई में उन्होंने कहा कि एक श्वेत व्यक्ति ने उन्हें एक प्रस्ताव भेजा है। बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक नया ईसाई देश बनाने की साजिश रची जा रही है। वह श्वेत कौन है? उसने क्या प्रस्ताव भेजा था?शेख हसीना एक माह के भीतर दो बार भारत के दौरे पर आई थीं। फिर जुलाई में चीन गईं, पर बेटी के खराब स्वास्थ्य के बहाने दौरा अधूरा छोड़कर लौट आईं। वास्तव में वे चीन से अपेक्षित वित्तीय सहायता और उचित प्रोटोकॉल न मिलने से नाराज थीं। चीन ने उन्हें उचित प्रोटोकॉल क्यों नहीं दिया? क्या शेख हसीना को अपदस्थ करने की अमेरिकी डीप स्टेट के षड्यंत्रों की जानकारी चीन को पहले से थी? डीप स्टेट चीन के साथ सहयोग क्यों कर रहा है?अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस डीप स्टेट का चेहरा है। वामपंथी और हिंदू विरोधी सोरोस का एजेंडा पश्चिमी वर्चस्व बनाए रखना है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ उसका वैचारिक जुड़ाव है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को छोड़कर क्लिंटन, ओबामा और बुश आदि अमेरिकी राष्ट्रपतियों को डीप स्टेट और सोरोस परिवार ने ही सत्ता में बिठाया और उन्हें कठपुतली की तरह नचाया। हिंदू विरोधी होने के कारण डीप स्टेट का स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान के साथ नाता है। हाल ही में जॉर्ज सोरोस के बेटे एलेक्स सोरोस ने हुमा आबेदीन से सगाई की घोषणा की थी। हुमा पाकिस्तानी मूल की है और हिलेरी क्लिंटन की सचिव रह चुकी है।

यह सगाई इस्लामी कट्टरपंथियों के साथ डीप स्टेट के संबंधों का प्रमाण है। डीप स्टेट ने कनाडा, यूरोप, यूक्रेन और कई अन्य देशों में कठपुतली सरकारें स्थापित की हैं। सोरोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सत्ता से दूर करने के लिए एक अरब डॉलर फंड देने की घोषणा की थी। शेख हसीना को हटाकर डीप स्टेट और चीन अब भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और भारत को बांटने की साजिश में जुटे हुए हैं। उनकी मंशा बांग्लादेश के माध्यम से भारत के पूर्वोत्तर में आपूर्ति मार्ग को बाधित करना है। चीन पूर्वोत्तर को भारत से काटकर उस अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा मजबूत करने की ताक में है।दरअसल, चीन शेख हसीना से नाराज था। वह तीस्ता परियोजना हासिल करना चाहता था, पर शेख हसीना चाहती थीं कि भारत इसे पूरा करे। इसलिए जब वह चीन गईं तो चीनी राष्ट्रपति उनसे नहीं मिले। वापस लौटते ही उन्होंने कहा कि तीस्ता परियोजना के लिए चीन तैयार है, लेकिन वह इसे भारत को देंगी, क्योंकि इससे जुड़ी भारत की कुछ चिंताएं हैं। इसी से चिढ़कर चीन डीप स्टेट के साथ तख्तापलट की योजना पर तेजी से काम करने लगा। आरक्षण विवाद ने उसे मौका दे दिया। बांग्लादेश ग्रामीण उन्नति समिति (बीआरएसी) और अन्य विश्वविद्यालयों में आंदोलन को उग्र बनाने के लिए डीप स्टेट द्वारा जारी टूलकिट का इस्तेमाल हुआ। डीप स्टेट ने सूचनाओं को दबाने, फर्जी खबरें फैलाने, सर्च इंजन को आप्टिमाइज करने, शिक्षाविदों तथा मीडिया आउटलेट के वैश्विक गठबंधन तैयार करने के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल किया।बांग्लादेश में उथल-पुथल के बीच कांग्रेस का रवैया भी संदिग्ध रहा। वहां के हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताने के बजाए सलमान खुर्शीद, मणिशंकर अय्यर और सज्जन वर्मा ने जो बयान दिए, वे गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। खुर्शीद ने धमकाने वाले लहजे में कहा, बांग्लादेश जैसे हालात भारत में भी हो सकते हैं। फिर राहुल के करीबी मणिशंकर अय्यर ने यह कहकर कि बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां कुछ-कुछ भारत में भी बन रही हैं कांग्रेस की भूमिका को लेकर आशंकाओं को और गहरा कर दिया। ऐसा लगता है कि ये बयान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की स्वीकृति के बाद दिए गए थे।यदि ऐसा नहीं होता तो मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा यह नहीं कहते कि श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह भारत में भी जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास में घुसने वाली है। तो क्या कांग्रेस भी मौके की ताक में है? बांग्लादेश में जो हुआ, क्या उसकी जानकारी कांग्रेस को थी? क्योंकि हिंदुओं को हिंसक बताने वाले राहुल गांधी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नफरत या भाजपा के विरोध के नाम पर देश-विदेश में भारत को बदनाम करने में माहिर हैं, उन्हें पता था कि बांग्लादेश में क्या पक रहा है। अंग्रेजी साप्ताहिक ब्लिट्ज के बांग्लादेशी संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भारत के दो प्रमुख टीवी चैनलों पर दावा किया है कि बीते माह के प्रारंभ में लंदन की संक्षिप्त यात्रा के दौरान राहुल ने बीएनपी के निर्वासित नेता व पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान से मुलाकात की थी। चीन के साथ कांग्रेस की गलबहियों के बारे में तो सभी जानते हैं।कांग्रेस ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के जरिए सरकार को घेरने की कोशिश की, जो अडाणी समूह पर लक्षित हमले कर शॉर्ट सेलिंग से कमाई भी कर रहा था। उसने उत्साह में डेढ़ साल के भीतर दूसरी बार रिपोर्ट जारी की। लेकिन सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर हमले के बहाने शेयर बाजार में उथल-पुथल लाने की उसकी योजना नाकाम हो गई। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से कांग्रेस के शेयर बाजार को लगातार मुद्दा बनाने के पीछे क्या वजह हो सकती है? कहीं हिंडनबर्ग तो नहीं? बहरहाल, भारत को कभी जाति में बांटने, कभी संवैधानिक संस्थाओं पर हमला और अब आर्थिक रूप से चोट पहुंचाने की कोशिश संयोग नहीं हो सकती। ये वे प्रयोग हैं, जो बीते कुछ वर्षों से लगातार किए जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण...

इसमें लगभग 5 हजार छात्र हैं। पीएम मोदी जामनगर और कोल्हापुर के महाराजाओं के स्मारकों का दौरा भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री पोलैंड में स्थापित महाराजा दिग्विजय सिंह जी के स्मारक पर जाएंगे और श्रद्धांजलि देंगे। पोलैंड में महाराजा दिग्विजय सिंह जी को दयालु महाराज भी कहा जाता है। यह भारत और पोलैंड के बीच ऐतिहासिक संबंधों की निशानी है। महाराजा दिग्विजय सिंह जी ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश शरणार्थियों को शरण दी थी।भारत और पोलैंड के बीच 2023 में 5.72 अरब डॉलर (करीब 48 हजार करोड़ रुपए) का व्यापार हुआ है। 2013 से 2023 तक दोनों देशों के बीच 192 प्रतिशत व्यापार बढ़ा है। 2023 में भारत ने पोलैंड के साथ 3.95 बिलियन डॉलर (33 हजार 146 करोड़) का निर्यात और 1.76 बिलियन डॉलर (14 हजार 770 करोड़) का आयात किया था।भारत का पोलैंड में 3 बिलियन डॉलर (25 हजार 178 करोड़) से ज्यादा का निवेश है। भारतीय आईटी कंपनियां पोलैंड में लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार देती हैं। वहीं, पोलैंड का भारत में 685 मिलियन डॉलर (5 हजार 749 करोड़) का निवेश है। भारत पोलैंड से रक्षा व्यापार करता आया है, जिसमें हेलिकॉप्टर, विमान के पार्ट्स और अन्य आर्मी हार्डवेयर के सौदे शामिल हैं। भारत के टी-72 टैंकों के अपग्रेड में पोलैंड की कंपनी बुमर लाबेडी का प्रमुख योगदान रहा। दोनों देशों की सेनाओं ने कई बार संयुक्त युद्धाभ्यास भी किए हैं।भारत और पोलैंड के बीच ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में भी कई समझौते होते आए हैं। हाल ही में हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) ने ऑप्टिकल फाइबर प्लांट के लिए 144 करोड़ के निवेश की योजना की घोषणा की थी। अगले साल पोलैंड यूरोपियन यूनियन काउंसिल का अध्यक्ष बनने वाला है। इसलिए राजनीतिक पहलू से भी पोलैंड के साथ संबंध भारत के लिए जरूरी है।पीएम मोदी के पोलैंड दौरे पर पोलैंड के राजदूत सेबेस्टियन डोमजाल्स्की ने कहा, भारत दुनिया की आवाज है। मोदी की यात्रा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ताकतवर संदेश देगी कि भारत शांति के पक्ष में हैं। उनके यात्रा के दौरान, तकनीक, डिफेंस और सुरक्षा बातचीत के अहम मुद्दे रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सबसे पहले भारत के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू 25 जून 1955 को पोलैंड गए थे। इसके बाद इंदिरा गांधी 8 अक्टूबर 1967 को पोलैंड यात्रा पर गई थी। फिर मोरारजी देसाई 14 जून 1979 को पोलैंड यात्रा पर जाने वाले आखिरी भारतीय प्रधानमंत्री थे। इसके 45 साल बाद अब मोदी वहां जा रहे हैं।पोलैंड के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन जाएंगे। प्रधानमंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलेंगे और इसके साथ ही वो व्यापार, मानवीय सहायता समेत अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। यूक्रेन में वह भारतीय समुदाय के छात्रों तथा अन्य लोगों से भी मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे से दोनों देशों के बीच के संबंधों को और मजबूती मिलेगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने रूस का दौरा किया था, जहां उन्हें रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया था।पीएम मोदी 21 और 22 अगस्त को पौलेंड दौरे पर रहेंगे और इसके बाद वह 23 अगस्त को युद्धग्रस्त यूक्रेन की राजधानी कीव जाएंगे। पीएम मोदी की पोलैंड यात्रा तब हो रही है, जब दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वारसॉ पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कल पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय बैठकें होंगी। वे पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से भी मिलेंगे और उसके बाद वे भारत-पोलैंड व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए पोलैंड के व्यापारिक नेताओं से मिलेंगे। प्रधानमंत्री भारतविदों और कुछ कबड्डी खिलाड़ियों से भी मिलेंगे ताकि यह देखा जा सके कि लोगों के स्तर पर भारत और पोलैंड के बीच क्या आकर्षण है।वारसॉ में पीएम मोदी की अगवानी के लिए सैकड़ों की संख्या में प्रवासी भारतीय भी पहुंचे। पीएम मोदी ने भी होटल में प्रवासी भारतीयों का अभिवादन किया। इस दौरान पीएम मोदी वारसॉ में एक होटल में प्रवासी भारतीय समुदाय के बच्चों से बातचीत करते हुए भी नजर आए। उनकी इस यात्रा की आधिकारिक जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक पत्र जारी किया है। इस पत्र में प्रधानमंत्री ने लिखा, मेरी पोलैंड यात्रा ऐसे समय हो रही है जब हम अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक भागीदार है। लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता हमारे संबंधों को और मजबूत करती है। मैं साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिए उत्सुक हूं। इस पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा का भी जिक्र किया है।प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा कर रहे हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी पोलैंड की यात्रा समाप्त करने के बाद ट्रेन से यूक्रेन की राजधानी कीव जाएंगे, जिसमें लगभग 10 घंटे का समय लगेगा। इस यात्रा से भारत और यूक्रेन के बीच निरंतर जुड़ाव को बढ़ावा मिलने की संभावना है और यह दोनों देशों के बीच मजबूत और अधिक जीवंत संबंधों की नींव रखने में सहायक होगी।यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा करूंगा। यह यात्रा उनके साथ पहले हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने और भारत-यूक्रेन मित्रता को गहरा करने का अवसर होगी। हम चल रहे यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर भी दृष्टिकोण साझा करेंगे। एक मित्र और भागीदार के रूप में, हम इस क्षेत्र में शीघ्र शांति और स्थिरता की वापसी की आशा करते हैं।विदेश मंत्रालय के एक बयान में जानकारी दी गई है कि कीव में प्रधानमंत्री की मुलाकात के दौरान राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक, निवेश, शिक्षा, सांस्कृतिक, लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान, मानवीय सहायता सहित द्विपक्षीय संबंधों के कई पहलुओं पर चर्चा होगी। भारत ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का माध्यम अपनाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 जून को इटली के अपुलिया में 50वें जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। यूक्रेन 1991 में अलग देश बना था। उसके बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की यात्रा नहीं की है। इससे पहले पीएम मोदी 8 और 9 जुलाई को रूस के दौरे पर भी गए थे।

कोलकाता...

नागरिकों का कहना है कि ममता बनर्जी जनता का विश्वास खो चुकी हैं, इसलिए उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी पर सीपीआई (एम) महासचिव डी. राजा ने कहा, पश्चिम बंगाल के साथ कोलकाता में आंदोलन जारी है। हमारी पार्टी भी मैदान में है। राज्य सरकार पूरी तरह से विफल रही है और इसीलिए कल भी हमारी पार्टी ने मांग की थी कि केंद्र सरकार सभी चिकित्सा कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक कानून बनाए। जो कुछ भी हुआ, ममता बनर्जी को सभी जिम्मेदारियों और विफलताओं को स्वीकार करना चाहिए। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भी कहा, हम ममता बनर्जी का इस्तीफा चाहते हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, उन्होंने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी के विरोध में प्रदर्शन किया गया है। कोलकाता के राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान के डॉक्टरों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले में न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सिलिगुड़ी में भी डॉक्टरों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। तेलंगाना में भी डॉक्टर्स ने कोलकाता की घटना के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया।भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा, पूरे देश और पश्चिम बंगाल की एक ही मांग है, न्याय। अगर ममता बनर्जी न्याय नहीं दे पा रही हैं तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। वो ममता बनर्जी जो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, गृह मंत्री हैं, स्वास्थ्य मंत्री हैं, पुलिस मंत्री हैं वो खुद ही अपनी सरकार के खिलाफ रास्ते पर खड़ी हो गईं। हम चाहते हैं कि वे (ममता बनर्जी) न्याय दें नहीं तो इस्तीफा दें।दूसरी तरफ, कोलकाता पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ और हिंसा के मामले में तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में दो असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। वहीं एक इंस्पेक्टर शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते हफ्ते लोगों की भीड़ ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में घुसकर तोड़फोड़ और हिंसा की थी। यह हिंसा उस वक्त हुई, जब मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और छात्र अपनी सहकर्मी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में बलात्कार के बाद हत्या की शिकार बनी अंडर ट्रेनी डॉक्टर के परिजनों के साथ जालसाज़ी का प्रयास किया गया है। यह आरोप पीड़िता के पिता द्वारा नियुक्त वकील विकासरंजन भट्टाचार्य ने लगाए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ धोखेबाजों ने खुद को डॉक्टर बता कर पीड़िता के परिजनों से संपर्क किया। वकील के नाम पर कुछ कागजातों पर दस्तख़त भी करवाए गए हैं। एडवोकेट भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी की भी आलोचना की है।सीनियर अधिवक्ता विकासरंजन भट्टाचार्य ने बताया कि कुछ संदिग्ध लोगों ने डॉक्टर के वेश में पीड़िता के घर वालों से मुलाकात की है। ये जालसाज अपने साथ कोई कागज लाए थे जिसे वो सुप्रीम कोर्ट की याचिका बता रहे थे। उन्होंने इस पर दस्तख़त करवाने के लिए विकास रंजन भट्टाचार्य का नाम लिया। इन जालसाज़ों को ममता बनर्जी का कट्टर समर्थक बताते हुए वकील ने आशंका जताई है कि वो लोग ममता बनर्जी के भक्त थे।एडवोकेट विकासरंजन भट्टाचार्य ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच और जालसाजों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उनका दावा है कि जालसाजों के पास कई गुप्त राज भी हो सकते हैं। वकील भट्टाचार्य ने पीड़िता के परिजनों को पैसे की पेशकश करने वाली ममता बनर्जी की भी आलोचना की। उन्होंने लिखा, आप देखिए, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री की भूमिका बहुत निंदनीय है। जहां भी बलात्कार होता है, वह तुरंत पीड़ित के परिवार से संपर्क करने की कोशिश में जुट जातीं हैं और उन्हें पैसे दे कर कहती हैं कि सब कुछ खत्म हो गया है।एडवोकेट विकासरंजन भट्टाचार्य ने कहा, दुर्भाग्य से उन्होंने (ममता बनर्जी) ने रेप पीड़िताओं के लिए रेट कार्ड तय कर रखे हैं। वकील का मानना है कि बलात्कार की पीड़िताएं कानूनी तौर पर मुआवजे के हकदार ज़रूर हैं, लेकिन जांच पूरी होने तक इंतजार करना चाहिए। वकील का आरोप है कि के केस में गवाहों को भी खरीदने की कोशिश होती है। बकौल विकसरंजन आरजी कर मेडिकल कॉलेज पीड़िता के साथ भी यही हुआ था लेकिन पीड़िता के परिजनों ने पैसे लेने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि वो मुख्यमंत्री के खेल का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे।अधिवक्ता विकासरंजन भट्टाचार्य भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से राज्यसभा सांसद भी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी इस मामले की सुनवाई के दौरान उल्लेख किया कि अस्पताल पर हमला करने वाली भीड़ का मकसद उस सेमिनार वाले कमरे को खराब करना था जहां ये घृणित अपराध हुआ था। हालांकि, यह भीड़ भटक कर उस मंज़िल पर पहुंच गई थी। यहां भीड़ ने उस कमरे को तहस-नहस कर दिया था ताकि अपराध के सबूतों को मिटाया जा सके। इस हमले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।वायरल हो रहे इस वीडियो में एक व्यक्ति को यह कहते सुना गया, चलो सेमिनार वाले कमरे में चलते हैं। इसके बाद भीड़ ने कमरे में तोड़फोड़ शुरू कर दी थी। इस तोड़फोड़ का शिकार इमारत में मौजूद कुल 18 विभाग हुए थे। इन विभागों में इमरजेंसी रूम, गहन देखभाल इकाई और उच्च निर्भरता इकाई के साथ-साथ भंडारण कक्ष, पुरुष वार्ड, वॉशरूम शामिल हैं। भीड़ में मौजूद लगभग 7000 हमलावरों ने सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ डाला था। इस दौरान अस्पताल में तैनात पुलिसकर्मियों ने वॉशरूम में छिप कर अपनी जान बचाई थी। तब अस्पताल की नर्सों ने पुलिसकर्मियों की छिपने में मदद की थी।पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ ड्यूटी के वक्त हुई वीभत्सता के खिलाफ आवाज उठाने पर तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को रेप की धमकियां मिल रही हैं। इससे पहले अस्पताल की महिला स्टाफ को भी ऐसे ही बलात्कार के नाम पर धमकाया गया था। मिमी चक्रवर्ती ने बताया है कि कोलकाता रेप और मर्डर केस को लेकर विरोध प्रदर्शन के पोस्ट करने पर उन्हें बलात्कार की धमकियां दी गईं। साथ ही उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर अभद्र मैसेज भेज रहे हैं।उल्लेखनीय है कि आरजी कर अस्पताल में 9 अगस्त को लेडी डॉक्टर की लाश मिली थी। पहले कहा गया कि उन्होंने सुसाइड की है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई तो पता चला कि डॉक्टर की रेप के बाद हत्या की गई है। घटना की जानकारी होने पर सैंकड़ों लोग सड़कों पर न्याय मांगने आ गए। देखते-देखते बड़ा प्रदर्शन हुआ, मगर इस बीच इन आवाजों को रोकने के लिए आरजी कर अस्पताल में उपद्रवी घुस आए। इस दौरान मारपीट, तोड़फोड़ हुई। साथ ही वहां महिला स्टाफ को भी धमकाते हुए कहा गया कि अगर उन्होंने आवाज उठाई तो उनका भी रेप किया जाएगा। सामने आई वीडियो में देख सकते हैं कि स्टाफ मीडिया को बता रहा है कि उपद्रवियों ने उनसे कहा था- जैसे रेप हुआ, आप लोगों का भी करेंगे।

कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष पर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं और नित नए खुलासे हो रहे हैं। आरजी कॉलेज में डॉ. संदीप घोष की शह पर गुंडा गैंग का राज चलता था। यह गैंग पिछले कई वर्षों से अस्पताल में भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी और वसूली कर रहा था।एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विस डॉक्टर्स वेस्ट बंगाल (एएचएसडीडब्ल्यूबी) के महासचिव और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. उत्पल बंदोपाध्याय ने खुलासा किया है कि एक साल पहले आरजी कर अस्पताल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ने एक हजार पेजों का एक दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग को जमा किया था। उसमें यह आरोप था कि आरजी कर मेडिकल में गुंडों का एक गैंग है जो बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार कर रहा है और जबरन वसूली का धंधा चला रहा है। ये सारी जानकारी उन दस्तावेजों में है। आरोप है कि गिरोह पार्किंग वालों से वसूली करता है, आसपास दुकानों से जबरन वसूली करता है। अस्पताल के वेस्ट में भ्रष्टाचार होता है। ड्रग्स के लेन-देन में जबरन वसूली की जाती है। अस्पताल में गुंडा गैंग का राज चलता था। अस्पताल का कोई भी व्यक्ति इनके डर से मुंह नहीं खोल पाता था। अब जाकर डॉ. संदीप घोष के खिलाफ आर्थिक मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।बंदोपाध्याय ने बताया कि गुंडा गैंग पर आरोप है कि वे तय करते थे कि किस विद्यार्थी को पास करना है और किसे फेल करना है। इसके बाद गैंग के सदस्य पैसे लेकर फेल को पास करते थे। अगर इसमें कोई सीनियर डॉक्टर उनकी बात नहीं मानता था तो पहले उसे धमकाया जाता और फिर उसको दूर-दराज के क्षेत्र में ट्रांसफर करने की धमकी दी जाती। इसके बाद फेल विद्यार्थी को पास करने के लिए गिरोह के सदस्य पैसे लेते थे। ऐसा माहौल आरजी कर अस्पताल में पिछले कुछ वर्षों से जारी है। डॉ. संदीप घोष के कार्यकाल में यह तेजी से फला-फूला। उन्होंने कहा कि आरजी कर कॉलेज में जो यह घटना घटी है। यह आरजी कर मेडिकल कॉलेज के लिए कोई अनोखी घटना नहीं है। गुंडों का गैंग जो कुछ आज तक वहां करता आ रहा था, यह उसका नतीजा है।बंदोपाध्याय ने बताया कि गैंग केवल आरजी कर मेडिकल कॉलेज तक ही सीमित नहीं है। गैंग पर आरोप है कि इसके भ्रष्टाचार और जबरन वसूली का दायरा पूरे प्रदेश में है। गैंग पर पश्चिम बंगाल के सारे मेडिकल कॉलेज, प्राइवेट अस्पताल, मेडिकल काउंसिल, पश्चिम बंगाल मेडिकल रेगुलेटिरी कमीशन समेत सभी प्रतिष्ठानों में भ्रष्टाचार करने, दादागीरी करने और जबरन वसूली का आरोप है। परीक्षा को लेकर भ्रष्टाचार करने का आरोप भी गैंग पर बार-बार लगा है। उन्होंने कहा, हम भी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों थी। इतना जरूरी क्या था। अभी-अभी जब वहां पर इतनी बड़ी घटना घटी है। क्राइम सीन के आसपास की चीजों को तो ठीक-ठाक रखना चाहिए। आखिर इसे तोड़ने की इतनी जल्दबाजी क्यों हुई। कितने ही सवाल खड़े करते हैं। क्या कॉलेज के प्रिंसिपल की जानकारी के बिना यह सब कुछ हो सकता है? इन सभी चीजों को देखकर केवल हमारे मन में ही नहीं बल्कि सारे बंगाल और देश के लोगों के मन में आ रहा है कि इधर कुछ काला है, कुछ छिपाया जा रहा है। स्वास्थ्य और पुलिस विभाग कुछ छिपाना चाहता है। लोगों को लग रहा है कि सबूतों को नष्ट किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जिस तरह का रवैया अब तक हमने देखा है उससे हमारे मन में आ रहा है कि पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग और दूसरे विभाग इस जांच को दूसरी दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। हम लोग इससे खुश नहीं हैं। लोग भी खुश नहीं हैं। इसलिए यह आंदोलन अब केवल डॉक्टरों का ही आंदोलन नहीं है, यह जन आंदोलन बन चुका है। उत्पल ने कहा, जिस तरह की घटना आरजी कर मेडिकल कॉलेज में घटी है, ऐसी घटना तो दुनिया में कभी नहीं हुई है। ड्यूटी रूम में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या कर दी गई। इस तरह की घटना दुनिया में कभी नहीं हुई है।एक सवाल के जवाब में उत्पल ने कहा, मानव अंग तस्करी के बारे में तो जानकारी नहीं है लेकिन पहले शवों को परिजनों के इजाजत के बिना परीक्षण के लिए देने का आरोप लगा था। जहां तक मेरी जानकारी है, उसके मुताबिक कुछ मरीजों के परिजनों ने अस्पताल पर आरोप लगाया था कि उनके परिजनों का शव उनकी इजाजत के बिना दूसरे काम में इस्तेमाल के लिए दे दिया गया। भावना ठीक हो सकती है, अगर शव नहीं मिलेगा तो मेडिकल के छात्र कैसे सीखेंगे। लेकिन परिजनों के इजाजत के बिना यह एथिकली ठीक नहीं है। इसके लिए एक प्रोसेस है, उसे तो मानना चाहिए। प्रोटोकॉल को मानना चाहिए। हमारे यहां यह क्यों तोड़ा गया?डॉ. संदीप घोष की राजनीतिक पहुंच इतनी थी कि उनका इस कॉलेज से तीन-तीन बार ट्रांसफर हुआ लेकिन वे कभी कहीं नहीं गए। डॉ. उत्पल ने कहा उनका तीन बार ट्रांसफर हुआ है। लेकिन कभी वे कहीं गए नहीं। वे कभी दो दिन बाद ट्रांसफर रिवर्ट वैक करवा लेते थे। कभी सात दिन बाद रिवर्ट करवा लेते। जब भी ट्रांसफर आदेश आता, वे प्रिंसिपल ऑफिस में ताला लगवा देते थे, ताकि जो नया प्रिंसिपल आए, वह ज्वाइन ही नहीं कर सके। इस बीच, वे अपना ट्रांसफर रिवर्ट करवा लेते थे।उन्होंने कहा, जब इस तरह की घटना हम देखते हैं तो हमारे मन में सवाल आते हैं कि इस प्रोफेसर में आखिर क्या है, जो दूसरों में नहीं है। क्या इस प्रिंसिपल के बिना आरजी कर मेडिकल कॉलेज नहीं चल सकता। हमारे राज्य में तो और भी काबिल प्रोफेसर हैं। संदीप घोष को ही आरजी कर में रखना है, आखिर क्यों जरूरी है। उत्पल ने कहा, हमारी मांग है कि केवल इस घटना की ही नहीं बल्कि कॉलेज में गुंडों का जो गिरोह या गैंग बनाया गया है, उसकी पूरी जांच होनी चाहिए। इतने सालों से गुंडों का गैंग जो कर रहा था, यह घटना उसी का नतीजा है। जब तक पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रमों की कड़ियों को जोड़ेंगे नहीं, तब तक सच्चाई सामने नहीं आएगी। पिछले कुछ वर्षों में आरजी कर में जो माहौल तैयार हुआ, उसे इस जांच के दायरे में लाना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उत्पल ने कहा, माननीय हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई मामले की जांच का हमने स्वागत किया है। हम भी असली फैक्ट जानना चाहते हैं।उन्होंने कहा, अस्पताल के अंदर की गुंडागर्दी का आलम यह है कि वे किसी नहीं डरते। जिस दिन घटना घटी, उस दिन पीड़िता के कुछ चाहने वाले और हमदर्द वहां गए थे। उन पर अस्पताल के गुंडा गैंग ने हमला कर दिया। इसमें कई जिनमें एक सीनियर प्रो. डॉक्टर, एक पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी को चोटें आईं। इस मामले में गुंडों पर एफआईआर भी दर्ज की गई है। आरोप है कि हत्या के पीछे डॉ. संदीप घोष थे और हत्या को मैनेज कर रहे थे पर उत्पल ने कहा, यह आरोप तो आ रहा है। हमने पहले ही बोला है कि यह जो घटना हुई है, यह कोई अनोखी घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से अस्पताल में गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार का जो राज चल रहा है, यह उसका नतीजा है। यह घटना घटने के बाद अस्पताल के प्रिंसिपल को जो-जो उनको करना चाहिए था, उन्होंने वह नहीं किया है। यह बात हम नहीं बल्कि माननीय हाईकोर्ट ने कहा है। तो हमारे मन में शक आ रहा है कि आखिर गुंडों के साथ क्या संबंध है, उनको बचाने की कोशिश की जा रही है। क्यों जांच को दूसरी ओर ले जाने की कोशिश की जा रही है।दुनिया में ऐसा कुछ नहीं है, जो राजनीति से परे हो। आप इस बात से अंदाजा लगाएं कि संदीप घोष ने घोषणा की थी कि वे नौकरी छोड़ रहे हैं। शाम को क्या हुआ। शाम को उनको दूसरे मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति मिल गई। इसकी घोषणा खुद स्वास्थ्य मंत्री और हमारे राज्य की मुख्यमंत्री ने की। हम यह नहीं कह रहे हैं कि संदीप घोष का मुख्यमंत्री के साथ कोई संबंध है। लेकिन बात यह है कि जो घटना लगातार घट रही है। उससे पता चल रहा है पुलिस विभाग और स्वास्थ्य विभाग इसमें पूरी तरह से नकारा साबित हुआ है। क्या इसकी जिम्मेदारी पुलिस मंत्री या स्वास्थ्य मंत्री को नहीं लेनी चाहिए। हमारी एसोसिएशन ने मांग की है कि स्वास्थ्य मंत्री और पुलिस मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।पूरे घटनाक्रम को देखकर और जो जानकारियां निकल कर आ रही हैं। उसे देख कर सबके मन सवाल आ रहा है कि जिसे अभी पकड़ा गया है, उसने शराब पी रखी थी। क्या शराबी और एक आदमी ऐसा कर सकता है। क्या यह संभव है। बात यह नहीं है कि एक आदमी है कि कितने आदमी हैं, यह तो जांच का विषय है, कि कौन सीधे घटना से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हमारा कंसर्न सीधा अपराध से जुड़ा है और उसके साथ-साथ जो वहां पर अपराध की साजिश का बड़ा क्षेत्र बन गया है, उस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। नहीं तो किसी की भी सुरक्षा नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा, हमें सीबीआई, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है। उम्मीद है कि जांच में सच्चाई सामने आएगी।

सुप्रीम कोर्ट के...

बस फिर क्या था, सारे संविधान भक्त सर्वोच्च न्यायालय जैसी संविधान-पीठ की अवमानना करने सड़कों पर उतर आए।आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में और एससी-एसटी आरक्षण को वापस लेने की मांग को लेकर भारत बंद पर राहुल गांधी की प्रतिनिधि कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, ये ऐसा मुद्दा है जिसे सरकार को बहुत संजीदगी से समझते हुए देखना पड़ेगा। जमीन के हालात को समझना पड़ेगा। क्रीमी लेयर जैसी चीजें हुई हैं। सरकार संवेदनशीलता से सभी वर्गों के बारे में सोचे। दलितों की रहनुमा बनने वाली भीम आर्मी को भी क्रीमी लेयर की ही चिंता है। उसने भी बंद का समर्थन किया और क्रीमी लेयर का फार्मूला निर्मूल करने की मांग की।आरक्षण समर्थक समूहों के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने के लिए लखनऊ में अंबेडकर चौक पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक जुटे और सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ नारेबाजी की। प्रयागराज, आगरा और कानपुर में भी लोगों ने कुछ स्थानों पर इकट्ठा होकर नारेबाजी की। उन्नाव, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, संभल, जालौन, इटावा, मथुरा, हाथरस और गोरखपुर समेत अनेक जिलों में भी आरक्षण के समर्थन में विभिन्न संगठनों द्वारा जुलूस निकाले जाने और प्रदर्शन किए जाने की खबरें मिलीं। लेकिन भारत बंद के बजाय पूरी तरह खुला रहा।भारत बंद के बहाने बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा में बाधा डालने की कोशिश जरूर हुई। वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर में बंद समर्थकों द्वारा प्रश्न पत्र लेकर जा रहे मजिस्ट्रेट को रोक दिया गया। मजिस्ट्रेट ने काफी समझाने की कोशिश की लेकिन बंद समर्थकों ने उन्हें पत्र पेपर केंद्र पर नहीं ले जाने दिया। यह उनका दलितों और आदिवासियों के प्रति मूल प्रेम अभिव्यक्त हुआ।

अपनी दुर्गति के...

ऐसे में लोगों के लिए यह समझ से परे है कि पार्टी ने उन्हें सीधा राज्यसभा में क्यों भेज दिया। आरके सिंह, रामकृपाल यादव और ऋतुराज सिन्हा जैसे नेताओं के बिहार से राज्यसभा जाने की चर्चा थी। तमिलनाडु से भाजपा के जुझारू अध्यक्ष के अन्नामलाई को बिहार से राज्यसभा भेजकर पार्टी ज्यादा बेहतर संकेत दे सकती थी। दूसरे दलों से आए नेता भाजपा में मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर केंद्रीय मंत्री तक बन रहे हैं, राज्यसभा जा रहे हैं और बड़े-बड़े विभागों के चेयरमैन बन रहे हैं, जबकि उसके अपने मूल नेताओं की उपेक्षा हो रही है। मुख्तार अब्बास नकवी जैसे नेताओं को किनारे लगाया जाना यही संकेत दे रहा है कि भाजपा ऐसी अनजानी राह पर आगे बढ़ रही है जिसका परिणाम खुद उसे ही पता नहीं है।स्मृति ईरानी भाजपा की कद्दावर नेता रही हैं। जब उन्होंने राहुल गांधी को अमेठी में मात दी थी, तब पार्टी ने इसे एक बड़े बदलाव की तरह पेश किया था, लेकिन इस चुनाव में हार के बाद उनका कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है। क्या यह बेहतर नहीं होता कि स्मृति ईरानी को राज्यसभा में लाकर एक तेज तर्रार नेता को विपक्ष के सामने खड़ा किया जाता। लोकसभा चुनाव में वरुण गांधी का टिकट कटने के बाद और मेनका गांधी को सुल्तानपुर में हार मिलने के बाद दोनों के पास कोई जिम्मेदारी नहीं है। जबकि अपनी प्रभावशाली उपस्थिति से दोनों ही नेता भाजपा के लिए एक अपील पैदा कर सकते हैं। अपने ही बड़े नेताओं की उपेक्षा करना भाजपा को भारी पड़ सकता है।

लेकिन सरकार ने...

यौन उत्पीड़न झेल रही हैं। वैसे तो ये रिपोर्ट पांच साल पहले ही केरल सरकार के पास पहुंच गई थी, लेकिन इसे सार्वजनिक अब किया गया है। कहा जा रहा है कि आरटीआई के दबाव में आकर केरल सरकार ने 295 पेजों की इस रिपोर्ट को जारी किया वो भी तब जब प्रारंभिक ड्रांफ्ट से 60 के आसपास पन्ने हटा दिए गए। ये रिपोर्ट न केवल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं पर बीत रही आपबीती को बताती है बल्कि पुरुषों के उस समूह के राज भी खोलती है जिन्हें लेकर कहा जाता है कि वो ही इस इंडस्ट्री पर कब्जा किए हुए हैं। दरअसल, साल 2017 में 14 फरवरी को मलयालम फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अपनी कार से कोच्चि जा रही थीं, तभी उन्हें रास्ते में अगवा कर लिया गया और फिर उनका उन्हीं की कार में यौन उत्पीड़न हुआ। जानकारी जब खबरों में आई तो हर कोई सन्न रह गया। पुलिस ने उस समय तो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया लेकिन इस घटना ने तमाम हिरोइनों की सुरक्षा पर सवाल उठा दिए। आंदोलन तेज होता गया। जब दबाव सरकार पर पड़ा तो मजबूर होकर वारदात के पांच महीने बाद जुलाई में केरल हाईकोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस हेमा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित हुई। इसी कमेटी को जो टास्क दिया गया उसमें पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों, सहयोगियों और अन्य स्टाफ की सेवा शर्तें, काम के बदले समुचित मेहनताना, शूटिंग स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम आदि को लेकर रिपोर्ट देना था।आदेशानुसार, कमेटी ने सैकड़ों की संख्या में महिला कलाकारों, टेक्नीशियन्स तथा अन्य से बातचीत की। उनके बयान रिकॉर्ड किए और फिर 2019 के आखिर में अपनी रिपोर्ट ले जाकर सीएम विजयन को दी। कमेटी ने इस रिपोर्ट के साथ इस मामले में विस्तृत जांच के लिए न्यायाधिकरण के गठन की सिफारिश भी की। हालांकि केरल सीएम ने उस पर सुनवाई तो दूर इस रिपोर्ट को ही पब्लिक नहीं होने दिया। लोगों ने इस मुद्दे को बार-बार उठाया, मगर सरकार ने इसे सार्वजनिक करने से मना कर दिया। विधानसभा में बताया गया कि अगर ये रिपोर्ट सार्वजनिक हुई तो निजता का उल्लंघन होगा। बाद में पांच आरटीआई कार्यकर्ताओं और मीडियाकर्मियों ने केरल राज्य सूचना आयोग से संपर्क किया तो उसने 6 जुलाई 2024 को आदेश दिया कि आयोग के सामने गवाही देने वालों की निजता बरकरार रखते हुए रिपोर्ट को कंट्रोल रिलीज किया जाए।अब हेमा कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे मलयालम इंडस्ट्री को पुरुषों का एक समूह नियंत्रित करता है। वहीं महिलाएं यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं वो भी उन लोगों द्वारा जिनका इंडस्ट्री में अच्छा खासा नाम है। इसके अलावा इसमें ये भी बताया गया है कि इंडस्ट्री में शुरुआत से ही उनके साथ शोषण शुरू हो जाता है। उन्हें कभी अडजस्ट करने को कहा जाता है तो कभी कॉम्प्रोमाइज करने को। जब महिलाएं इसका विरोध करती हैं तो उन्हें टॉर्चर झेलना पड़ता है। कभी बेसिक सुविधाओं से वंचित रखा जाता है तो कभी वेतन देने में भेदभाव किया जाता है।कार्यस्थल पर उनके आगे नशे करना, दुर्व्यवहार करना, घटिया कमेंट करना भी रिपोर्ट पढ़कर सामान्य बातें लगती है। इसके अलावा कॉन्ट्रैक्ट में काम की जानकारी दिए बिन नग्न सीन कराने की शिकायत भी रिपोर्ट से पता चलती है। जैसे, उदाहरण के लिए एक महिला एक्ट्रेस ने जानकारी दी कि उसे फिल्म के दौरान बताया ही नहीं गया था कि सीन के लिए कितना नग्न होना पड़ेगा। उसे बस कहा गया था कि उसमें उसकी बैक दिखाई जाएगी। हालांकि बाद में जब सीन करना हुआ तो पता चला उसमें लिप-लॉक भी है और अन्य चीजें भी। एक्ट्रेस ने वो सीन करने से मना कर दिया और कहा कि उसे ये सब पहले नहीं बताया गया था।इसी तरह एक मामले में तीन महीने की तैयारी की शूटिंग के बाद, एक निर्देशक ने अचानक एक अभिनेत्री को बताया कि उसे नग्न सीन करना होगा और लिप लॉक भी। महिला एक्ट्रेस ने मना किया बावजूद इसके उससे वो सीन कराया गया और अगले दिन बाथटब सीन के साथ अधिक रिवीलिंग सीन करने को कहा गया। एक अन्य मामले में अभिनेत्री को एक शख्स के साथ सीन करने को मजबूर होना पड़ा जो पहले उसका शोषण कर चुका था। अभिनेत्री के चेहरे पर असहजता दिख रही थी लेकिन डायरेक्टर ने उससे वजह जानने की बजाय उसे सीन लेट करने के लिए फटकारा था।इन सबके अलावा रिपोर्ट बताती है कि कैसे इंडस्ट्री में वेतन देते समय लिंग असमानता साफ झलकती है। बिन कॉन्ट्रैक्ट काम करवाया जाता है। वहीं जो कॉन्ट्रैक्ट साइन कराए जाते हैं उसमें अक्सर वेतन से जुड़ी बातें रेखांकित नहीं होतीं। बाद में महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले उचित वेतन तक नहीं मिलता। इसी तरह केवल महिला कलाकार इस भेदभाव को नहीं झेलते बल्कि कलाकारों के साथ तकनीशियनों को भी ये झेलना पड़ता है। कॉन्ट्रैक्ट न होने के कारण न उनके काम के घंटे तय होते हैं और न ही सैलरी। रिपोर्ट में एक मामला पढ़ने को मिलता है जहां एक अभिनेत्री को 32 दिन की शूटिंग के लिए उसे केवल 8 हजार रुपए दिए गए थे। वहीं दूसरे मामले में, एक अभिनेत्री को 20 दिनों के काम के लिए 50,000 रुपए देने का वादा किया गया था, लेकिन उसे मिले सिर्फ 4000 रुपए ही थे।रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच के दौरान निर्देशकों, निर्माताओं और अभिनेताओं समेत 15 बड़े शॉट्स से जुड़े एक पुरुष समूह का पता चला है। उनके अनुसार इंडस्ट्री में यही पावर ग्रुप तय करता है कि इंडस्ट्री में किसे रहना चाहिए और किसे फिल्मों में काम देना चाहिए। रिपोर्ट में इन शक्तिशाली समूह को माफिया भी बताया गया है जो अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों का करियर बर्बाद कर देते हैं। 235 पन्नों की रिपोर्ट से ये कुछ बिंदु हैं जो अभी तक उभर कर सामने आए हैं। इसे देख भले ही मन में सवाल उठें कि आखिर एक इंडस्ट्री से इतनी घटनाएं सामने आती हैं और कोई कुछ कहता कैसे नहीं, लेकिन हकीकत यह है कि ये समस्या सिर्फ मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की नहीं है। ये समस्या बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी है और सामान्य कॉर्पोरेट जगत में भी। हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने तो बस इस बिंदु को और पुख्ता किया है कि कार्यक्षेत्रों में लिंग असमानता और कास्टिंग काउच जैसी बातें हवाई नहीं हैं।वेतन असमानता की समस्या महिलाएं ग्लैमर की दुनिया में भी झेल रही हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले वहां भी हो रहे हैं जहां कोई सोच नहीं सकता। बस इन पर चर्चा इसलिए नहीं क्योंकि सोशल मीडिया पर इतनी चमक-दमक दिखाई जाती है कि हम मानने को तैयार ही नहीं होते कि ये भी एक कड़वा सच है। अगर कोई खुलकर इस मुद्दे पर बोले भी तो हम सोशल एक्टिविटी से अंदाजा लगाते हैं कि उसके साथ जो हो रहा है वो सही है या नहीं। नतीजा ये होता है कि महिलाएं बोलने से घबराने लगती हैं कि कहीं पुलिस तक बात जाने पर उनके चरित्र पर ही सवाल न खड़े हो जाएं।

अच्युतापुरम की...

जिला प्रशासन और पुलिस के शीर्ष अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। मौके पर बचाव और राहत अभियान जारी है। अनाकापल्ली जिला कलेक्टर ने बताया कि घटना में झुलसे श्रमिकों को अनाकापल्ली शहर के एनटीआर अस्पताल, विजाग शहर के केजी अस्पताल और कुछ अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।श्रम मंत्री वासमसेट्टी सुभाष ने कहा कि मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं है तथा बचाव अभियान अभी जारी है। उन्होंने कहा कि कारखानों पर तीसरे पक्ष की एजेंसियों की निगरानी उद्योगों में अक्सर होने वाली दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है।

गायों व दुर्बलों के संरक्षक भगवान कृष्ण

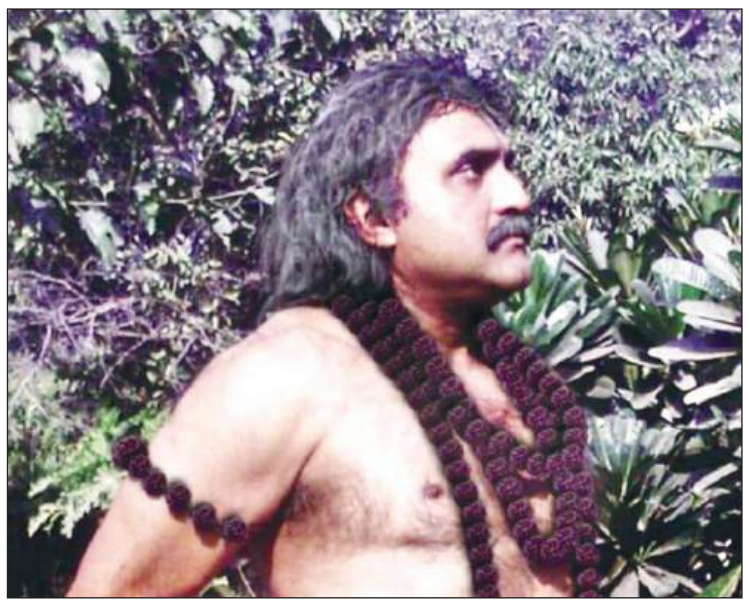

कृष्ण, सृष्टि के संरक्षक विष्णु, के प्रतिबिम्ब हैं, जो धर्म की रक्षा हेतु द्वापर युग में अवतरित हुए। एक अवतार का यही उद्देश्य होता है। जब भी सृष्टि में धर्म का पतन होता है तब उसकी स्थापना एवं सृष्टि के संरक्षण के लिए योगी तथा ऋषि मुनि यज्ञ द्वारा विष्णु जी की शक्ति का आह्वान करते हैं जिसके फलस्वरूप उस शक्ति की प्रतिक्रिया अवश्य होती है .....**भगवान कृष्ण ने गीता में भी कहा है–**

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ।।4–7।।

अर्थात जब जब धर्म संकट में होता है, और अधर्म बढ़ने लगता है, तब तब मैं अवतरित होता हूँ।

यहाँ मैं एक बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ की धर्म कोई मज़हब नहीं है और अंग्रेज़ी भाषा में भी इसका कोई पर्याय नहीं है। धर्म तो इस सृष्टि का आधार है, इसकी जीवन रेखा है जो इसे निरंतर चला रहा है। सूर्य का धर्म है पृथ्वी पर प्रकाश एवं गर्मी प्रदान करना, पेड़ का धर्म है पर्यावरण को शुद्ध करना तथा छाया एवं भोजन उप्लब्ध् कराना, मनुष्य का धर्म है– हर अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाना, निर्बलों की सहायता एवं रक्षा करना, तथा यह सुनिश्चित करना कि आसपास कोई भी भूखा न रहे। किन्तु आज मनुष्य अपने धर्म को भूल गया है, अपराध अपनी चरम सीमा पर हैं, गाय, कुत्ते, बंदर आदि जानवर भूख से मर रहे हैं, योग का व्यापारीकरण हो गया है, वेदों को तोड़ा मरोड़ा जा रहा है, तथा प्रकृति के साथ अनुवांशिक संशोधन तथा संकरण जैसी प्रक्रियाओं द्वारा छेड़छाड़ की जा रही है।

उदाहरण के तौर पर अभी हाल ही में दिल्ली के एक प्रख्यात हाट में एक गर्भवती गाय घायल पड़ी थी तथा उसके शरीर से बहुत लहू भी बह रहा था। ध्यान आश्रम के एक स्वयंसेवक ने उस गाय की मदद के लिए आस–पास के लोगों से सहायता मांगी लेकिन कोई आगे नहीं आया। फिर उसने फ़ोन करके एक वैन की व्यवस्था कर लोगों से उसे ट्रक में डालने की सहायता मांगी लेकिन तब भी कोई आगे नहीं आया, आखिरकार उस गाय की मृत्यु ही हो गयी..... अब आप उस बाज़ार में जाकर देखें तो गलियाँ और दुकानें त्यौहार की ख़ुशी में सुसज्जित हैं, दुकानदार बाल कृष्ण की मूर्तियाँ और सुनहरे मुकुट बेच रहे हैं क्योंकि जन्माष्टमी आने वाली है।

आश्चर्यजनक बात तो यह है कि कृष्ण गायों और दुर्बलों के रक्षक थे तथा हर अधर्म के विरुद्ध थे। हमारे ग्रंथों में उन्हें गोपाल कहा गया है, किन्तु आधुनिक काल में स्वयं को कृष्ण भक्त कहने वाले लोग वी आई पी दर्शनों की व्यवस्था तथा मूर्तियों और मंदिरों को सजाने में व्यस्त हैं और गाय जो कि कृष्ण को सर्वप्रिय थी, उसे बचाने का समय किसी के पास नहीं है।

मोक्ष पाने के लिए, भक्ति सबसे आसान मार्ग भी है और सबसे कठिन भी। जब भक्ति देवत्व की ओर महसूस होती है तो उसकी अभिव्यक्ति भी तरह – तरह की होती है । प्रत्येक भाव की अभिव्यक्ति साधक और उसकी साधना के स्तर का एक स्पष्ट संकेत है। अर्जुन भी कृष्ण भक्त थे और उन्होंने गौरक्षा हेतु अपना बारह वर्ष वनवास तथा एक वर्ष का अज्ञात वास दाँव पर लगा दिया था। यदि आप कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति को व्यक्त करने के प्रार्थी हैं तो आपको चाहिए कि कृष्ण द्वारा प्रदर्शित मार्ग पर चलें। इससे अधिक खुशी उन्हें और कोई चीज़ नहीं दे सकती क्योंकि विष्णु के सभी अवतार और शिव के सभी कार्यों का उद्देश्य गरीबों का उत्थान, अपने से कमज़ोर जीवों की रक्षा तथा पर्यावरण का संरक्षण रहा है।

यदि आप अपने इष्ट देव के चुने हुए कार्य नहीं कर रहे हैं तो सिर्फ धार्मिक स्थलों पर जाकर फूल चढ़ाने और गायन करने से कुछ उपलब्ध नहीं होगा। यदि आप मंदिरों को सजाने में मग्न हैं जबकि उन्हीं मंदिरों के बाहर कूड़े के ढेर लगे हों और पशु–पक्षी व् जन –साधारण पीड़ा व् अत्याचार ग्रस्त हों तो मैं आश्वासन देता हूँ कि आप अपने इष्ट देव के आसपास भी नहीं हैं।

फिर चाहे आपको अद्भुत वी आई पी दर्शन हो जाएँ या आपको अपने पसंदीदा मंदिर को फूलों और सुनहरे मुकुट से सजाने का मौका मिल जाये, सब निरर्थक है।

जन्माष्टमी भाद्रपद महीने की शुक्लपक्ष के आठवें दिन पर पड़ती है। यह दिन आध्यात्मिक क्रियाओं के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस दिन कृष्ण की शक्ति उस साधक के लिए आसानी से उपलब्ध होती है जो गुरु के सानिध्य में यज्ञ के माध्यम से उनके द्वारा दिखाए मार्ग का अनुसरण करता है। यह एक बहुत शक्तिशाली दिन है जब सनातन क्रिया और अष्टाँग योग की क्रियायों का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है तथा साधकों के विचार भी शीघ्र फलित हो जाते हैं। यदि आप यज्ञ की शक्ति और विचारों को शीघ्र फलित करने की उसकी क्षमता तथा सूक्ष्म शक्तियों का अनुभव करना चाहते हैं तो आप ध्यान फाउंडेशन से संपर्क कर सकते हैं।

–अश्विनी गुरुजी

मंगलकारी भादो की हुई शुरुआत

जानिए भाद्रपद माह का महात्मय

सावन महीने का समापन हो चुका है और भाद्रपद महीने की शुरुआत हो चुकी है । सावन माह जिस तरह भगवान शिव को समर्पित है, ठीक वैसे ही भाद्रपद भगवान गणपति को समर्पित है। यह माह गणपति मंगल के आने का प्रतीक है। इसलिए इस माह को भी मंगलकारी कहा जाता है।

सृष्टि के संचालनकर्ता भगवान विष्णु आषाढ़ी एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक राजा बलि के यहां शयन करते हैं। इसलिए चौमासे यानी चातुर्मास की अवधि में भगवान शिव श्रृष्टि का संचालन करते है। इसलिए कार्तिक माह तक शिव परिवार ही संचालन करतें हैं। श्रावण में शिव, भाद्रपद में गणेश और अश्विन में माता पार्वती (नवरात्रि)।पुराणों में सावन माह को शिवजी का सर्वश्रेष्ठ और प्रिय माह बताया गया है–

द्वादशस्वपि मासेषु श्रावणो मेऽतिवल्लभः।
श्रवणार्हं यन्माहात्म्यं तेनासौ श्रवणो मतः।।

अर्थ– 12 माह में सावन माह शिवजी को अत्यंत प्रिय लगता है। इसका माहात्म्य सुनने (श्रवण) योग्य है अतः इसे श्रावण कहा जाता है।

शिवजी ने गणेश जी आशीर्वाद दिया था के वे भाद्रपद मे पूजे जाएंगे–

चतुर्थ्यां त्वं समुत्पन्नो भाद्रे मासि गणेश्वर।
असिते च तथा पक्षे चंद्रस्योदयने शुभे।।

हे गणेश्वर! तुम भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को शुभ चन्द्रोदय काल में उत्पन्न हुए हो और रात्रि के प्रथम प्रहर में गिरिजा के चित्त से तुम्हारा रूप आविर्भूत हुआ है, इसलिए उसी दिन तुम्हारा उत्तम व्रत होगा।

इसलिए भाद्रपद मास में गणेश चतुर्थी होती है और गणेश उत्सव मनाया जाता है, जिसमें गणपति जी की प्रतिमा 10 दिवस तक रखे जाने का विधान है। हालांकि भगवान गणेश के साथ ही भगवान कृष्ण का जन्म भी भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था और षष्टी शुक्ल पक्ष को बलराम पैदा हुए थे (गर्ग संहिता अध्याय क्रमांक 10)। इसलिए भाद्रपद में बलराम जयंती और कृष्ण जन्माष्टमी भी होती है।

भाद्रपद माह में इन राशियों की सभी मनोकामनाएं होंगी पूरी, जमकर बटोरेंगे पैसे!

भाद्रपद माह को भी बहुत पवित्र माना जाता है और कई महत्वपूर्ण त्योहार और व्रत इस माह में मनाए जाते हैं। इस बार भाद्रपद महीने में कई राशियों को बेहद लाभ होने वाला है। ग्रह नक्षत्रों की बदलती चाल से कई राशियां लाभान्वित होने वाली है। तो आइए जानते हैं कि इस बार भाद्रपद का महीना किन राशियों का भाग्य उदय करने वाला है।

1. मेष राशि

इस बार मेष राशि वाले जातकों के लिए भाद्रपद माह बहुत शुभ रहने वाला है। आपको अपने करियर में सफलता हासिल होगी और पद–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक स्थिति के मामले में आप अच्छा महसूस कर सकेंगे और धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। जो लोग व्यापार के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए यह समय लाभ दिलाने वाला है। आप हर पहलु पर सफल होते दिखेंगे, लेकिन कोई छोटी मोटी मुश्किल आपको परेशान कर सकती है।

2. कर्क राशि

इस भाद्रपद माह में कर्क राशि वालों की किस्मत भी चमकने वाली है। आपको धन का भरपूर लाभ होगा और कर्ज से जुड़ी मुश्किलों से भी छुटकारा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में भी आपको मान–सम्मान हासिल होगा। जमीन या गाड़ी खरीदने के लिए भी यह समय बहुत अच्छा है। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मजबूत रहेगा और कहीं घूमने की प्लानिंग भी कर सकते हैं।

3. कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए भी ये भाद्रपद माह बहुत शानदार रहने वाला है। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और नए रिश्ते आपकी जिंदगी में दाखिल हो सकते हैं। हर क्षेत्र मे आप सफल होते दिखेंगे। पैसों की बचत इस समय आपको करनी होगी। अपने पार्टनर के साथ आप एक शानदार समय गुजरेंगे और आपके रिश्ते में मिठास आएगी। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं।

4. वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों के लिए भी ये माह बहुत खास रहने वाला है। इस समय आपको कोई संपत्ति का लाभ प्राप्त हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा और कामकाजी के नए राह खुलेंगे। कार्यक्षेत्र पर आपके काम को सराहा जाएगा और भरपूर साथ मिलेगा। रिश्तों में भी आपको पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आप हर मोड़ पर अपने आप को सही साबित कर पाएंगे।

दुनिया का इकलौता हनुमान मंदिर

जहां बजरंगबली गिलहरी के रूप में हैं विराजमान

भारत एक ऐसा देश है जहां हर राज्य में कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर मौजूद हैं। इनमें से कुछ मंदिर अपने अद्भुत रहस्यों और विशेष मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में स्थित गिलहराज हनुमान मंदिर भी एक ऐसा ही मंदिर है, जो अपनी अनोखी मान्यताओं के लिए

जाना जाता है। अलीगढ़ के अचल ताल के पास स्थित इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां संकटमोचन भगवान हनुमान की पूजा गिलहरी के रूप में की जाती है। ऐसा बताया जाता है कि यह भारत का इकलौता मंदिर है, जहां भगवान हनुमान जी गिलहरी के रूप में विराजमान हैं। यह मंदिर अलीगढ़ बस स्टैंड से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, और यहां पहुंचने के लिए भक्त दूर–दूर से आते हैं।

पौराणिक कथा

इस मंदिर से जुड़ी एक पौराणिक कथा है कि जब भगवान राम ने राम सेतु पुल का निर्माण करने का आदेश दिया था, तब भगवान हनुमान जी ने गिलहरी का रूप धारण कर समुद्र पर पुल बनाने में सहायता की थी। भगवान राम ने गिलहरी रूपी हनुमान जी के ऊपर अपना हाथ फेरा, जिससे उनके शरीर पर तीन लकीरें बन गईं। ये लकीरें आज भी गिलहरियों के शरीर पर देखी जा सकती हैं। इसी मान्यता के आधार पर यह मंदिर बना, जहां भगवान हनुमान गिलहरी के रूप में पूजे जाते हैं।

मंदिर की मान्यताएं

गिलहराज हनुमान मंदिर की मान्यताओं के अनुसार, यहां पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। साथ ही, इस मंदिर में 41 दिन तक नियमित पूजा करने से इंसान के सभी ग्रह दोष समाप्त हो जाते हैं। इस मंदिर की मान्यता है कि हनुमान जी के दर्शन से साधक को ग्रहों के प्रकोप से मुक्ति मिलती है और उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। अलीगढ़ का गिलहराज हनुमान मंदिर न केवल अपनी अनूठी मान्यताओं के लिए बल्कि इसकी पवित्रता और भक्तों के अटूट विश्वास के लिए भी प्रसिद्ध है। इस मंदिर की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु दूर–दूर से आते हैं और यहां आकर अपनी श्रद्धा को प्रकट करते हैं।

अनोखा मंदिर, जब तक नहीं लगता है चूरमे का भोग तब तक नहीं होती गांव में बारिश!

बारिश का देवता इंद्र भगवान को कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि अगर इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं वही अच्छी बारिश होती है और इंद्रदेव जिस जगह से नाराज होते हैं वहां कम बरसात होती है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताएंगे जहां के लोग मानते हैं कि उस मंदिर में भोग लगाने के बाद ही क्षेत्र में बारिश का दौर शुरू होता है।

जयपुर व सीकर की अंतिम सीमा पर स्थित पचार गांव में यह मंदिर मौजूद है। इस मंदिर में राम भक्त भगवान हनुमान जी की पूजा की जाती है।

इस मंदिर को खेड़ापति बालाजी के नाम से भी जाना जाता है। इसी मंदिर को लेकर मानता है कि गांव सहित क्षेत्र में बरसात तभी होती है जब इस मंदिर में आकर गांव के लोग चूरमे का भोग लगाते हैं।

जब तक पूरा गांव चूरमे का भोग नहीं लगता है तब तक गांव में बरसात नहीं होती है। इस बात को स्थानीय लोगों ने भी स्वीकारा है।

क्षेत्र में मानसून आने के बाद भी हमारे गांव में बरसात नहीं होती है।

तब गांव के प्रत्येक घर को संदेश भिजवाया जाता है कि बालाजी महाराज को प्रसन्न करने के लिए सुरमे का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद अगले दिन गांव के प्रत्येक घर में चूरमा, दाल और बाटी बनती है।

शाम 4:00 बजने के बाद प्रत्येक घर का एक सदस्य मंदिर में पहुंचता है और बालाजी महाराज को चूरमे का भोग लगता है।

स्थानीय लोग बताते हैं कि चूरमे का भोग लगाने के 2 दिन में ही गांव सहित आसपास के क्षेत्र में बारिश होती है।

यह मंदिर कई दशक पुराना है। शुरुआत के समय में यह मंदिर काफी छोटा था। लेकिन धीरे–धीरे इस मंदिर की महिमा बढ़ती गई। मान्यता है कि इस मंदिर में मन्नत मांगने के बाद सभी की मुराद पूरी होती है उसके बाद वह व्यक्ति इस मंदिर में आकर चूरमे का भोग लगता है।

हाल ही में कुछ साल पहले गांव के ही बड़े व्यापारियों ने इस मंदिर को पूरी तरह कांच से जुड़वा दिया है।

अंदर से यह मंदिर पूरी तरह से कांच का बना हुआ है। दीवारों पर सभी भगवानों की नक्काशी भी की गई है।

पूजा और व्रत के लिए उत्तम दिन है गुरुवार

जानें इस दिन का धार्मिक महत्व

सनातन धर्म में गुरुवार का दिन श्री हरी और भगवान बृहस्पति को समर्पित है। कहा जाता है इस दिन भगवान विष्णु का व्रत रखते हैं तो आपको देवी लक्ष्मी का भी आशीर्वाद मिलता है और पूजा का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। तथा जिन लोगों के विवाह में बार–बार बाधाएं आ रही होती हैं, उन्हें गुरुवार का व्रत जरूर करना चाहिए मान्यता है, कि इस व्रत को करने से इस समस्या से निजात मिल जाता है। आइए जानते हैं, गुरुवार के व्रत और पूजा के सही नियम एवं महत्व।गुरुवार व्रत की शुरुआत करने से पहले आपको इस व्रत से जुड़े नियम और विधि–विधान को जान लेना चाहिए और उसके बाद ही व्रत रखने का संकल्प लेना चाहिए। अगर आप पहली बार इस व्रत को रख रहे हैं, तो इन कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।ध्यान रहे, कि गुरुवार के भूलकर भी पौष माह में शुरू नहीं करना है, आपको। इसके अलावा आप इस व्रत की शुरुआत आप किसी भी माह की शुक्ल पक्ष के गुरुवार से शुरु तथा अनुराधा नक्षत्र से कर सकते हैं। इससे व्रत का शुभ प्रभाव कई अधिक बढ़ जाता है।धार्मिक महत्व के अनुसार लगभग 16 गुरुवार के व्रत करने अच्छे माने जाते हैं और आप चाहें तो 1, 3, 4, 7 या 9 एक साल तक भी गुरुवार का व्रत भी कर सकते हैं और व्रत रखने के बाद 17वें गुरुवार को व्रत का पूरे विधि–विधान के साथ उद्यापन कर लें।

गुरुवार के दिन आप इस प्रकार के भोजन का सेवन कर सकते हैं।उदाहरण के तौर पर आप इस व्रत के दौरान दिन में एक बार बिना नमक का भोजन और फल का सेवन कर सकते हैं।जिस दिन आप गुरुवार का व्रत उद्यापन कर रहे हो उस दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि करने के बाद उद्यापन सारी सामग्री उपलब्ध करले। फिर मंदिर को साफ कर मंदिर में केले के पत्तों का उपयोग करें फिर नारायण को पीले फल, वस्त्र, फूल, मिठाई आदि अर्पित करें। इसके साथ ही प्रार्थना करें कि आपने गुरुवार व्रत का जो संकल्प लिया था, उसे आप पूरा करते हुए आज उस व्रत का उद्यापन कर रहे हैं।इसके बाद भगवान विष्णु और बृहस्पति का ध्यान करें और गुरुवार व्रत की कथा पढ़ें तथा आरती करें और प्रार्थना करें।

मेरे लिए गंभीर किरदार निभाना मुश्किल था : जैस्मीन भसीन

बिग बॉस 14, फियर फैक्टर, खतरों के खिलाड़ी और नागिन-4 में काम करने वाली मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन ने कहा है कि उनके लिए एक गंभीर किरदार निभाना बहुत मुश्किल था, क्योंकि उनकी छवि पहले से ही एक बहुत ही खुशमिजाज इंसान की है। इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म अरदास सरबत दे भले दीऴ की तैयारियों को लेकर अभिनेत्री ऑस्ट्रेलिया में फिल्म के प्रचार कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात कर रही हैं।वीडियो में जैस्मीन कहती हुई सुनाई दे रही हैं, जब आपकी छवि पहले से ही एक जीवंत व्यक्ति की हो, तो खुद को एक गंभीर भूमिका के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में एक कलाकार के लिए अपने दर्शकों को किसी भूमिका की गंभीरता के बारे में समझाना बहुत मुश्किल हो जाता है। मैं सेट पर हर बार जानबूझकर यही सोचती थी कि, जैस्मीन यहां नहीं है, किरदार यहां हैऴ।अरदास सरबत दे भले दीऴ में पंजाबी सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल, गुरप्रीत सिंह घुग्गी, प्रिंस कंवलजीत सिंह भी हैं। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल ने लिखा और निर्देशित किया है।पंजाबी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी टेलीविजन में काम कर चुकी जैस्मीन भसीन ने 2011 में तमिल फिल्म वानमऴ से डेब्यू किया था।उन्होंने गिप्पी ग्रेवाल के साथ कॉमेडी-ड्रामा हनीमूनऴ से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू किया था।अभिनेत्री वर्तमान में अली गोनी को डेट कर रही हैं। अर्जेंटीना जाने से पहले दोनों की पहली मुलाकात 2018 में मुंबई में हुई थी।उन्हें रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ीऴ के सीजन 9 में 10 अन्य लोगों के साथ देखा गया था।अर्जेंटीना में शूटिंग के दौरान उनकी दोस्ती हुई और वे अच्छे दोस्त बन गए। कहा जा रहा है कि यह जोड़ा जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएगा।

बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता ने ओपन हेयर के साथ ग्लैमरस लुक्स से फैंस को बनाया दीवाना

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम की जानी-मानी अभिनेत्री बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। अब हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती को देखकर जेठालाल ही नहीं आप भी फिदा हो जाएंगे, यकीन ना हो तो देखिए ये ग्लैमरस फोटोज...तारक मेहता का उल्टा चश्मा से हर दूसरे घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और ग्लैमरस लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्-वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ब्लू कलर का स्टाइलिश स्लीवलेस गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो किलर लुक्स में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उन पर फिदा हो गए हैं।ओपन हेयर को स्टाइलिश लुक देकर और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर फैंस ने कॉमेंट्स की झड़ी लगा दी है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है-यू लुक एलिगेंट एंड

ग्लैमरस।मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। मुनमुन दत्ता के चाहने वाले उनकी हर एक फोटोज पोस्ट होने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का संघर्ष शुरू

पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपए

जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा को अक्षय कुमार की खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 के साथ स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।वीकेंड पर औसत प्रदर्शन करने के बाद रक्षाबंधन में भी फिल्म की दैनिक कमाई में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला।आइए जानते हैं वेदा ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले सोमवार को 1.50 करोड़ रुपए का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.50 करोड़ रुपए हो गया है।वेदा ने बॉक्स ऑफिस पर 6.3 करोड़ रुपए के साथ धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.8 करोड़ रुपए कमाने में सफल रही।तीसरे दिन इस फिल्म 2.45 करोड़ रुपए और चौथे दिन 3.2 करोड़ रुपए का कारोबार किया था।वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।वेदा में जॉन के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। उनकी अदाकारी की फिल्म में खूब तारीफ हो रही है।अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

शनिवार को फनीवार बनाने आ रहे हैं कपिल शर्मा

सीजन 2 से भी गायब चंदू-सुमोना

कॉमेडियन कपिल शर्मा भले ही टेलीविजन इंडस्ट्री से दूर चले गए हैं, लेकिन ओटीटी पर धमाल मचाने की पूरी तैयारी में हैं। नेटफ्लिक्स पर कॉमेडियन ने अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की शुरुआत की थी। इसे ऑडियंस से प्यार दिया। हालांकि रेटिंग्स के मामले में इसकी किस्मत टीवी पर आने वाले 'द कपिल शर्मा शो' जितनी खास नहीं रही। फिर भी जनता को एक बार फिर हंसाने के लिए कपिल शर्मा अपने साथी कलाकारों के साथ एक बार फिर वापस आ रहे हैं।

काफी दिनों से चर्चा हो रही थी कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' अपने सीजन 2 के साथ नेटफ्लिक्स पर लौट रहा है। अब इसपर मेकर्स और सितारों ने मोहर लगा दी है। शो का प्रोमो सामने आया है, जिसमें कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर और अर्चना पूरन सिंह को ऐलान करते हुए देखा जा सकता है। सभी दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आ रहे हैं। सभी का कहना है कि अब 'हर शनिवार होगा फनीवार, आपके फेवरेट परिवार के साथ'।

शो के प्रोमो में कपिल शर्मा को कॉमेडियन राजीव ठाकुर को छेड़ते देखा जा सकता है। इससे साफ है कि शो में एक बार फिर कपिल शर्मा, राजीव की टांग खींचते नजर आएंगे। इसके अलावा अर्चना पूरन सिंह दोबारा दर्शकों पर्दे के पीछे का हाल बताया करेंगी और अपनी हंसी से उन्हें खुश भी करेंगी।

बड़ी उम्मीद सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा से लगाई जा सकती है। तीनों कपिल के शो में अलग-अलग और मजेदार किरदार निभाते नजर आते हैं। ऐसे में देखना होगा कि अब उन्हें मेकर्स और कपिल शर्मा किन अवतारों में शो में उतारेंगे।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की शुरुआत नेटफ्लिक्स पर 30 मार्च 2024 से हुई थी।

इस शो में सभी सितारों को एयरपोर्ट के सेटअप में कॉमेडी करते देखा गया था। कपिल शर्मा के शो पर रणबीर कपूर, नीतू कपूर, दिलजीत दोसांझ, परिणीति चोपड़ा, क्रिकेटर रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, सानिया मिर्जा, सनी देओल, बॉबी देओल, विक्की कौशल और फेमस पॉप सिंगर एड शीरन ने शिरकत की थी। इतना ही नहीं, बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान भी 10 सालों में पहली बार कपिल शर्मा के शो पर रंग जमाने पहुंचे थे। अब देखना होगा कि नए सीजन में कौन से सितारे कपिल शर्मा संग मस्ती करते दिखेंगे।

क्राइम, मिस्ट्री, थ्रिलर से भरा द बकिंघम मर्डर्स का टीजर आउट

मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार से उठाया पर्दा

करीना कपूर की आगामी क्राइम थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर रिलीज हो गया है । टीजर के साथ ही करीना कपूर के फैंस और दर्शकों में इसकी उत्सुकता नए स्तर पर पहुंच गई है। हंसल मेहता की निर्देशित और करीना कपूर खान, शोभा कपूर और एकता कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर पिछले साल जियो मामी फेस्टिवल में हुआ था।मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर शेयर किया। इस दौरान मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार का खुलासा भी किया। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मिलिए डिटेक्टिव सार्जेंट जसमीत भामरा से। देखिए कैसे वो छुपी सच्चाईयों से पर्दा उठाती हैं। द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर एक डिटेक्टिव सार्जेंट का किरदार निभाएंगी, जिसका नाम जसमीत भामरा है।टीजर की शुरुआत इस दिल दहला देने वाली घटना से होती है, जो उसके किरदार को न्याय की तलाश में ले जाती है। क्राइम, मिस्ट्री और थ्रिलर से भले टीजर में करीना कपूर का किरदार जसमीत भामरा अपने बच्चे को खो देती है।

अपने बच्चे का पता लगाने के लिए डिटेक्टिव सार्जेंट ज्वाइन करती हैं। इस दौरान जसमीत भामरा को कई ऐसे सीन्स का सामना करना पड़ता है, जो एक मां के रूप में उन्हें कमजोर कर देती है। टीजर का अंत एक खूनी सीन से होता है।करीना कपूर ने भी अपनी आने वाली फिल्म का टीजर अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है और कैप्शन में फिल्म का रिलीज डेट 13 सितंबर लिखा है। करीना कपूर के धांसू टीजर पर फैशन डिजाइन रिया कपूर और फैंस का रिएक्शन आया है। रिया ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फायर वाला इमोजी छोड़ा है। वहीं, फैंस को द बकिंघम मर्डर्स का टीजर काफी पसंद आया है। एक फैन ने लिखा है, मन को झकझोर देने वाला टीजर।

फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। एक दूसरे फैन ने लिखा है, नेशनल अवॉर्ड लोडिंग। एक फैन लिखा है, यह ब्लॉकबस्टर होगी।हंसल मेहता की निर्देशित द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर खान और रणवीर बरार अहम भूमिका में हैं। वहीं, ऐश टंडन, असद राजा, प्रभलीन संधू, संजीव मेहरा, अदवोआ अकोतो, जैन हुसैन जैसे कलाकार को-स्टार्स शामिल है। यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में की दैनिक कमाई में भारी गिरावट

जानें पांचवें दिन का कारोबार

अक्षय कुमार की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बेअसर रही हैं। शायद यही वजह है कि उनकी हाल ही में रिलीज फिल्म खेल खेल में से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह भी बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है।कामकाजी दिनों में फिल्म की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई। फिल्म को रक्षाबंधन की भी छुट्टी का फायदा नहीं मिला।आइए जानते हैं पांचवें दिन खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन 1.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 15.95 करोड़ रुपए हो गया है।खेल खेल में ने 5.05 करोड़ रुपए के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन यह फिल्म 2.05 करोड़ रुपए का कारोबार किया।तीसरे दिन यह फिल्म 3.1 करोड़ रुपए और चौथे दिन 3.85 करोड़ रुपए कमाने में सफल रही।खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। 100 करोड़ रुपए की लागत में बनी इस फिल्म तापसी पन्नू, एमी विर्क, वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जयसवाल और फरदीन खान जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद खेल खेल में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहार लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज ख़ुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार–मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की ख़राब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुज़ारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,ज,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 22 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 01:48 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 10:06
योग : धृति दोपहर 01:10 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:48 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:29 से , भद्रा दोपहर 01:47 तक , गण्डमूल रात्रि 10:07 से

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में भारत बंद का रहा मिलाजुला असर

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में बुधवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरुद्ध भारत बंद के तहत बंद शांतिपूर्ण एवं इसका मिला जुला असर रहा।

राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के जोधपुर, अजमेर, भरतपुर सहित कई जिलों में बंद के तहत कई संगठनों ने रैलियां निकाली और इस दौरान इन स्थानों पर अधिकतर दुकानें बंद रही। बंद के मद्देनजर प्रशासन एवं पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। इस दौरान जयपुर में रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। शहर में यह यह रैली रामनिवास बाग से शुरु होकर सांगानेर, बड़ी चौपड़, अजमेरी गेट होते हुए वापस रामनिवास बाग पर आकर समाप्त हो गई। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित के अनुसार जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण में बंद शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया और इस दौरान शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रैलियां निकाली गई और उनका शांतिपूर्ण समापन हुआ। इसके बाद ज्ञापन देकर लोग अपने गंतव्य पर चले गये। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान कानून एवं शांति बनाये रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए और बंद शांतिपूर्ण रहा एवं कहीं से भी कोई अप्रिय खबर प्राप्त नहीं हुई।इससे पहले सुबह से बंद को लेकर लोग सड़कों पर आने लगे और विभिन्न जगहों पर रैलियां निकाली गई और कुछ स्थानों पर दुकानें खुली दिखने पर उन्हें बंद भी कराया गया लेकिन इस दौरान कहीं भी कोई टकराव की स्थिति नहीं बनी। हालांकि रैली निकालने के दौरान रास्ते बंद करने से कुछ देर लोगों को परेशानी हुई। इसी तरह भरतपुर में भी भारत बंद के तहत रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। भरतपुर कलक्टर मृदुल कच्छावा के अनुसार भरतपुर में बंद शांतिपूर्ण रहा और इस दौरान कहीं से कोई अप्रिय खबर नहीं मिली हैं। उन्होंन बताया कि इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए माकूल प्रबंध किए गए थे। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य कई हिस्सों में बंद शांतिपूर्ण रहा और इसका मिलाजुला असर देखने को मिला। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में बंद का असर कम देखने को मिला।

उदयपुर में हालात सामान्य, स्कूल कालेज बंद रहे, इंटरनेट सेवाएं बहाल

उदयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर शहर में एक सरकारी स्कूल में हुई चाकूबाजी की घटना में सहपाठी छात्र की मौत से उपजे तनाव के बाद बुधवार को हालात सामान्य रहे। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने आदेश जारी कर उदयपुर नगर विकास प्राधिकरण क्षेत्र में गत शुक्रवार से बंद की गयी इंटरनेट सेवायें आज दोपहर बहाल कर दी गयीं।अनुसूचित जाति और जनजाति संगठनों द्वारा उच्चतम न्यायालय द्वारा आरक्षण के मामले में दिये गये निर्णय के विरोध में आज भारत बंद के आह्वान पर उदयपुर जिले में भी स्कूल कालेज बंद रहे। शहर के बाजार भी छुटपुट बंद रहे। शहर में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जिला कलेक्टर द्वारा शहर में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये 26 कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं, जो स्थिति पर नजर रखे हुये हैं। शहर में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई धारा 144 लागू है।गौरतलब है कि शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र के भटियानी चोहट्टा के सरकारी विद्यालय में गत शुक्रवार को कक्षा दसवीं में अध्ययनरत एक छात्र ने सहपाठी छात्र देवराज मोची पर चाकू से हमला कर दिया था।

स्कूल में चाकूबाजी की घटना के मामले में प्राचार्य निलंबित

उदयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने उदयपुर में छात्रों के बीच हुई चाकूबाजी की घटना के मामले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भटियानी चोहट्टा के प्राचार्य ईशा धर्मावत को निलंबित कर दिया गया है।श्री मोदी ने मंगलवार शाम को इस संबंध में आदेश जारी कर करते हुये कहा कि इस मामले में पृथम दृष्टया विद्यालय प्रशासन को दोषी ठहराया गया है। निलंबन समय के दौरान प्राचार्य धर्मावत का मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर रहेगा। इसी प्रकार, शिक्षा विभाग के उदयपुर के संयुक्त निदेशक महेंद्र कुमार जैन ने कक्षा अध्यापक राकेश कुमार जारोली को एपीओ करते हुये उनके विरुद्ध विभागीय जांच बैठाने के आदेश दिये हैं। इस दौरान श्री जारोली को अपनी उपस्थिति सीबीईओ भैंसरोड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ देनी होगी।

आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रही हरियाणा सरकार : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने बुधवार को आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर आचार संहिता की सरेआम धज्जियां उड़ा रही है।उन्होंने यहां जारी बयान में कहा कि चुनाव आयोग के एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा के बाद 16 अगस्त से ही चुनाव आचार संहिता लग गयी है, लेकिन मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्री सरकारी प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि आचार संहिता लगने के बाद मुख्यमंत्री समेत कोई भी मंत्री सरकारी इमारत, सरकारी वाहनों का इस्तेमाल समेत मतदाताओं को रिझाने के लिये नहीं कर सकते।

उन्होंने आरोप लगाया कि इसके अलावा कोई भी सरकारी नौकरी देने का विज्ञापन और अन्य लाभ देने की घोषणायें नहीं की जा सकती लेकिन मुख्यमंत्री आचार संहिता लगने के बाद से ही लगातार मतदाताओं को रिझाने के लिये सरकारी नौकरी देने, अधिकारियों के ट्रांसफर करने और अन्य लोकलुभावन घोषणायें कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ही नारायणगढ़ में मेडिकल कॉलेज खोलने जैसी लोकलुभावन घोषणा की हैं। मंत्री सरकारी भवनों में प्रेस वार्ता कर सरेआम आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। एक मंत्री ने तो सार्वजनिक तौर पर कहा है कि अगर किसी और दल की सरकार बनी तो भाजपा की केंद्र की सरकार छह महीने में उसे तोड़ कर भाजपा की सरकार बना देगी।श्री चौटाला ने हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा सरकार द्वारा सरकारी नौकरी देने के लिये घोषणा करने और विज्ञापन देने को सही ठहराने भी पर कड़ा एतराज जताते हुये कहा कि ऐसा लगता है कि हरियाणा चुनाव आयोग भी भाजपा के साथ मिल कर चुनाव लड़ रहा है, जबकि राष्ट्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त की तरफ से ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने शासनकाल में तो सरकारी नौकरियां दी नहीं और अब आचार संहिता लगने के बाद वोट लेने के लिए रेवड़ियां बांट कर युवाओं के साथ छल कर रही है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र किया दाखिल

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी तीन सितंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार एवं रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को यहां अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। श्री बिट्टू ने यहां विधानसभा भवन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मौजूदगी में निर्वाचन अधिकारी एवं विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा तथा संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद थे। इसके बाद श्री बिट्टू विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मिले और श्री देवनानी ने श्री बिट्टू को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। इससे पहले श्री बिट्टू के नामांकन के लिए विधानसभा भवन पहुंचने पर श्री शर्मा, श्रीमती दिया कुमारी, डा. बैरवा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, श्री पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, कई मंत्री एवं विधायकों ने उनका स्वागत किया।

राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने की आखिरी तारीख थी तथा नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी जबकि 27 तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे और आवश्यक होने पर तीन सितंबर को सुबह नौ से अपराह्न चार बजे तक कराया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि श्री बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं और उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले गत 24 मार्च को ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। इसके बाद भाजपा ने तीन बार सांसद रहे श्री बिट्टू को लुधियाना से अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाया था लेकिन वह चुनाव हार गए लेकिन उन्हें मंत्री बनाया गया। श्री बिट्टू वर्ष 2019 एवं 2014 में लुधियाना तथा 2009 में आनंदपुर साहिब से कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में लोकसभा का चुनाव लड़कर तीन बार सांसद बने।

उन्होंने पंजाब में वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ा लेकिन वह चुनाव हार गए। अब उन्हें राज्यसभा में सांसद बनने का मौका मिला हैं। राजस्थान में भाजपा की सरकार हैं और उसके बहुमत के हिसाब श्री बिट्टू को राज्यसभा चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही हैं। उपचुनाव के लिए श्री बिट्टू के अलावा निर्दलीय उम्मीदवार बबीता बाघवानी ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। अगर निर्दलीय प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले लेती है तो श्री बिट्टू राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने जायेंगे।

हरियाणा से भाजपा प्रत्याशी किरण चौधरी ने दाखिल किया नामांकन

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेत्री किरण चौधरी ने बुधवार को राज्य सभा उपचुनाव के लिये नामांकन दाखिल किया। श्री चौधरी के नामांकन दाखिल करते समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बदौली और पार्टी के प्रदेश में चुनाव सह प्रभारी विप्लव देव मौजूद थे। हरियाणा से रिक्त राज्यसभा सीट के लिये किरण चौधरी को कल ही भाजपा ने प्रत्याशी घोषित किया था। उससे पूर्व उन्होंने तोशाम विधानसभा सीट की विधायक के रूप में इस्तीफा दिया था, जो विधानसभा अध्यक्ष द्वारा तुरंत प्रभाव से स्वीकार किया गया था।

संभावना है कि किरण चौधरी निर्विरोध ही चुन ली जायें क्योंकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने संख्याबल पक्ष में न होने के कारण कोई प्रत्याशी न खड़ा करने का निर्णय लिया है। किरण चौधरी कुछ महीने पहले ही काँग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं थीं। यह सीट दो माह पहले कांग्रेस नेता दीपेन्द्र हुड्डा के रोहतक से लोकसभा चुनाव जीतने से रिक्त हुई थी।

हरियाणा में चुनाव परिणामों तक नहीं जारी हो सकेंगे भर्तियों के रिजल्ट

चुनाव आयोग ने लगाई रोक

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव पूरा होने तक हरियाणा में चल रही भर्ती प्रक्रिया के परिणाम की घोषणाओं पर रोक लगा दी है। ये भर्ती हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) और हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा विभिन्न पदों पर हो रही थीं। चुनाव आयोग ने हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल के 5600 पदों और एचपीएससी टीजीटी और पीटीआई के 76 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश से शिकायत मिली थी। इसपर आयोग ने संज्ञान लिया है। इसके बाद, आयोग ने राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और राज्य सरकार से तथ्यों का पता लगाने के बाद और मौजूदा आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) निर्देशों के मद्देनजर, आयोग ने एचएसएससी और एचपीएससी द्वारा चल रही भर्ती प्रक्रिया में चुनाव आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं पाया। आयोग ने पाया है कि भर्ती प्रक्रिया चुनाव की घोषणा से पहले शुरू की गई थी और चुनाव आचार संहिता के निर्देशों के तहत है, जहां वैधानिक अधिकारी अपना काम जारी रख सकते हैं। लेकिन, समान अवसर बनाए रखने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी को कोई अनुचित लाभ न मिले, आयोग ने निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारियों (एचएसएससी और एचपीएससी) द्वारा इन भर्ती के परिणामों की घोषणा विधानसभा चुनाव के पूरा होने तक जारी नहीं की जाएगी।

जजपा विधायक रामकरण काला हुए कांग्रेसी, दिल्ली में भूपेंद्र हुड्डा ने पार्टी में कराया शामिल

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जजपा को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। अब शाहाबाद से जजपा के विधायक रामकरण काला और उनके समर्थकों ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। बुधवार को दिल्ली में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान की अगुवाई में काला ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले काला के दोनों बेटे कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं।वहीं, खरखौदा से बीजेपी उम्मीदवार रहे कुलदीप काकराण, पूर्व प्रदेश सूचना आयुक्त जय सिंह बिश्नोई व भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. विजय दहिया भी कांग्रेस में शामिल हुए हैं। हुड्डा और चौ. उदयभान ने पार्टी में आए सभी नेता व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया और उन्हें पूर्ण मान–सम्मान का भरोसा दिलाया। हुड्डा ने कहा कि तमाम नेताओं ने सही समय पर सही फैसला लिया है। यह फैसला आने वाले चुनाव में रंग लाएगा और कांग्रेस की सरकार बनाने में मददगार साबित होगा। चौधरी उदयभान ने कहा कि 2 साल के भीतर बीजेपी, जेजेपी जैसे दलों से 45 विधायक और पूर्व विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। पार्टी का कुनबा लगातार विस्तार लेता जा रहा है और बीजेपी–जेजेपी की सियासी जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई और विधायक उनके संपर्क में हैं। बता दें कि टोहाना से जजपा विधायक देवेंद्र बबली, गुहला चीका से विधायक ईशवर सिंह भी कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सिपाही भर्ती पर भारत बंद का असर

प्रश्न पत्र ले जा रहे मजिस्ट्रेट को रोका, अभ्यर्थियों में आक्रोश

वैशाली (एजेंसियां)।

भारत बंद का असर अब सिपाही भर्ती परीक्षा पर भी देखने को मिल रहा है। सुबह से कई जिलों में सिपाही अभ्यर्थी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आवागमन बाधित होने के कारण वह समय पर परीक्षा केंद्र पर भी पहुंच नहीं पाए। इधर, वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर में बंद समर्थकों द्वारा प्रश्न पत्र लेकर जा रहे मजिस्ट्रेट को रोक दिया गया। मजिस्ट्रेट ने काफी समझाने की कोशिश की लेकिन बंद समर्थकों ने उन्हें पत्र पेपर केंद्र पर नहीं ले जाने दिया।

बताया जा रहा है कि सिपाही भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लेकर जिला आपूर्ति प्राधिकारी और वैशाली जिले के साइबर थाना अध्यक्ष के द्वारा दो परीक्षा केंद्रों पर लेकर जाना था। लेकिन, सादुल्लापुर में भारत बंद के समर्थकों के द्वारा बांस बल्ला सड़क को घेर कर पूरी तरीके से यातायात को ठप कर दिया गया। वहीं जिला आपूर्ति पदाधिकारी समर्थकों से अपील करती रहीं कि हमें दो परीक्षा केंद्रों पर जाना है। लेकिन, समर्थकों के द्वारा नहीं जाने दिया गया। जिसके बाद प्रश्न पत्र लेकर दूसरे रास्ते से परीक्षा केंद्र के लिए जिला आपूर्ति प्राधिकारी रवाना हुए। मौके पर गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को दूसरे रास्ते से निकलकर परीक्षा केंद्र पर पहुंचाई वैशाली जिले में सुबह से ही तमाम स्टेट हाईवे एवं नेशनल हाईवे को भारत बंद के समर्थकों के द्वारा आगजनी का पूरी तरीके से जाम कर दिया गया है।

इधर, नवादा, गया, भागलपुर, पूर्णिया और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों में आक्रोश है। अभ्यर्थियों ने कहा कि बंद के चलते हमारे साथी जहां-तहां फंसे हुए हैं। केंद्रीय चयन पर्षद को आज की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए। हमलोगों को परीक्षा की तारीख आग बढ़ानी चाहिए। हमलोगों को अंदाजा नहीं था कि हालात ऐसे हो जाएंगे नहीं तो हमलोग एक दिन पहले यहां आ जाते।

गया में आरक्षण फैसले के खिलाफ विभिन्न दलों ने किया प्रदर्शन

जीतन-चिराग को बताया दलित विरोधी

गया (एजेंसियां)।

आरक्षण के वर्गीकरण के विरोध में आज 21 अगस्त को पूरे भारत देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इसी सिलसिले में गया शहर में भी विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शनकारियों ने जोरदार नारेबाजी की। हालांकि विधि व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन करने वालों को देखते हुए शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। वहीं, प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ पुलिस बल भी साथ-साथ चल रहे थे।

प्रदर्शन में शामिल राजद विधायक सतीश कुमार दास ने कहा कि कोर्ट द्वारा आरक्षण का वर्गीकरण किया जा रहा है, यह कहीं से सही नहीं है। वहीं, सर्व प्रथम हरियाणा की सरकार ने इसे लागू भी कर दिया है, इसका हम लोग जोरदार विरोध करते हैं। हमारी मांग जायज है और अगर सरकार को यह लगता है कि हमारी मांग जायज है तो वह अध्यादेश लाकर आरक्षण को संविधान की 9वीं सूची में शामिल करें। ताकि कोई भी सरकार इससे छेड़छाड़ करने की हिम्मत न कर सके।

उन्होंने कहा कि कोर्ट के इस फैसले का हम जोरदार विरोध करते हैं। राजद विधायक ने कहा कि साथ ही केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और लोजपा रामविलास प्रमुख चिराग पासवान का भी हम लोग विरोध करते हैं। ये लोग सिर्फ दलित के साथ होने का दावा करते हैं। ये लोग दलित विरोधी हैं और तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। हमारा यह विरोध आगे भी जारी रहेगा।

उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा ने किया राज्यसभा का नामांकन

आने वाला समय भी भाजपा का होगा

पटना (एजेंसियां)।

देश के सात राज्यों की 10 राज्यसभा सीटों पर उप चुनाव होने हैं। चुनाव के नामांकन की आखरी तारीख 21 अगस्त को है। अंतिम समय में भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों का एलान किया। बिहार से पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहाऔर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के नाम पर मुहर लगी। आज दोनों नेता विधान सभा में अपना नामांकन भर दिया। उपेंद्र कुशवाहा नामांकन करने बिहार विधानसभा पहुंच गए। उन्होंने साथ उनके समर्थक और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कई नेता भी थे।

सीएम नीतीश कुमार भी विधानसभा पहुंचे हैं। एनडीए नेताओं का पहुंचना जारी है।

नामांकन करने के बाद मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मंत्री जेपी नड्डा और पूरी भाजपा का मैं धन्यवाद देता हूं। जो भी जिम्मेदारी मिली है, उसका ईमानदारी से निर्वहन करुंगा। पार्टी हित में हमेशा काम करता रहूंगा। आज का समय भाजपा का है आने वाला समय भी भाजपा का ही होगा। क्योंकि भाजपा हमेशा जनता और देशहित में काम करती है। मनन मिश्रा ने विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत मिलने का दावा किया।

इधर, नामांकन के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि राज्यसभा सदस्य उप-चुनाव में एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा उम्मीदवार के तौर पर अपना पर्चा दाखिल किया। मैं एनडीए के सभी नेताओं, शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद देता हूं। आगामी चुनावी में एनडीए को जनता ने आशीर्वाद दे दिया है।

नगर निगम के हाईवा ने सामने से मारी ऑटो में टक्कर, एक मौत कई घायल

पटना (एजेंसियां)।

पटना के यारपुर पुल पर नगर निगम के हाईवा गाड़ी ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दिया। इस घटना में ऑटो में सवार छह लोगों में एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। मृतक की पहचान वैशाली निवासी कुमार गौरव (23) के रूप में हुई है। घायलों में धर्मवीर कुमार (40), दीपक कुमार (40), उनकी पत्नी अमिता भारती (31) एवं दो जुड़वा बच्चे अनुज राज एवं तनिश कुमार (4) शामिल हैं। सभी

घायलों को इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पटना ट्रैफिक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और नगर निगम के गाड़ी एवं ऑटो को जब्त कर थाना ले आई है।

घटना के संबंध में ट्रैफिक थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार को एक ऑटो से 6 व्यक्ति सवार होकर पटना स्टेशन की तरफ से आ रहे थे। जैसे ही ऑटो यारपुर पुल पर पहुंची सामने से तेज रफ्तार से आ रहे नगर निगम के हाईवा ने सामने से ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो बीच सड़क पर पलट गई और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना होते ही हाईवा का चालक गाड़ी छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गया। आसपास के लोग दौड़कर वहां पहुंचे और किसी तरह सभी घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गर्दनीबाग थाने को दी। सूचना मिलते ही गर्दनीबाग थाना और ट्रैफिक थाना गांधी मैदान की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया। इस हादसे मे एक युवक की मौत हो गई, जिसके शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है।

पटना में दम घुटने से एक साथ चार लोगों की मौत

साथी को ढूंढ़ने में एक-एक कर मौतें, बाढ़ में हादसा

पटना (एजेंसियां)।

पटना के बाढ़ में नवनिर्मित शौचालय की टंकी की शटरिंग खोलने गए चार युवकों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के पूरे गांव में सनसनी मच गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बाढ़ थाना और अनुमंडल पदाधिकारी को दी। सूचना मिलते ही बाढ़ थाने की पुलिस और अनुमंडल एसडीएम मौके पर पहुंचे एवं टंकी के अंदर फंसे युवकों को

निकालने के लिए बचाव एवं राहत कार्य प्रारंभ कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों की लाशों को बाहर निकाला गया लेकिन किसी की जान नहीं बच पाई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ थाना क्षेत्र के कुड़ाई बाग गांव में अरविंद कुमार नाम का एक किसान के घर शौचालय के टंकी का निर्माण कराया जा रहा था। बुधवार को टंकी के शटरिंग खोलने के लिए गांव के ही एक युवक टंकी के अंदर उतरे और अंदर फंस गए। इसी तरह फंसे युवक को निकालने के लिए एक-एक कर चार लोग टंकी के अंदर घुसे और सभी लोग अंदर फंसे रह गए। जब काफी देर के बाद टंकी के अंदर फंसे लोग बाहर नहीं निकले तो लोगों ने इन सबों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। समाचार लिखे जाने तक टंकी के अंदर फंसे युवकों को बचाने का रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ हो गया था।

पटना में बिहार पुलिस ने आईएएस पर लाठीचार्ज कर दिया, पहचान होते ही मच गया हंगामा

पटना (एजेंसियां)।

भारत बंद के दौरान पटना एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में पटना पुलिस एक आईएएस अधिकारी को डंडे मारते दिख रही है। हालांकि, वरीय अधिकारियों के समझाने पर जवान ने आईएएस अधिकारी को पहचान लिया और बाद में उनसे माफी भी मांग ली। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कुछ लोग तो सोशल मीडिया पर पुलिस को ट्रोल भी कर रहे हैं कि अपने ही अधिकारी को पुलिसकर्मी पहचान नहीं पाए। दरअसल, डाक बंगला चौराहा पर भारत बंद के समर्थक उग्र हो गए थे। प्रदर्शनकारियों ने

बैरिकैडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने पहले काफी समझाने की कोशिश लेकिन जब प्रदर्शनकारी नहीं माने तो लाठीचार्ज कर दिया। इधर, पुलिस अधिकारियों के साथ पटना के सदर के एसडीएम आईएएस श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर विधि व्यवस्था दुरुस्त करने लगे थे। वहीं लाठीचार्ज होते ही प्रदर्शनकरी इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर प्रदर्शनकारियों को पीटा। इसी बीच एक पुलिसकर्मी सदर एसडीएम को पहचान नहीं पाया और उनपर लाठी चला दी। हालांकि फौरन वहां मौजूद वरीय अधिकारियों ने पुलिसकर्मी को पकड़ लिया। पुलिसकर्मी ने सफाई देते हुए कहा कि वह एसडीएम साहब को पहचान ही नहीं पाया। भीड़ अनियंत्रित हो गई थी। इसलिए लाठी भांजने के दौरान ऐसा हो गया।

मोतिहारी में प्रदर्शनकारियों ने शोरूम बंद न करने पर स्टाफ को किया घायल

मोतिहारी (एजेंसियां)।

पूर्वी चंपारण जिले में बुधवार यानी 21 अगस्त को बुलाए भारत बंद को लेकर कई जगहों पर बंद समर्थक काफी उत्साहित नजर आए तो कहीं उग्र भी हो गए। मोतिहारी के घोड़ासाहन में शोरूम बंद न किए जाने पर प्रदर्शनकारियों ने स्टाफ से मारपीट कर घायल कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने रेलवे ट्रैक जाम कर रेल सेवा को भी बाधित कर दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण में क्रीमी लेयर वाली टिप्पणी से आहत एससी-एसटी समुदाय से जुड़े संगठन जिले में

कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, घोड़ासाहन में बंद समर्थकों द्वारा दुकानों को बंद कराया जा रहा था। इनका एक जत्था हाथों में इनके संघ के झंडे लेकर घूम रहा था और इनके द्वारा दुकानों को जबरन बंद कराया जाने लगा। इसी दौरान यह जत्था घोड़ासाहन से ढाका जाने वाले मुख्य पथ पर स्थित होंडा शोरूम की तरफ गया। फिर बंद समर्थक शोरूम को बंद कराने की कोशिश करने लगे। इस दौरान शोरूम के कर्मचारी से कहासुनी होने लगी। बाद में बंद समर्थक उग्र हो गए और उक्त शोरूम में घुसकर उसके स्टाफ के साथ मारपीट करने लगे। बाद में इसी में अन्य लोगों द्वारा स्थिति को नियंत्रित किया गया।

वहीं, एक अन्य घटना में बंद समर्थक रक्सौल-दरभंगा रेलखंड के घोड़ासाहन रेलवे स्टेशन पर पंहुच गए। यहां बंद समर्थक काफी उत्साहित देखे गए और 05218 रक्सौल-दरभंगा सवारी गाड़ी को करीब 20 मिनट तक रोककर प्रदर्शन किया। इस दौरान ट्रेन में सफर कर रहे यात्री काफी परेशान रहे। बाद में रेल प्रशासन और पुलिस के समझाने के बाद बंद समर्थक वहां से हटे और ट्रेन खुल सकी।

सिपाही भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे अभ्यर्थियों ने ट्रेनों पर जमाया कब्जा, जमकर उड़ाईं नियमों की धज्जियां

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में विभिन्न परीक्षा केंद्रों से सिपाही भर्ती परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों का असभ्य रूप देखने को मिला। इस दौरान अभ्यर्थियों ने ट्रेनों पर कब्जा कर लिया और वे अपनी जान की परवाह न करते हुए ट्रेनों के खिड़की-दरवाजों से लटके नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेन में घुसने को लेकर अन्य यात्रियों के साथ खूब कहासुनी और नोकझोंक की। इस दौरान पूरा मुजफ्फरपुर जंक्शन अभ्यर्थियों की भीड़ से पट गया। वहीं, इस दौरान सुरक्षा को लेकर रेल पुलिस अलर्ट पर रही।

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर जंक्शन पर सिपाही भर्ती परीक्षा देकर निकल रहे अभ्यर्थियों ने ट्रेनों पर कब्जा जमा लिया। इस दौरान हाजीपुर-समस्तीपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल रूट की ओर जाने वाली ट्रेनों पर अभ्यर्थियों ने अभद्रता की हद पार कर दी। इसके कारण दूर दराज और पास जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

अभ्यर्थियों ने ट्रेनों में न सिर्फ बैठने और कब्जा जमाने को लेकर, बल्कि नियमों को तक पर रखकर ट्रेनों में प्रवेश किया। इस दौरान बहुत से अभ्यर्थी बिना फुट फ्लावर को पार किए रेलवे ट्रैक से होकर ट्रेनों के दूसरे गेट की ओर पहुंचे। वहीं, ट्रेनों को सप्लाई होने वाली पाइप पर खड़े होकर गाड़ी में चढ़ गए। इस दौरान ट्रेन पर चढ़ने को लेकर पहले से बैठे हुए यात्रियों के साथ खूब नोकझोंक हुई।

इधर, आरपीएफ के इंचार्ज और चौकी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि भारत बंद को देखते हुए और सिपाही भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आने को लेकर रेल पुलिस टीम ने विशेष प्रबंध किए थे। प्लेटफॉर्म के दोनों ओर जवानों की तैनाती की गई।

ताकि अवैध रूप से कब्जा न हो। इसका ध्यान रखने के लिए अभ्यर्थियों को कतारबद्ध होकर ट्रेनों में चढ़ाया गया है। किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। ट्रेन में चढ़ाने को लेकर ठझक्र टीम अलर्ट पर रही है और आगे शाम तक इसी तरह का व्यवस्था की गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com